मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.6	19.6
जमशेदपुर	32.6	19.7
डालटनगंज	32.4	15.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित | www.lagatar.in | रांची ● मंगलवार, 07 नंवबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 201 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

किसने क्या कहा

- सरकार चलाने का जनादेश केवल उनके पास है, भले ही यह काम जेल से क्यों न हो
  –अरविंद केजरीवाल
- उद्योगपतियों का हजारों करोड़ माफ हो सकता है, तो पुरानी पेंशन क्यों नहीं?
  – प्रियंका गांधी वाड्रा
- हेमंत शिबू सोरेन के पुत्र है. उन्हें हटाने की मंशा रखने वालों को जनता जवाब देगी
  – विनोद पांडेय

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57,500
चांदी (किलो)	74,000

ब्रीफ खबरें

भूकंप से दिल्ली से नेपाल तक फिर कांपे

नई दिल्ली। नेपाल में सोमवार को 5.6 तीव्रता का भूकंप आया और उत्तर भारत के दिल्ली व आसपास भी झटके महसूस किये गये. भूकंप का केंद्र यूपी के अयोध्या से 233 किमी उत्तर में था. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई लोगों ने फर्नीचर के हिलने की सूचना दी. इससे पहले शुक्रवार की रात भी नेपाल में आए 6.4 तीव्रता के भूकंप में 157 लोगों की मौत हो गई थी.

पूर्व विधायक अमित को सुप्रीम कोर्ट से बेल

रांची। सिल्ली के पूर्व विधायक अमित महतो को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गयी है. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आरएस बोपन्ना और जस्टिस नरसिंहन की बेंच में अमित महतो की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई. महतो की ओर से वरीय अधिवक्ता संजीव कुमार ने बहस की. रांची सिविल कोर्ट ने वर्ष 2018 में अमित महतो को सोनाहतू सीओ के साथ मारपीट के केस में दो वर्ष की सजा सुनाई थी. जिससे उनकी विधायकी चली गयी. इसके खिलाफ अमित ने हाईकोर्ट में अपील दायर की. हाईकोर्ट ने एक साल की सजा दी थी. महतो ने सुप्रीम कोर्ट में क्रिमिनल एसएलपी दाखिल की थी. जिसपर सोमवार को सुनवाई हुई और अदालत ने उन्हें जमानत दे दी.

खादी बोर्ड में 10 लाख का गबन, मामला दर्ज

रांची। झारखंड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड में 10 लाख गबन करने का मामला सामने आया है. इसे लेकर सोमवार को रांची कार्यालय के निरीक्षक दीनदयाल शर्मा ने सुखदेवनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई. इसमें विभूति कुमार राय को आरोपी बनाया गया है. विभूति राय जमशेदपुर शाखा में प्रबंधक के तौर पर पदस्थापित हैं. राशि का गबन चार बार में हुआ है. इसकी भी जानकारी पुलिस को दी गयी है. सुखदेवनगर थाना की पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. इस मामले में तीन अलग-अलग तारीख में पैसों की निकासी हुई है. पहली बार में पांच लाख रुपए की निकासी 19 अप्रैल 2014 को हुई थी. दूसरी राशि दो लाख 29 अप्रैल 2014 को, फिर तीसरी राशि तीन लाख 28 अप्रैल 2014 को निकासी की गयी थी.

विधेयकों को मंजूरी देने में राज्यपालों की देरी पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

अंतरात्मा की सुनें

एजेंसियां। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों के लिए कड़ी टिप्पणी की है. अदालत ने सोमवार को राज्यपालों को अपने अंदर झांकने तक का सुझाव दे डाला है. पंजाब सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राज्यपालों को चाहिए कि वो विधेयकों से जुड़े मामलों को सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुंचने दें, ऐसा हो इससे पहले वो कार्रवाई कर दें.

सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को पंजाब विस से पारित विधेयकों पर राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित की ओर से उठाए कदमों पर अपडेट रिपोर्ट देने का निर्देश भी दिया. राज्यपाल की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने बेंच को बताया कि राज्यपाल ने उनके पास भेजे बिलों पर कार्रवाई की और सरकार ने बेवजह ही याचिका दायर की. सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं. पीठ ने कहा, राज्यपालों को आत्मावलोकन की आवश्यकता है, उन्हें अंतरात्मा की आवाज भी सुननी चाहिए और उन्हें पता होना चाहिए कि वे जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं.

राज्यपाल बाध्य हैं - वह या तो विधेयक वापस करें या हस्ताक्षर करें

अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सात बिल पास हुए. राज्यपाल कुछ कर नहीं रहे. स्पीकर ने सत्र को फिर से बुलाया है. विधानसभा ने 7 विधेयक पारित किये हैं. राज्यपाल बाध्य हैं- वह या तो विधेयक वापस कर सकते हैं, या हस्ताक्षर करें. लेकिन वह यह कहते हुए हस्ताक्षर नहीं कर रहे कि सत्र खत्म होने पर आप दोबारा बैठक नहीं कर सकते. सीजेआई ने कहा कई राज्यो में इसी तरह की स्थिति देखने को मिल रही है.

स्टेटस रिपोर्ट देने का आदेश

सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, सॉलिसिटर जनरल कह रहे हैं कि पंजाब के गवर्नर ने काम कर दिया है और ताजा स्टेटस रिपोर्ट कुछ दिन में पेश की जाएगी. याचिका को शुक्रवार को सुनवाई के लिए लिस्ट करें और अदालत को राज्यपाल द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में बताएं. सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर अगली सुनवाई के लिए 10 नवंबर की तारीख तय कर दी. सीजेआई ने कहा कि राज्यपाल के पास बिल को सुरक्षित रखने का अधिकार है. इस पर पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि राज्यपाल पूरी विधानसभा से पारित सात विधेयकों को रोके हुए हैं. वहीं, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जहां जब कि किसी को एब्यूज करना हो, तो सदन का सत्र बुला लिया जाता है. ऐसा संवैधानिक इतिहास में कभी नहीं हुआ है.

हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले भी राज्यपालों को लेकर कड़ी टिप्पणिया की हैं. सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्यपालों को याद रखना चाहिए कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को जल्द से जल्द मंजूरी देना उनकी जिम्मेदारी है. संसदीय लोकतंत्र में, राज्यपाल के पास आवश्यक सहमति को स्थगित करने या देरी करने का कोई विवेक नहीं है. हाल के वर्षों में गैर-भाजपा शासित राज्य सरकारों ने बार-बार आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार राज्य विधानसभाओं को अपना काम करने की अनुमति नहीं देने के लिए राज्यपाल के कार्यालय का उपयोग कर रही है. तमिलनाडु विधानसभा ने इस पर एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि केंद्र सरकार को एक समय सीमा तय करनी चाहिए जिसके भीतर राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देनी होगी. दिल्ली, झारखंड और पंजाब के मुख्यमंत्रियों ने तमिलनाडु विधानसभा के प्रस्ताव के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की थी.

ये है पूरा मामला

पंजाब सरकार ने याचिका में विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी के लिए राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को निर्देश देने का अनुरोध किया है. कहा गया है कि इस तरह की असांविधानिक निष्क्रियता से पूरा प्रशासन ठप पड़ गया है. सरकार ने दलील दी कि राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए विधानसभा से पारित विधेयकों को रोक नहीं सकते हैं. याचिका में पंजाब के राज्यपाल के प्रधान सचिव को पहले प्रतिवादी बनाया गया गया है. याचिका में कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, सरकार द्वारा दी गई सहायता और सलाह के अनुसार राज्यपाल को विधानसभा को बुलाना पड़ता है. पंजाब सरकार के कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर राज्यपाल से विधानसभा का बजट सत्र तीन मार्च से बुलाने की अनुमति मांगी थी. हालांकि, राज्यपाल ने इस बजट सत्र को बुलाने से इनकार कर दिया था. साथ ही एक पत्र लिखकर कहा कि मुख्यमंत्री सीएम के ट्वीट और बयान काफी अपमानजनक और असंवैधानिक थे.

भारत ब्रांड आटा की शुरुआत...

केंद्र सरकार अब सस्ती दर पर भारत ब्रांड आटा बेचेगी. सोमवार को इसकी शुरुआत की गयी. त्योहारी सीजन के मद्देनजर इसकी शुरुआत हुई. आटे की कीमत 27.50 रुपये प्रति किलो होगी. इसकी शुरुआत केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने की. मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने आटा बांटा.

भेजा समन : आज बड़ा बाबू, कल जेलर और 9 को जेल अधीक्षक की पेशी

जेल पर छापे के बाद ईडी एक्शन में

सौरभ सिंह। रांची

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद जमीन घोटाला के आरोपियों के द्वारा ईडी के खिलाफ साजिश रची जा रही थी. जिसे लेकर ईडी की टीम ने बीती 3 नवंबर को जेल में छापेमारी की थी. इस मामले में ईडी ने केंद्रीय जेल के अधीक्षक हामिद अख्तर, जेलर नसीम खान और बड़ा बाबू दानिश को सोमवार को समन भेजा है. ईडी ने मंगलवार को बड़ा बाबू, बुधवार को जेलर और नौ नवंबर जेल अधीक्षक को पूछताछ के लिए ईडी के जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा है.

-शेष पेज 10 पर

जेल से ईडी के गवाहों को धमकाया जा रहा

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में तीन नवंबर की शाम ईडी ने छापेमारी की थी. यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी को सर्विलांस से मिली सूचना पर हुई थी. ईडी को सूचना मिली थी कि जेल में बंद ईडी के सरकारी गवाहों को धमकाया जा रहा है. ईडी के अफसरों को फंसाने की साजिश रची जा रही है. मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अहम साक्ष्यों को नष्ट करने की कोशिश हो रही है. इन सभी कार्यों में जेल प्रशासन खुल कर मदद पहुंचा रहा है. ईडी ने इन्हीं सभी सूचनाओं के बाद जेल को सर्विलांस पर रखा था. सर्विलांस के दौरान ईडी को जेल में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली. इसके बाद ईडी ने कोर्ट से छापेमारी के लिए अनुमति ली, कोर्ट की अनुमति के बाद ईडी के अधिकारी जेल पहुंचे थे.

सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने के मिले सबूत

ईडी की छापेमारी में ये सबूत मिले हैं कि जेल में लगे सीसीटीवी फुटेज को नष्ट किया जा रहा है. इसमें जेल प्रशासन अपने तकनीकी रूप से दक्ष कर्मियों की मदद ले रहा है. ईडी को सूचना है कि जेल प्रशासन इस कोशिश में है कि प्रेम प्रकाश और मनी लांड्रिंग केस में बंद अन्य आरोपियों को जेल में जो सुविधाएं दी जा रहीं हैं, वह ईडी को पता न लग जाए. इसी उद्देश्य से सीसीटीवी फुटेज को नष्ट किया जा रहा था.

सीएम ने वन आश्रित परिवार को दी 'हमर जंगल, हमर अभियान' की सौगात

गलत हाथों में न जाए वन पट्टा

- वन पट्टा मिलने में हो रही देरी पर सीएम खफा, अफसरों को दी हिदायत

कौशल आनंद। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने सोमवार को वन आश्रित ग्रामीण-आदिवासियों को 'हमर जंगल, हमर अभियान' की सौगात दी है. सीएम सोरेन और मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने 'अबुआ बीर दिशोम अभियान' की शुरुआत प्रोजेक्ट भवन में नगाड़ा बजा कर की. मौके पर सोरेन ने कहा कि डीसी एवं फॉरेस्ट अफसर ध्यान रखें कि गलत हाथों में वन पट्टा न जाए. इससे जंगलों को नुकसान होगा. आदिवासी ही जंगल को सच्चे मन से रक्षा और संरक्षित कर सकते हैं.

उन्होंने उपायुक्तों, वन पदाधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों के सामने इस एक्ट के तहत वनाधिकार पट्टा देने में अब तक हुई लापरवाही पर नाराजगी भी जताई. कहा कि ईमानदारी से काम करें, 10 वर्षों में रिजल्ट मिलेगा, जिस पर आप को गर्व होगा. मौके पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, सीएम की प्रधान सचिव वंदना दादेल, प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, सीएम के सचिव विनय चौबे, राजस्व सचिव अमिताभ कौशल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव, आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, सभी जिलों के उपायुक्त सहित कई उपस्थित थे.

ये है पूरा अभियान

- अभियान के तहत आदिवासियों और वनों पर निर्भर रहनेवाले लोगों को व्यक्तिगत, सामुदायिक और सामुदायिक वन संसाधन वनाधिकार पट्टा मुहैया कराया जाएगा. अभियान से 15 लाख आदिवासी परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है.
- अभियान को सफल बनाने के लिए ग्राम, अनुमंडल एवं जिला स्तर पर वनाधिकार समिति का गठन/पुनर्गठन किया गया है. यह समिति वन पर निर्भर लोगों और समुदायों को वनाधिकार पट्टा दिये जाने के लिए उनके दावा पर नियमानुसार अनुशंसा करेगी.

डीसी और फॉरेस्ट अफसरों से सीएम नाराज

मुख्यमंत्री ने कहा, अधिनियम लागू होने के 17 वर्ष बाद भी आदिवासियों को वनाधिकार पट्टा देने पर कभी भी विशेष ध्यान नहीं दिया गया. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पट्टा लेने में आदिवासियों में कमी नहीं है, कमी हमारी कार्यशैली में है. उन्होंने सवाल उठाया कि जिन राज्यों में आदिवासी कम हैं, फिर भी वनाधिकार पट्टा देने में आगे क्यों हैं. वहां भी आइएएस, आइएफएस आदि अधिकारी इसके लिए काम कर रहे हैं, फिर अंतर क्यों है. काम को रोकने के लिए कई उपाय होते हैं लेकिन रास्ता निकालने में उनका पसीना छूट जाता है. उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमारे अधिकारी इस काम को नहीं कर सकते. वे ठान लें तो कर सकते हैं. कुछ डीसी ने एक-दो डिसमिल का पट्टा बंटवा कर उन्हें ही मूर्ख बनाया. मुख्यमंत्री ने वन पदाधिकारियों की भी खिंचाई की. कहा कि ये पेड़ नहीं बचाते, जंगल की जमीन बचाने में इनका समय कट जाता है. वनों की अवैध कटाई पर कहा कि यहां लकड़ी चोर नहीं, लकड़ी डकैत हैं. शिकायतें झोला भर-भर कर आती हैं. उन्होंने इस अभियान को पूरी लगन और ईमानदारी से निर्धारित समय तक सफल बनाने के सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इसकी गहन समीक्षा भी की जाएगी.

दुर्भाग्यपूर्ण वर्ल्ड कप में बवाली विकेट, जिसकी हर क्रिकेट प्रेमी कर रहा चर्चा

146 साल में पहली बार 'टाइम आउट' हुए एंजेलो

एजेंसिया। नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में खेले जा रहे वर्ल्ड कप में रोमांचक मुकाबलों के साथ कई विवाद भी सामने आए हैं. इसी बीच एक ऐतिहासिक विवाद सोमवार को सामने आया. अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली में श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मुकाबला खेला गया. इसी मैच में श्रीलंकाई खिलाड़ी एंजेलो मैथ्यूज अजीब तरीके से आउट हुए. ऐसा क्रिकेट के 146 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है. दरअसल, मैथ्यूज को अंपायर ने 'टाइम आउट' करार दिया. यह इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार हुआ, जब कोई प्लेयर इस तरह से 'टाइम आउट' हुआ.

-शेष पेज 10 पर

फर्स्ट क्लास में टाइम आउट होने वाले बल्लेबाज

- एंड्रयू जॉर्डन, ईस्टर्न प्रोविस बनाम ट्रांसवाल- पोर्टएलिजाबेथ 1987-88
- हेमूलाल यादव, त्रिपुरा बनाम ओडिशा- कटक 1997
- वीसी ड्रेक्स, बॉर्डर बनाम फ्री स्टेट- ईस्ट लंदन 2002
- एजे हैरिस, नॉटिंघमशायर बनाम डरहम- नॉटिंघम 2003
- रयान ऑस्टिन, विंडवर्ड आइलैंड बनाम कम्बाइंड कैम्पस एंड कॉलेज- सेंट विंसेंट 2013-14
- चार्ल्स कुंजे, माटाबेलेलैंड टस्कर्स बनाम माउंटेनियर्स- बुलावायो 2017

क्या है 'टाइम आउट' नियम

क्रिकेट के खेल के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब के नियम 40.1.1 के मुताबिक, कोई विकेट गिरने या बल्लेबाज के रिटायर होने के बाद, अगर अंपायर खेल नहीं रोकता है, तो आने वाले नए बल्लेबाज को 3 मिनट के अंदर अगली बॉल खेलने के लिए तैयार होना चाहिए. यदि नया बल्लेबाज ऐसा करने में सक्षम नहीं होता है, तो उसे आउट करार दिया जाता है. इसे "टाइम आउट" कहते हैं. 40.1.2 के मुताबिक, यदि इस समय (3 मिनट) में नया बल्लेबाज पिच पर नहीं आता है, तब अंपायर कानून 16.3 (अंपायरों द्वारा मैच का पुरस्कार देना) की प्रक्रिया अपनाएंगे. इसके परिणाम स्वरूप ऊपर वाले नियम की तरह ही बल्लेबाज को "टाइम आउट" करार दिया जाएगा.

एमएनपीएस में जलवायु परिवर्तन पर कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता। जमशेदपुर

मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल (एमएनपीएस) ने प्रिंसिपल आशु तिवारी के नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित एक विचारोत्तेजक कार्यक्रम का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक गौरव आनंद मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे. मौके पर प्रचार्य आशु तिवारी ने कहा कि एमएनपीएस एक ऐसे समुदाय को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय है. यह कार्यक्रम जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों की एक ऐसी पीढ़ी के पोषण के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है, जो पर्यावरण की गहरी परवाह करते हैं. कार्यक्रम का संचालन पीपल फॉर चेंज के सौविक साहा ने की. कार्यक्रम में कक्षा 9, 10 और 11वीं के छात्रों के साथ-साथ शिक्षक बालाका दत्ता और मॉडरेटर सौविक साहा ने भाग लिया. इस दौरान जलवायु परिवर्तन आपके जीवन को कैसे प्रभावित करता है? और जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हम कौन सी गतिविधियां कर सकते हैं? स्कूली पाठ्यक्रम में जलवायु परिवर्तन शिक्षा के एकीकरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में युवाओं की भागीदारी जैसे विषयों पर चर्चा की गई. इस अवसर पर स्पर्श इको क्लब की शिक्षिका जयश्री नायडू की ओर से आया, जिसमें जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता बढ़ाने और एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने में सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला गया. चर्चा में मुख्य रूप से पलक श्रीवास्तव, अनिकेत दास, एरियाना उपाध्याय, उन्नति शुक्ला, प्रगति, प्रियांशु पात्रो और अतुल कुमार शामिल हुए.

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं प्रतिभागी.

खास बातें

- जलवायु परिवर्तन से निपटने में युवाओं की भागीदारी विषय पर हुई चर्चा
- एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने में सामूहिक प्रयासों के महत्व पर बल

आपकी बात

> शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जिसके जरिए समाज में गुणात्मक सुधार लाकर विकासित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है.

नाम : अरुण मिश्रा
पद : शिक्षाविद
जन्मस्थल : कोडरमा
कार्य क्षेत्र : कोडरमा

शिक्षाविद् अरुण मिश्रा शिक्षण के क्षेत्र में एक मिसाल के तौर पर देखे जाते हैं. अरुण मिश्रा की स्थानीय ग्रामीण स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा हुई. उन्होंने उच्च शिक्षा सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची यूनिवर्सिटी से प्राप्त किया था. वह जेसीज से भी जुड़े थे, जहां उन्होंने नेतृत्व, कार्य नेतृत्व समय प्रबंधन, व्यक्तिगत विकास पर कई प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लिया और विशेष रूप से स्कूल स्तर पर कई आईडी पाठ्यक्रम संचालित किए. अरुण मिश्रा ने अध्यक्ष के रूप में जेसीज की एक स्थायी परियोजना के रूप में छात्रवृत्ति और कैरियर अपनाने के कार्यक्रम का नेतृत्व किया. उन्हें 2000 से अधिक सदस्यों वाले 40 से अधिक चैप्टरों के बीच तत्कालीन बिहार राज्य जेसीज का उत्कृष्ट सदस्य चुना गया था. तत्कालीन निदेशक एनडी ग्रोवर के नेतृत्व में झुमरी तिलैया और हजारीबाग में डीएवी स्कूल खोलने में अहम भूमिका निभाई. दो कार्यकाल तक डीएवी स्कूल प्रबंध समिति (झुमरी तिलैया) के सदस्य भी रहे. वह 10 साल से अधिक समय तक ग्रिजली ग्रुप से भी जुड़े रहे. ग्रिजली एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए संस्थान को जिले में नंबर एक पर पहुंचाया . ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के निदेशक के रूप में संस्थान को न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि राज्य स्तर पर भी उच्च प्रतिष्ठा दिलाई. अरुण मिश्रा ने विद्यार्थियों को अवसाद से बाहर लाने के लिए व्यक्तिगत रुचि लेते हुए महती भूमिका निभाई है. वह प्रशासन द्वारा मनोनीत बाल कल्याण हेतु जिला निरीक्षण समिति के सदस्य के रूप में भी मनोनीत किए जा चुके हैं. झारखंड समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें जिला ऊर्जा समिति के सदस्य एवं दो कार्यकाल के लिए रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भी नामित हुए थे.

ब्रीफ खबरें

विभावि में नियम ताक पर : चंदन सिंह

हजारीबाग। झारखंड मुक्ति मोर्चा छात्र संघ के पूर्व विश्वविद्यालय अध्यक्ष चंदन सिंह ने कुलपति को पत्राचार कर विनोबा भावे विश्वविद्यालय में हो रहे गड़बड़ी पर उनका ध्यान आकृष्ट कराया है. पत्र में लिखा गया है कि विश्वविद्यालय की गरिमा उसके शोध और उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था से प्रदर्शित होती है. लेकिन, संकायाध्यक्षों को लेकर लगातार सामने आ रही प्रशासनिक विफलता के कारण विश्वविद्यालय की गरिमा धूमिल हो रही है. विभावि ने वरीयता को दरकिनार कर प्राचार्य की जगह कम वरीयता के शिक्षक को विज्ञान विभाग का संकायाध्यक्ष बनाने का नोटिफिकेशन जारी किया है.

छात्र क्लब ने किया पौधारोपण कार्यक्रम

रांची। छात्र क्लब पर्यावरण मंच (यूनिट छात्र क्लब ग्रुप) और विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच ने राजकीय कृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय पाली रातु परिसर में पौधारोपण किया. कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष एसके शर्मा की अध्यक्षता में हुई. इसकी शुरूआत मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद के अध्यक्ष निर्मला भगत,दुमका की बेटी व झारखंड की शान मिसेज इंडिया एस नेक्सट टॉप मॉडल ग्लैमर क्वीन 2023 रश्मि बेसरा ने किया. पौधारोपन छात्र क्लब ग्रुप के कानूनी सलाहकार सह अधिवक्ता अलख निरंजन वर्मा, विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के मुख्य संयोजक संतोष कुमार, प्रखंड उपाध्यक्ष जोगिंदर उरांव, पंचायत समिति खुशबु खलखो, समाजसेवी चिंटू मिश्रा, ग्राम प्रधान रंजीत खलखो, स्कूली बच्चे और अविभावक, शिक्षकों ने किया. मौके पर मिसेज इंडिया रश्मि बेसरा ने कहा कि शुद्ध जलवायु और पर्यावरण में हरियाली के लिए पौधारोपण जरुरी है.

237 स्कूलों को मिला यू डायस प्लस का प्रशिक्षण

चौपारण। प्रखंड के 237 सरकारी व निजी स्कूलों के प्रधानाचार्यों और उनके कंप्यूटर ऑपरेटर को यू डायस प्लस 2023-24 का फॉर्म भरने का प्रशिक्षण सोमवार को दिया गया. बीआरसी कार्यालय में प्रखंड एमआईएस को-ऑर्डिनेटर पवन कुमार और डाटा एंट्री ऑपरेटर यशवंत कुमार राणा ने पांच चरणों में पूरी जानकारी दी. पहले चरण में सरकारी मध्य और उत्क्रमित मध्य विद्यालय, दूसरे चरण में सरकारी प्रोजेक्ट और प्लस टू उच्च विद्यालय, तीसरे चरण में एनपीएस व यूपीएस, चौथे चरण में प्राथमिक स्कूलों और पांचवे चरण में प्राइवेट स्कूलों और इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षण दिया गया. इसमें 161 सरकारी और 76 निजी स्कूलों ने भाग लिया. सभी स्कूलों को यू डाइस प्लस के अंतर्गत प्रोफाइल एंड फैसलिटी, टीचर मॉड्यूल और स्टूडेंट मॉड्यूल में मांगी गई.

बिजली विभाग पर खत्म होगी निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बल

110 केवी के सोलर प्लांट से रोशन होगा एसएसएलएनटी कॉलेज

संवाददाता। धनबाद

एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में 110 केवी के रूफ टॉप सोलर प्लांट का उद्घाटन बिनोद बिहारी महतो कोलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के प्रभारी कुलपति प्रो (डॉ) पवन कुमार पोद्दार ने किया. उद्घाटन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि सोलर प्लांट से एसएसएलएनटी कॉलेज बिजली के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा. जो कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा प्रयास है. उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम को जरेडा की मदद से लगाया गया है.

देश को नंबर वन बनाने से पहले नहीं रुकें: कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में भी भाग लिया इस दौरान बीते कुछ महीनो में एसएसएलएनटी कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया इस दौरान उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि किताबों में पढ़े मूल्यों को ज्ञान विचार और व्यवहार में लाने पर ही परिवर्तन आ सकता है उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में हम छोटी-छोटी गणना के लिए कैलकुलेटर पर निर्भर रहते हैं इससे दिमाग का विकास रुक गया है. उन्होंने देश को नंबर वन बनाये बिना नहीं रुकने के लिए प्रेरित किया.

विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में भाग लेते कुलपति.

इंटरमीडिएट और पीजी की पढ़ाई शुरू करने का प्रयास

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई और पिछले दिनों कॉलेजों में बंद हुई पीजी की पढ़ाई शुरू करवाने का लक्ष्य है. इस दिशा में भी प्रयास कर रहे हैं. साथ ही जिन कॉलेजों और विभागों में शिक्षकों की कमी है वहां शिक्षक उपलब्ध कराने का भी प्रयास कर रहे हैं. इस अवसर पर प्राचार्या डॉ शर्मिला रानी, डीएसडब्ल्यू डॉ पुष्पा कुमारी, पूर्व डीएसडब्ल्यू डॉ देवजानी विश्वास, मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ रीता शर्मा, डॉ विमल मिंज के अलावा अन्य उपस्थित थे.

दीपोत्सव में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता। धनबाद

एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में 6 नवंबर को दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन बीबीएमकेयू के प्रभारी कुलपति प्रो (डॉ) पवन कुमार पोद्दार ने की. इस दौरान उन्होंने दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान लगे विद्यार्थियों के हस्त निर्मित दीपक, सजावटी सामान एवं गुपचुप, चाट, स्नैक्स आदि के स्टॉल का अवलोकन किया. उन्होंने छात्राओं की हौसला अफजाई की और कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के भीतर छुपे एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज की प्रतिभा को बाहर निकलने में मदद करते हैं. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ शर्मिला रानी, डीएसडब्ल्यू डॉ पुष्पा कुमारी, पूर्व डीएसडब्ल्यू डॉ देवयानी विश्वास, मानविकी की संकायाध्यक्ष डॉ रीता शर्मा, डॉ विमल मिंज के अलावा अन्य उपस्थित थे.

जिज्ञासा कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दी एआई की जानकारी

धनबाद। सीएसआईआर-सिंफर ने 6 नवंबर को केंद्रीय विद्यालय-वन में जिज्ञासा कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शैक्षणिक उत्कृष्टता में इसकी भूमिका : नए युग की शुरुआत विषय पर कई प्रदर्शनी दिखाई गई. कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुख्य वैज्ञानिक दिलीप कुंभकार ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना है. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का संक्षिप्त परिचय, इसके अनुप्रयोग, फायदे और नुकसान के विषय में बताया गया है. जिज्ञासा नोडल की प्रधान वैज्ञानिक मौसमी मालिक, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी सुप्रियो धन, अनंत स्टीफन बेसरा, अमरेश चटर्जी, मनीष पाठक, सुनीता कुमारी, श्वेता कुमारी और एजाज अहमद ने विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संदर्भ में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के विषय में कई जानकारी दी.

स्कूल में चोरों ने उड़ाए एमडीएम के बर्तन

कसमार (बोकारो)। बोकारो जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र के बहादुरपुर स्थित मध्य विद्यालय में रविवार की रात चोरों ने स्कूल में घुसकर सेंधमारी करते हुए एमडीएम के सारे बर्तनों की ही चोरी कर ली. साथ ही चोरों ने विद्यालय परिसर स्थित चापानल का पूरा हैंडल भी खोलकर ले गए. प्रधानाध्यापक गंगा प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार की सुबह जब विद्यालय खुलने के बाद रसोईया किचन रुम में गई तो वहां का ताला टूटा मिला.

सेंट्रल पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम

संवाददाता । आदित्यपुर

उत्कृष्टता केंद्र सीबीएसई पटना ने स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर सेंट्रल पब्लिक स्कूल, आदित्यपुर में दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजन किया है. इस कार्यक्रम में जमशेदपुर और आसपास के कई सी.बी.एस.ई स्कूलों के 62 शिक्षकों ने भाग लिया. कार्यक्रम का सफल संचालन रिसोर्स पर्सन डॉ. किरण द्विवेदी एवं विजय कुमार ने किया. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए कार्यक्रम स्थल निदेशक सह सी.पी.एस. की प्राचार्या डॉ. मौसमी, आई.टी. टीम, शिक्षण स्टाफ, गैर-शिक्षण कर्मचारी और कार्यालय ने सक्रिय रूप से भाग लिया. सभी प्रतिभागी इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम से बेहद खुश और संतुष्ट थे.

एनएसयूआई ने एबीएम कॉलेज प्रधानाचार्य को सौंपा मांग पत्र

मांग पत्र सौंपता एनएसयुआईमांग पत्र सौंपता एनएसयुआई

संवाददाता। जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिला एनएसयुआई अध्यक्ष सचिन कुमार सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को एबीएम कॉलेज के प्रधानाचार्य से मिलने पहुंचा. इस दौरान प्रधानाचार्य को छात्र हित में मांग पत्र सौंपा गया.

सचिन ने बताया कि यूजी थर्ड सेमेस्टर के छात्रों का शिक्षक द्वारा साइकोलॉजी का प्रैक्टिकल मार्क्स नही भेजा गया है, जिस कारण मार्क्स जुड़ने में काफी परेशानी हो रही है. मांग पत्र के माध्यम से यह मांग की गई है कि छात्रों का मार्क्स जल्द से जल्द भेजा जाए और जिन शिक्षक द्वारा ये गलती की गई है, उनके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाए. प्रतिनिधिमंडल में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सचिन कुमार सिंह, एबीएम कॉलेज एनएसयूआई अध्यक्ष अंकित मिश्रा, अनुकांत पांडेय, अनुज शर्मा, राहुल कुमार गुप्ता व अन्य छात्र मौजूद रहे.

पर्जन्य बीएड कॉलेज के विद्यार्थियों ने निकाली रैली

लोगों को नशा मुक्ति का दिया संदेश

संवाददाता। सिंदरी

बीबीएमकेयू से संबद्धित पर्जन्य बी एड कॉलेज पहाड़पुर बलियापुर ने नशा मुक्ति अभियान के तहत सोमवार को सिंदरी के नेहरू मैदान से रैली निकाली. रैली शहरपुरा बाजार भ्रमण कर वापस नेहरू मैदान लौट गयी. इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशा करता है खराब, मिलकर करो इसका बहिष्कार...रहा. कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने रैली और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशा छोड़ने की अपील की.

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की धर्मपत्नी सह कॉलेज कोषाध्यक्ष तारा देवी ने लोगों से नशा मुक्ति के लिए शपथ लेने की बात कही. उन्होंने कहा कि नशा मुक्त क्षेत्र में रहनेवाले लोगों का स्वास्थ्य भी ठीक रहता है. सभी लोगों को नशा मुक्ति पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है.

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कॉलेज प्राचार्य डॉ स्मृति नागी, प्रो कार्तिक दाँ, प्रो संदीप तिवारी, प्रो संतोष राम, भाजपा नेता दिनेश सिंह, शैलेश सिंह, मनोज मिश्रा, अरविंद खत्री, विजय सिंह, प्रकाश बाउरी, बृजेश सिंह, शैलेंद्र द्विवेदी, इंदुबाला, चंद्रावती देवी सहित कई सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज करायी.

सिंदरी रैली अभियान में शामिल होकर नशा मुक्ति का संदेश दिया गया.

अजीम प्रेमजी विवि व स्कूल के भवन निर्माण पर हुई बैठक

संवाददाता। रांची

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में सोमवार को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की स्थापना के लिए हस्तांतरित 150 एकड़ भूमि में भवन निर्माण से संबंधित समस्याओं के निराकरण को लेकर बैठक आयोजित की गई. इसमें ईटकी आरोग्यशाला की भूमि पर अवस्थित भवन में रह रहे आरोग्यशाला के कर्मियों को भवन खाली कराने के संबंध में आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. अधिकारियों ने भवन खाली कराने में आ रही समस्याओं से अवगत कराया.

बैठक में इटकी आरोग्यशाला के कर्मियों के रहने की व्यवस्था और उनके कार्यालय तक आने जाने के लिए बस की सुविधा देने के सुझाव पर विचार किया गया. इटकी सेनेटोरियम की भूमि पर विभिन्न ब्लॉक में स्थित जर्जर भवनों, नर्सेस हॉस्टल और अन्य संरचनाओं को ध्वस्त करने पर विचार हुआ. साथ ही आगे की कार्रवाई करने और जल्द से जल्द नीलामी की प्रक्रिया पूर्ण का निर्देश दिया गया. बैठक में आयुक्त के सचिव जुल्फिकार अली, अपर समाहर्ता रांची राजेश कुमार बरवार,स्टेट हेड अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे.

खास बातें

- जर्जर भवनों को ध्वस्त करने पर हुआ विचार
- इटकी आरोग्यशाला के कर्मियों के रहने की हो व्यवस्था

वर्गीकृत

कार्यक्रम | डीसी के नेतृत्व में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के तहत कई कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

अभियंता को एक हफ्ते में प्राक्कलन तैयार कर जमा करने का निर्देश

संवाददाता। बोकारो

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री ने जिले में संचालित विभिन्न कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में ट्रांसफॉर्मिंग केजीबीवी के तहत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की. मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, उगम एजुकेशन फाउंडेशन के आपरेशन हेड संजय झा, विभिन्न विद्यालयों के वार्डन उपस्थित थे. बैठक में उप विकास आयुक्त ने सभी वार्डन से संचालित कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली. विद्यालयों में पुस्तकालयों व साइंस लैब का सही से संचालन हो रहा है या नहीं इसकी भी जानकारी ली. इस दौरान कक्षा छह, सात के छात्राओं के बीच उपलब्ध कराएं जा रहे हिंदी व अंग्रेजी रेमीडियल वर्कसीट के संबंध में जानकारी प्राप्त की और इससे छात्राओं को हो रहे लाभ व समग्र विकास के संबंध में पूछा. इससे पूर्व उगम एजुकेशन फाउंडेशन के आपरेशन हेड ने क्रमवार जिले के विभिन्न विद्यालयों में ट्रांसफॉर्मिंग केजीबीवी के तहत टीम के द्वारा संचालित कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी. इस दौरान उप विकास आयुक्त ने विद्यालयों में पिछले दिनों हुए मरम्मती कार्य व बाला पेंटिंग आदि के संबंध में जानकारी ली. उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध संसाधन व आवश्यकता की समीक्षा की. पेटरवार,गोमिया एवं चंदनकियारी वार्डन द्वारा अतिरिक्त क्लास रूम की आवश्यकता की बात कहीं. जिस पर डीडीसी ने भवन प्रमंडल के अभियंता को स्थल निरीक्षण कर एक सप्ताह में प्राक्कलन तैयार कर समर्पित करने का निर्देश दिया.

वहीं, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के वार्डन व शिक्षिकाओं में गुणात्मक विकास को लेकर भी प्रशिक्षण सत्र व कार्यशाला ट्रांसफॉर्मिंग कस्तूरबा के तहत उगम एजुकेशन फाउंडेशन को आयोजित करने को कहा. मौके पर एडीपीओ ज्योती खालको, एपीआरओ अविनाश कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे, डीएमएफटी के अभय कुमार व अन्य उपस्थित थे.

बोकारो में बैठक में उपस्थित डीडीसी व अन्य अधिकारी.

खास बातें

- सभी वार्डन से कार्यक्रमों की प्रगति के बारे में ली गई जानकारी
- छात्राओं को हो रहे लाभ व समग्र विकास के बारे ली गई जानकारी

धनबाद के कुर्मीडीह में झामुमो के पार्टी कार्यालय के उद्घाटन से कार्यकर्ताओं में उत्साह, नेताओं का लगा जमघट

हेमंत सरकार अपना कार्यकाल हर हाल में पूरा करेगी : विनोद पांडेय

संवाददाता। धनबाद

लोगों का काम है कहना, लोग तो कहते रहेंगे. हेमंत सरकार दिसंबर पार नहीं करेगी, सरयू राय के इस दावे पर पलटवार करते हुए झामुमो के केंद्रीय सदस्य सह राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त विनोद पांडेय ने कहा कि हेमंत सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी. हेमंत सोरेन शिबू सोरेन के पुत्र है. उन्हें अपदस्थ करने की मंशा रखने वालों को जनता जवाब देगी. विनोद पांडेय ने कहा कि माटी पुत्र हेमंत सोरेन के साथ झारखंड की जनता हैं और आगामी चुनावों में उनके खिलाफ होने वाले षड्यंत्रों का जवाब जनता देगी. विनोद पांडेय ने उक्त बातें धनबाद के कुर्मीडीह में झामुमो के पार्टी कार्यालय उद्घाटन के दौरान कही. सोमवार को झामुमो का पहला जिला कार्यालय का उद्घाटन काफी हर्षोल्लास के किया गया. कार्यालय उद्घाटन के दौरान बिनोद पांडेय ने कहा कि कार्यालय के बनने से कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है, इससे संगठन को मजबूती देने में मदद मिलेगी. सदस्यता अभियान को और बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया जाएगा. पार्टी के सामने क्या क्या चुनौतियां हैं इसपर कार्यकर्ताओं को टास्क दिया जाएगा. झामुमो इंडिया गठबंधन का अंग है। झारखंड में झामुमो इंडिया में सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए हमारा दायित्व भी सबसे ज्यादा है.

ईडी द्वारा की जा रही कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पक्षपात पूर्ण है. जिस राज्य में गैर भाजपा की सरकार है, वहां केंद्रीय जांच एजेंसियां भाजपा सरकार के इशारे पर सरकार को अस्थिर करने के लिए काम कर रही है. आगे विनोद पांडेय ने कहा कि हेमंत सोरेन सभी 24 जिले की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रहे हैं. धनबाद में गया पुल की मरम्मत व निरसा में बेरबेंदिया पुल की स्वीकृति दी गई है. धनबाद में बढ़े अपराध पर उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार अपराधियों को जेल में डाल रही है. आगे भी अपराधियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी. यह मुद्दे मुख्यमंत्री के संज्ञान में है और वह पुलिस को कड़ी कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं.

अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे बाबूलाल

विनोद पांडेय ने बाबूलाल पर हमला बोलते हुए कहा कि वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं. झारखंड की जनता उन्हें नकार चुकी है, इसीलिए बाबूलाल संकल्प यात्रा निकाल रहे हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा के संकल्प यात्रा का समापन रांची के हरमू स्थित सबसे छोटे मैदान में किया गया, जबकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समापन समारोह में शामिल हुए थे. इसी से समझा जा सकता है कि जनता के बीच भाजपा का जनाधार काफी कम हो गया है. आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा को झारखंड की जनता मुंहतोड़ जवाब देगी.

हेमंत सरकार की दोबारा वापसी नहीं होगी : राज सिन्हा

हेमंत सरकार दिसंबर पार नहीं करेगी, सरयू राय के इस बयान पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि हेमंत सरकार दिसंबर पार करेगी या नहीं यह तो स्पष्ट नहीं है. परंतु यह निश्चित है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार दोबारा झारखंड में नहीं आएगी. साथ में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है. इससे आम जनता काफी त्रस्त है. इसलिए झामुमो की सरकार भविष्य में कभी वापसी नहीं करेगी.

आओ जानें

रांची से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	विधायक	पार्टी
2000	चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह	भाजपा
2005	चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह	भाजपा
2009	चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह	भाजपा
2014	चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह	भाजपा
2019	चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह	भाजपा

ब्रीफ खबरें

मृतक के परिजन को कराया अनाज उपलब्ध

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ प्रखंड के सीरम बड्डीटोला निवासी सदवा उरांव की दामोदर नदी के समीप हुए सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी. इसकी सूचना मिलने के बाद जिप सदस्य प्रियंका कुमारी ने मृतक के परिवार को सांत्वना दिया, साथ ही अनाज उपलब्ध कराया. बता दें कि मृतक का परिवार काफी गरीब है. घटना के बाद उनका जीवन यापन करना बहुत मुश्किल हो रहा था. परिजनों ने बताया कि पिछले पांच साल से सरकारी राशन नहीं मिल पा रहा है.घटना की सूचना पर जिप सदस्य प्रियंका कुमारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा, एससी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार, मुखिया रोहणी देवी पीड़ित परिवार के घर पहुंच शोक व्यक्त किया.

एआईएमआईएम की बैठक, संगठन पर चर्चा

गढ़वा । ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी (एआईएमआईएम) की समीक्षा बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी डॉ. एमएन खान ने किया. इस सम्मलेन में पार्टी के जिला अध्यक्ष, सचिव, महासचिव, संरक्षक और सभी प्रखंडों के अध्यक्ष मौजूद रहे. जिले से लेकर पंचायत तक के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रखंड के अध्यक्षों ने अपने प्रखंड कमिटी, पंचायत कमिटी का ऐलान किया. रंका प्रखंड अपने सभी पंचायत कमिटी का गठन कर जिला को सौपा. रंका प्रखंड अध्यक्ष के उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें पार्टी की ओर से सम्मानित भी किया गया.

राज्य में जमीन की खुली लूट : मेहता

हजारीबाग । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी आगामी सात नवंबर को जिले में परिवर्तन रैली का आयोजन करने जा रही है. रैली शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से होते हुए वापस धरना स्थल पहुंच कर जनसभा में तब्दील हो जाएगी. इसे लेकर सोमवार को प्रेस वार्ता कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई. इस क्रम में हजारीबाग के पूर्व सांसद और भाकपा के वरिष्ठ नेता भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने बताया कि रैली व जनसभा के बाद आयुक्त को एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा.उन्होंने बताया कि यह रैली बेरोजगारी, महंगाई और जमीन की लूट के खिलाफ आंदोलन है. उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2015 से जल, जंगल और जमीन की लड़ाई भाकपा लड़ रही है.

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई जनसुनवाई

प्रखंड स्तर पर की जाए जनसुनवाई : डॉ उरांव

संवाददाता। रांची

झारखंड के वित्त और खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को जनसुनवाई की. इस जनसुनवाई में कुल 24 लोगों ने अपनी समस्याएं रामेश्वर उरांव के सामने रखीं. झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में कांग्रेस कोटे के सभी मंत्रियों का जन-सुनवाई कार्यक्रम माह के प्रत्येक सोमवार को लगातार जारी है. इसी कड़ी में जन-सुनवाई कार्यक्रम के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से आये लोगों की समस्याओं को सुना गया. साथ ही निराकरण के लिए अधिनस्थ पदाधिकारियों को फोन करके समाधान का निर्देश दिया. इसके अलावा फरियादियों के आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए विशेष टिप्पणी के साथ त्वरित लिखित रूप से भी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया. जन-सुनवाई कार्यक्रम में बोकारो, रांची, खूंटी, गिरिडीह, हजारीबाग, कोडरमा जिला के विभिन्न प्रखंडों से लोग अपनी शिकायत लेकर पहुंचे थे. जनसमस्याओं में मुख्य रूप से जमीन कब्जा, शिक्षक में बहाली करने, आर्थिक मदद, चापाकल और स्ट्रीट लाइट, सड़क निर्माण, बेवजह पुलिस प्रशासन द्वारा मारपीट करने, फर्जी हुकुमनामा, घाट निर्माण, अंचलाधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी को हटाने, जमीन हड़पने, भूमि अधिग्रहण मामले में मांग पत्र सौंपा.

खास बातें

- 24 लोगों ने अपनी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखी
- पदाधिकारियों को फोन करके समाधान का निर्देश दिया

अधिकतर मामले जमीन से जुड़े हुए आये

डॉ उरांव ने जन सुनवाई के बाद कहा कि उनके सामने ऐसा कोई मामला नहीं आया, जिसपर उनके स्तर से त्वरित कार्रवाई करके समाधान निकाला जा सके. ज्यादातर मामले जमीन से जुड़े हुए थे, जिसका समाधान कोर्ट के माध्यम से ही हो सकता है . डॉ रामेश्वर उरांव का मानना है कि प्रखंड स्तर पर जनसुनवाई करने की जरूरत है, जिससे कि ज्यादातर लोगों को लाभ हो. उन्होंने बताया कि ऐसे भी कई मामले आए जो कि फर्जी थे और उन्होंने इसकी जांच के आदेश दिए हैं .इस जनसुनवाई में खूंटी की एक महिला ने पुलिस पर अपने पति पर झूठे आरोप में पिटाई का आरोप लगाया, जिसपर उपायुक्त को निर्देश दे दिया गया है . सिल्ली में एक पीडीएस डीलर की दबंगई और दो डीलरशिप लेने का मामला आया, जिसपर डीएसओ को जांच के आदेश दिए गए हैं . जन-सुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव सह कार्यालय प्रभारी अमुल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, डॉ राकेश किरण महतो, नेली नाथन, जग्रनाथ साहु, जितेन्द्र त्रिवेदी मौजूद थे .

मोदी के खूंटी आगमन को लेकर की बैठक

सिमडेगा । आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है. इसी दिन झारखंड स्थापना दिवस और जनजातीय गौरव दिवस भी मनाया जायेगा. इस मौके पर भगवान बिरसा मुंडा की जन्म स्थली उलिहातू, खूंटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन हो रहा है. इसे लेकर सिमडेगा भारतीय जनता की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाइक ने कहा कि 15 नवंबर भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है. सिमडेगा से 10 हजार भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे. मौके पर केंद्रीय मंत्री के जिला सांसद प्रतिनिधि सुशील श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय ठाकुर, पूर्व प्रत्याशी श्रद्धानन्द बेसरा, उपाध्यक्ष भोला साहू, मनोज साय, प्रणव कुमार, सुजान मुंडा, डॉ महेंद्र भगत, मंत्री तुलसी कु साहु, राकेश रविकांत समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे.

भाजपा कार्यालय में हुई बैठक, पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद ने कहा-

पार्टी के लिए काम करें कार्यकर्ता

संवाददाता। धनवार (गिरिडीह)

बरजो पावर हाउस स्थित भाजपा कार्यालय में सोमवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को श्री सिंह ने तन-मन से कार्य करने की अपील की. उन्होंने कहा कि आने वाला समय पार्टी के लिए चुनौतियों भरा होगा. चुनौतियों का सामना करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को तत्पर रहना होगा. मौके पर श्री सिंह ने कई पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनी और उसका निराकरण के लिए सार्थक पहल करने का आश्वासन दिया.

इसके बाद गांवा थाना की पिहरा पंचायत में आम गरमजुरवा जमीन पर एक विशेष समुदाय द्वारा जबरन लाश को दफनाने पर उपजे विवाद के के बाद पहुंचे और लोग की समस्याएं सुनीं. इस दौरान उन्होंने कई परिवारों से भेंट की. गलवाती निवासी कैलाश विश्वकर्मा की आकस्मिक मौत पर पीड़ित परिवार को सांत्वना दी. बाद में खिजुरसोता परसन पंचायत में फुटबॉल के फाइनल मैच में उपस्थित होकर पुरस्कार वितरण किया. श्री सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री गरीब परिवार के साथ उनके सुख-दुख में साथ रहने वाले नेता हैं. दिल्ली में उन्होंने झोपड़ी में रहने वाले 3024 गरीब परिवारों को घर की चाबी सौंप कर गरीबों के सपने को साकार किया. उन्होंने अगले 5 साल तक मुफ्त में राशन देने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद मतलब देश से बढ़कर कुछ नहीं होता है. अन्न योजना से गरीबों में विश्वास आया है कि प्रधानमंत्री मोदी गरीबों के हित में काम कर रहे हैं. मौके पर उदय सिंह, पवन सिंह, नकुल राय, श्याम कुमार, अरविंद सिंह, विनय सिंह, अरुण पासवान, मनोज राम, श्रीकांत राय सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

खास बातें

- उपजे विवाद में लोगों की समस्याओं को सुना
- कैलाश विश्वकर्मा के परिवार को सांत्वना दी

तसव्वर खान ने समर्थकों के साथ थामा कांग्रेस का हाथ

संवाददाता । जमशेदपुर

आजसू पार्टी जुगसलाई के वरीय नेता तसव्वर खान ने अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ सोमवार को कदमा कार्यालय स्थित स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के नेतृत्व में विधिवत रूप से आजसू छोड़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए. इस अवसर पर बन्ना गुप्ता ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया. मौके पर बन्ना गुप्ता ने कहा कि तसव्वर खान पुराने साथी है, जिनकी कांग्रेस पार्टी में घर वापसी हुई है. इनके आने से पार्टी का जनाधार जुगसलाई अल्पसंख्यक क्षेत्र में बढ़ेगा. इस अवसर पर युवा जुगसलाई विधानसभा अध्यक्ष नवनीत मिश्रा जुगसलाई प्रखंड कांग्रेस उपाध्यक्ष राशिद करीम, मीडिया प्रभारी मो कमरुद्दीन, महासचिव इरशाद हैदर, युवा विधानसभा उपाध्यक्ष शारिब अहमद उपस्थित थे. कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से इमरान मनिहार, ग़ुलाम मोहिउद्दीन, सोनू अली, मो इरफान, मो तबरेज़, मो सोनू, मो सैफ, मो अमन, दानिश, मो अज़हर, डब्लू, रानू, आसू, गुलरेज, निखिल तिवारी शामिल थे.

प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

डुमरिया । डुमरिया वन विश्रामागार में सोमवार को प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष सुकलाल सोरेन की अध्यक्षता में हुई. बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का निर्णय लिया गया. साथ ही पंचायत और बूथ कमिटी के विस्तार करने पर चर्चा की गई. बैठक में ग्रामीण जिलाध्यक्ष अमित राय, विधानसभा प्रभारी देबु चटर्जी, बीस सूत्री उपाध्यक्ष नित्यानंद साव, हिंदूराम हांसदा, अजीत कुमार महाकुड़, बैजनाथ रुइदास, शेख अजीजूल, शिवा सिंह, बाबूलाल सरदार, सोमाय मुर्मू, वकील हांसदा, महिला मोर्चा अध्यक्ष वहीदा खातुन आदि उपस्थित थे.

समस्या | बिरसा मुंडा के गांव में आज बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंची हैं

आदिवासियों के लिए पैकेज की घोषणा करें पीएम

संवाददाता। रांची

15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जन्म दिवस मनाया जाएगा. इसे पूरा देश गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा, लेकिन इस इस देश में आदिवासी समुदाय अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे है. आये दिन आदिवासीयों पर शोषण अत्यातार बढ़ रहा है. इसे रोकने के लिए देश के प्रधानमंत्री को आगे आने की जरूरत है.उक्त बातें सोमवार को विभिन्न आदिवासी संगठन के लोगों ने करमटोली स्थित धुमकुड़िया भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए कही. कहा कि .देश में आदिवासियों पर लगातार हमले हो रहे है.आदिवासी समाज की जल, जंगल और जमीन लूटी जा रही है.आदिवासी अलग धर्म कोड की लड़ाई लड़ रहे हैं. लेकिन इन सभी मामलों में प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हुए है.इस मौके पर समन्वय समिति के संयोजक लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा कि खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर करोड़ो रुपये खर्च किया जा चुके है.

केंद्रीय धुमकुड़िया के अध्यक्ष सुनील टोप्पो ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आने पर हमलोग स्वागत करते हैं. वे यहां आकर आदिवासी समुदाय से संवाद करें.आदिवासियों के समग्र विकास के लिए विशेष पैकेज की घोषणा करे. उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय को हमेशा से छला गया है. बिरसा मुंडा और आदिवासी समुदाय के विकास को लेकर करोड़ो रुपए लूट ली गई.कांके रोड सरना समिति के महासचिव डब्लू मुंडा ने कहा कि आजादी के 75 सालों बाद भी खूंटी में बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंची है.गांव की आधारभूत संरचना का विकास नहीं हो पाया है. इनके नाम पर विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं की राशि लूटी जा रही है.

प्रधानमंत्री मोदी आदिवासियों के प्रति ईमानदार है और जनजातीय समाज के गौरव की चिंता कर रहे हैं तो छत्तीसगढ़ ,मणिपुर , मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड के आदिवासियों के खिलाफ जो शोषण, जुल्म, अत्याचार और दमनात्मक कार्रवाई हो रही है. संवैधानिक हक-अधिकारों पर हमला हो रहा है.

खास बातें

- आदिवासी समुदाय पर हो रहे हमलों पर रोक लगे
- आदिवासी समुदाय को हमेशा से छला गया है

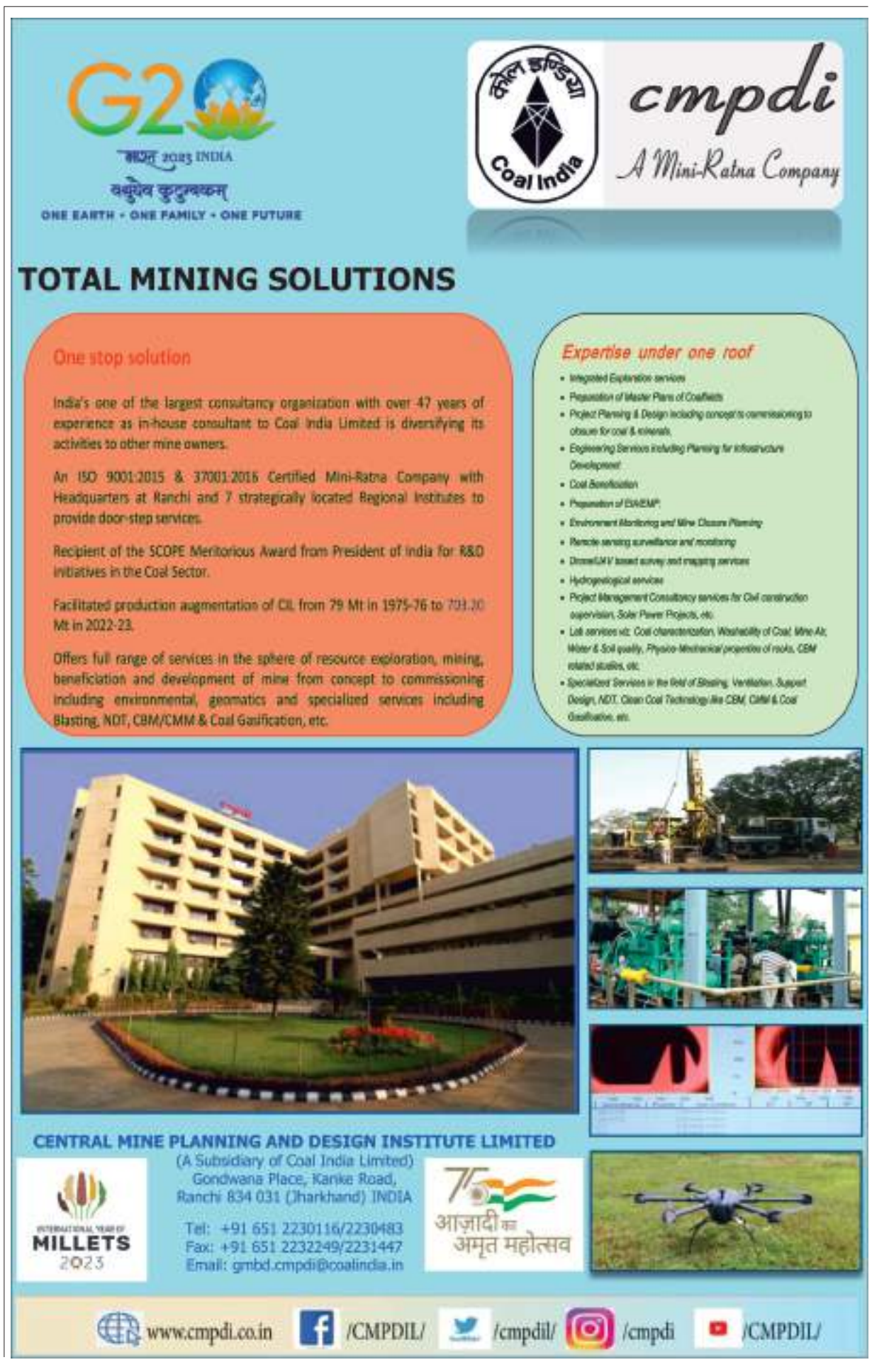

ब्रीफ खबरें

प्रतुल शाहदेव को हाईकोर्ट से राहत

रांची। झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. अदालत ने उनके खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है. दरअसल प्रतुल शाहदेव ने लातेहार जिले में अधिकारियों की शह पर चल रहे अभिजीत प्लांट के स्क्रैप लूट के मामले को लेकर अंदोलन शुरू किया था. जिसके बाद उनके खिलाफ एजाज अंसारी ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में प्रतुल शाहदेव की याचिका पर सुनवाई हुई.

जनता दरबार में सुनी लोगों की फरियाद

सिमडेगा। उपायुक्त के निर्देश पर उप-समाहर्ता सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने जनता दरबार में आमलोगों की फरियाद सुनी. जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्या जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के समक्ष रखा. मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने लोगों को आश्वासन दिया उनकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा. उन्होंने सभी मामलों को संबंधित पदाधिकारियों के पास भेज दिया.

सरयू राय का बयान हास्यास्पद : फूलकांत

आदित्यपुर। हेमंत सोरेन सरकार के दिसंबर तक चलने के जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय के बयान को सरायकेला के वरिष्ठ कांग्रेस नेता फूलकान्त झा ने हास्यास्पद कहा है. उन्होंने कहा कि जिस हेमंत सोरेन के इशारे पर वे पूर्वी से रघुवर दास जैसे दिग्गज नेता को हरा पाए आज उन्हीं के संबंध में इस तरह का बयान देना उनकी काबिलियत को दर्शाता है. सरयू राय एक विद्वान व्यक्तित्व के धनी हैं. उनके बयान से राजनीतिक गलियारे में नकारात्मक चर्चा हुई है.

वंचितों को जागरूक कर रहा है डालसा

जमशेदपुर। झालसा के निर्देशानुसार अमृत महोत्सव के अवसर पर 100 दिनों तक चलने वाले जागरुकता अभियान एवं लीगल सर्विस वीक के तहत आयुटरिच प्रोग्राम सोमवार को एग्रिको, सीतारामडेरा, बिरसा नगर के मोची बस्ती आदि जगहों में किया गया. इस दौरान मोबाइल वैन के माध्यम से डालसा पीएलवी नागेन्द्र कुमार, सदानंद महतो, आशीष प्रजापति, जोबा रानी बास्के, सुनीता कुमारी एवं सीमा कुमारी ने लोगों को विधिक जानकारी दी.

डैम में छोड़ा गया 1.5 लाख का जीरा

घाटशिला। बुरुडीह डैम में मत्स्य विभाग की ओर से सोमवार को एक लाख पचास हजार मछली का जीरा छोड़ा गया. जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने विभागीय पदाधिकारियों व मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्यों की उपस्थिति में मछली का जीरा छोड़ा. श्रीमती मुर्मू ने कहा कि बुरुडीह डैम में प्रत्येक वर्ष विभाग की ओर से मछली का जीरा छोड़ा जाता है. स्थानीय लोगो को मत्स्यपालन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाता है.

वर्षों पुराना कब्रिस्तान विवाद हुआ खत्म

गावां। प्रखंड के पिहरा पूर्वी पंचायत के पिहरा पिकेट के बगल स्थित कब्रिस्तान के रास्ते को लेकर वर्षों से चला आ रहा विवाद सोमवार को समाप्त हो गया. स्थल पर समुदाय का कब्रिस्तान है तथा उसके बगल में जीएम लैंड से एक रास्ता भी गुजरा है. रविवार को रास्ते के बगल में सटकर एक शव दफन कर दिए जाने के बाद दो समुदायों में झड़प हो गई थी. सोमवार को बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि एक 20 फिट की सड़क बनेगी. वहीं सड़क के दोनों ओर 10-10 फिट तक कोई भी पक्ष शवों का दफन नहीं करेंगे.

सड़क कालीकरण का किया शिलान्यास

बालूमाथ (लातेहार)। विधायक बैद्यनाथ राम ने बालूमाथ प्रखंड के बालू मुख्य पथ से तुरकाटांड़ तक तीन किलोमीटर लंबी सड़क कालीकरण का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया. विधायक ने पूजा अर्चना व शिलापट्ट का अनावरण भी किया. विधायक ने कहा कि तुरकाटांड़ में विद्यालय है. सड़क नहीं होने से ग्रामीणों व बच्चों को काफी परेशानी होती थी. इस सड़क के बन जाने से लोगों को काफी लाभ होगा.

बालू घाट संचालकों की मिलीभगत से एक ही चालान से होती है कई ट्रिप बालू की तस्करी

तेतरकेला बालू घाट से बालू की तस्करी जारी, प्रशासन मौन

संवाददाता। किरीबुरू

सारंडा स्थित जराईकेला सीमा से लगा ओडिशा के बिसरा थाना अंतर्गत तेतरकेला बालू घाट से जराईकेला व मनोहरपुर के रास्ते सारंडा समेत प.सिंहभूम के विभिन्न क्षेत्रों में बालू की तस्करी निरंतर जारी है.

खनन विभाग ने गुआ थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदे एक हाइवा को पकड़ वाहन मालिक, चालक, व बालू घाट के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार तेतरकेला बालू घाट से बालू लदे वाहनों को मैनुअल चालान दिया जाता है. एक ही चालान से बालू माफिया कई ट्रीप बालू की तस्करी बालू घाट संचालकों की मिलीभगत से करते हैं. कुछ माफिया ग्रामीण क्षेत्रों में बालू का अवैध स्टॉक कर वहां से विभिन्न क्षेत्रों में तस्करी करते है.

कौन-कौन हैं शामिल : बालू की अवैध तस्करी में ओडिशा पुलिस, जराईकेला व मनोहरपुर क्षेत्र के कई सफेदपोश व माफिया शामिल है. मनोहरपुर का एक चर्चित व्यक्ति सबका सरगना है. किसी भी माफिया का अवैध बालू लदा वाहन पकडा. जाता है तो वह विभागीय अधिकारी को मैनेज कराकर हमेशा वाहन छुड़ाने में मुख्य भूमिका निभाता है.

सूत्रों ने बताया कि बालू घाट से माफिया कुछ चालान को अपने प्रभाव के बलपर हासिल कर लेते हैं. जिसपर तिथि व समय के साथ-साथ बालू कहां से कहां ले जाना है, वाहन का नंबर आदि अंकित नहीं रहता है. ऐसे चालान को माफिया अवैध तरीके से बालू ढुलाई करने में लगे वाहनों के चालक को देते हैं. ताकि आपात स्थिति में वह खाली चालान को खुद ही भरकर बच सकें.

सारंडा, कोल्हान समेत पश्चिम सिंहभूम जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं में ओडिशा के तेतरकेला से लाए जा रहे बालू का उपयोग हो रहा है. रात के समय रिजर्व वन क्षेत्र में भारी वाहनों का परिचालन वर्जित है.

बालू घाट की फाईल तस्वीर.

खास बातें

- जराईकेला क्षेत्र के कई सफेदपोश व माफिया शामिल
- बालू माफियाओं के गिरोह का मुख्य सरगना मनोहरपुर

आओ जानें

भारतीय तेल शोधशालाएं

तेल शोधनशालाएं	स्थापना वर्ष	तेल शोधनशालाएं	स्थापना वर्ष
डिग्बोई (असम)	1901	कोचीन	1966
मुम्बई (एच.पी.सी.एल.)	1954	चेन्नई	1969
मुम्बई (बी.पी.सी.एल.)	1955	हल्दिया (पश्चिम बंगाल)	1975
विशाखापटनम	1957	बोगाईगाँव (असम)	1979
गुवाहाटी (असम)	1962	मथुरा (उत्तर प्रदेश)	1982
बरौनी (बिहार)	1964	करनाल (हरियाणा)	1987
कोयली (गुजरात)	1965	जामनगर (गुजरात)	1999

पशुओं के लिए वीडियो कॉल बेस्ड टेलीमेडिसीन सेंटर शुरू

राज्य में जल्द होगी वेटनरी यूनिवर्सिटी की स्थापना

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार वेटनरी यूनिवर्सिटी खोलने की तैयारी कर रही है. इसको लेकर सरकार ने बजट प्रवाधान भी कर लिया है. कृषि, पशुपालन मंत्री बादल ने हेसाग स्थित पशुपालन भवन में आदर्श हॉस्पिटल एवं वीडियो कॉल बेस्ड टेलीमेडिसीन सेंटर के उद्घाटन के दौरान कही.

बादल ने कहा कि सरकार में सिस्टम से लेकर रिस्पॉन्स तक सब कुछ बदल रहा है. पूरे राज्य से आए पशु चिकित्सकों और पशु पालक को संबोधित करते हुए कहा कि केरल के दौरे के बाद हमें ये महसूस हुआ कि कृषि पशुपालन के क्षेत्र में हम काफी पीछे हैं. राज्य में न्यूनतम संसाधनों में बेहतर काम करने वाले पशु चिकित्सक हैं, जो उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं. राज्य के सभी प्रखंडों और 23 जिलों में अस्पतालों का कायाकल्प हो इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं. सरकार जल्द ही हम 236 पशु एंबुलेंस की शुरुआत करने जा रहे हैं. पहले 23 पशु चिकित्सकों और फिर 66 नये पशु चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है. फिलहाल और अन्य रिक्तियां भी भरने की प्रक्रिया की जा रही है.

टेलीमेडिसीन सेंटर के उद्घाटन के बाद बातचीत करते मंत्री बादल व अन्य.

बोले मंत्री

- केरल दौरे के बाद पशुपालन में पिछड़ेपन का हुआ अहसास
- राज्य में न्यूनतम संसाधनों में बेहतर करने वाले पशु चिकित्सक

फेज वार 100-100 अस्पतालों का होगा कायाकल्प

पशुपालन विभाग के निदेशक आदित्य रंजन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पशुओं के इलाज के लिए राज्य में पहला 24*7 अस्पताल शुरू हुआ है. जिसमें डॉक्टर और पैथोलॉजी के जाकार 24 उपलब्ध रहेंगे. विभाग द्वारा राज्य में फेज वार 100 - 100 अस्पताल के कायाकल्प का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. हेसाग के आदर्श हॉस्पिटल में सर्जरी एवं पैथोलॉजी की पूरी व्यवस्था की गई है. उन्होंने दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के संबंध में बताया कि राज्य में पहली बार चिकित्सकों के प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें अन्य प्रदेशों से विशेषज्ञों द्वारा ट्रेनिंग दी जाएगी. पहले सिर्फ एक दिन की ट्रेनिंग हुआ करती थी और विशेषज्ञ राज्य में ही आयोजन होता था. उन्होंने बताया कि टेलीमेडिसीन सेंटर में दो पशु डॉक्टर 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे. कार्यक्रम में गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन, उपाध्यक्ष राजीव गिरी, कृषि निदेशक संजय सिन्हा सहित कई पदाधिकारी एवं पशु चिकित्सक व पशु सखी और पशुपालक मौजूद थे.

सफलता आपके रिस्पॉन्स पर निर्भरः सचिव

विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दिक ने कहा देश और दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी के माध्यम से बड़े-बड़े इलाज हो रहे हैं. वीडियो कॉल बेस्ड टेलीमेडिसीन तभी सफल होगा जब आप कॉल करने वाले को तुरंत रिस्पॉन्स देंगे. व्हाट्सएप कॉल पर संबंधी बीमारी की दवाई बताने की बजाय व्हाट्सएप मैसेज का इस्तेमाल करना ज्यादा उचित होगा. कोई भी दवाई देने के बाद उसका फीडबैक जरूर लें. अगर आप कॉल पर रिस्पॉन्स नहीं देंगे तो यह योजना फेल हो जायेगी. इसलिए लगातार खुद को अपग्रेड करते रहें क्योंकि आज के दौर में हर व्यक्ति अपग्रेड हो रहा है.

सड़क जाम की, एसडीएम ने शुरू कराई सेवा, हटा जाम

डायलिसिस सेवा बंद होने का विरोध

संवाददाता। गिरिडीह

सदर अस्पताल में राज्य सरकार द्वारा संचालित डायलिसिस सेवा बंद कर दिए जाने से सोमवार को मरीजों ने जमकर हंगामा किया. कोर्ट रोड को जाम कर मरीज बीच सड़क पर बैठ गए. परेशान मरीजों को हंगामा करते देख उनका सहयोग करने कुछ नेता भी पहुंच गए. जानकारी मिली तो सदर एसडीएम विशालदीप खलको, सीओ और नगर थाना की पुलिस भी सदर अस्पताल के समीप पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली. जिले के दूरदराज इलाके से आए मरीजों ने कहा कि एक-दो मरीजों की हालात सबसे खराब है. जब वो आए तो डायलिसिस सेवा का संचालन करने वाली एजेंसी स्काई संजीवनी के चार टेक्नीशियन ने कहा की डायलिसिस नहीं होगा. क्योंकि सेवा बंद करने का निर्देश रांची से आया है. इसके बाद परेशान मरीज और उनके परिजन भड़क उठे.

एजेंसी के खिलाफ राज्य सरकार को लिखा जाएगा लेटर

जानकारी मिलने पर सिविल सर्जन ने एसडीएम को बताया कि बकाया भुगतान नहीं होने का हवाला देकर एजेंसी ने सेवा को ठप किया था. सिविल सर्जन का कहना था कि न तो एजेंसी के कोई इंचार्ज ही रहते हैं और न कोई और व्यक्ती. कहा कि बिल भी हमेशा गलत बनाकर देते हैं. सिविल सर्जन ने बताया की मार्च से जुलाई का बिल पिछले अक्टूबर माह में दिया गया है, अब जब तक बिल की जांच नहीं किया जायेगी भुगतान संभव नहीं है. कई बार एजेंसी ने फॉल्स बिल दिया है और भुगतान लेने का प्रयास किया है.

विभाग ने हाई वोल्टेज तार को किया ऊंचा

चाकुलिया। हाई वोल्टेज तार की चपेट में आकर दो हथनी की मौत के सात दिन हुई थी. इस मामले में रविवार की शाम को बिजली विभाग नींद से जगा और राइस मिल के पीछे स्थित तालाब की मेंढ़ पर पोल गाड़ कर हाई वोल्टेज तार को ऊंचा किया गया. बता दें कि विगत 30 अक्टूबर की शाम को चाकुलिया नगर पंचायत के वार्ड नंबर 9 में स्थित शेखपाड़ा से सटे एक राइस मिल के पीछे राइस मिल से निकलने वाले पानी के जमाव के लिए बनाए गए, तालाब की मेंढ़ पर झूल रहे हाई वोल्टेज की चपेट में कई हाथी आ गए थे. इनमें से दो हथिनी की मौत 24 घंटा में ही हो गई थी. बीते शनिवार को गठित जांच टीम ने घटनास्थल पर आकर जांच की थी.

नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों का प्रारंभिक प्रशिक्षण हुआ शुरू

संवाददाता। पाकुड़

द्वितीय फेज में नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों का तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रारंभिक प्रशिक्षण के तहत पाकुड़ जिला के अमड़ापाड़ा प्रखंड आलूबेड़ा, जामुगड़िया, पचुवाड़ा एवं सिंगारसी ग्राम पंचायत तथा पाकुड़िया प्रखंड के खजुरडंगाल, महुलपहाड़ी, बासेतकुण्डी एवं बनियापासर ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों का तीन दिवसीय प्रारंभिक प्रशिक्षण से प्रखंड सभागार कक्ष में शुरुआत किया गया. अमड़ापाड़ा प्रखंड में प्रशिक्षण का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी जिल्लूर रहमान, प्रखंड समन्वयक आनंद प्रकाश एवं मास्टर ट्रेनर प्रभात कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. वहीं पाकुड़िया प्रखंड में प्रशिक्षण का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी साइमन मरांडी, प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी त्रिदीप शील, प्रखंड समन्वयक सायेम अख्तर एवं मास्टर ट्रेनर सुभाष्टियन सोरेन के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. इस प्रशिक्षण में पंचायती राज पर नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों को पंचायती राज विभाग द्वारा नामित मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण दे रहे हैं.

कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोग होंगे लाभान्वित : डीसी

संवाददाता। धनबाद

अबुआ वीर दिशोम अभियान के शुभारंभ के अवसर पर रांची में कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में शामिल हुए धनबाद उपायुक्त वरुण रंजन ने बताया कि राज्य में पहली बार व्यापक स्तर पर आदिवासी और वनों पर आश्रित रहने वाले लोगों को उनके दावों के अनुरूप व्यक्तिगत, सामुदायिक और सामुदायिक वन संसाधन पर वनाधिकार पट्टा मुहैया कराने से संबंधित जानकारी दी गई . उपायुक्त ने बताया कि 15 नवंबर दे 29 दिसंबर तक आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की पुनः शुरुआत होने जा रही है. पिछले कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने इस कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के उपाय बताए हैं. जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस कार्यक्रम से लाभ मिल सके. उपायुक्त ने बताया कि आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित करना ही उनका लक्ष्य है.

बीडीओ ने महिला समूह की सदस्यों संग की बैठक

घाटशिला। प्रखंड सभागार में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) युनिका शर्मा की अध्यक्षता में जीएसपीएलएस की महिला समूह की बैठक आयोजित की गई. बैठक में बीडीओ ने महिला समूह की सदस्यों को बताया कि 15 नवंबर से 30 नवंबर तक सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित की जा रही है. सरकार की इस लोक कल्याणकारी कार्यक्रम में अधिक से अधिक ग्रामीण शामिल होकर लाभ उठाएं. हर तरह की पेंशन, आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र, म्यूटेशन, बिजली बिल की समस्या सहित अन्य किसी भी समस्या का समाधान ऑन द स्पॉट किया जाएगा. साथ ही साथ उन्होंने कहा कि गांव में प्रधानमंत्री आवास अधूरे पड़े हैं, उसे हर हाल में पूरा कराने का प्रयास करें. जिस गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना अधूरा है उसे गांव में विकास योजना धरातल पर उतारना संभव नहीं है. इसलिए जब तक पीएम आवास योजना पूरा नहीं होता है तब तक गांव के लोगों को इस परेशानी का सामना करना पड़ेगा.

एक साल से चापाकल खराब

संवाददाता। तांतनगर

मंझारी प्रखंड के बड़ा तोरलो पंचायत अंतर्गत सानरुजूं गांव के मेंडागुटू टोला में पिछले एक साल से चापाकल खराब है. चापाकल खराब रहने से ग्रामीणों के बीच पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है. टोला के करीबन 40 परिवार को आधा किमी दूर खेत में बनाये गये चुआं के पानी पर निर्भर हैं. टोला के लोग खेत में बने चुआं से पानी लाते हैं. उसके बाद चूल्हा जलता है. टोला में पेयजल संकट की शिकायत पर मंझारी जिप माधव चंद्र कुंकल ने सोमवार को टोला का दौरा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली.

उन्होंने टोला में जल जीवन मिशन योजना के तहत निर्माण कार्य में विलंब होने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि संवेदक की मनमानी का नतीजा ग्रामीणों को पेयजल संकट के रूप में भुगतना पड़ रहा है. उन्होंने चापाकल मरम्मत करने के लिए ग्रामीणों को आर्थिक सहायोग किया. अपने स्तर से मिस्त्री को पैसा दे कर चापाकल मरम्मत कराने की बात कही. उन्होंने कहा चुआं का पानी पीने से ग्रामीण मलेरिया, टाइफाइड, जैसे गंभीर बीमारी की चपेट में आ रहे है है. इस मामले को लेकर उपायुक्त व पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से अवगत कराया की बात कही. मौके पर गोनो कुंकल, शत्रुघ्न कुंकल, शुभम बिरुवा, राम कुंकल, लक्ष्मण कुंकल, बुधनी कुंकल, जानो कुंकल, जनमती कुंकल, मुक्ता कुंकल, बुधनी कुई, शांति कुई, चारिमा कुई, पालो कुंकल, बेरगा कुंकल, आदि उपस्थित थे.

टोला के लोगों के साथ बात करते जिप सदस्य माधव चंद्र कुंकल.

खास बातें

- 40 परिवार खेत में बनाये गये चुआं के पानी पर निर्भर
- गंदा पानी पीकर ग्रामीण हो रहे हैं बीमार

2008 में नियुक्त कर्मचारियों को मिलेगा पुरानी पेंशन का लाभ

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है कि जिस कर्मचारी की नियुक्ति वर्ष 2004 से पहले हुई है, उसे पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाए. दरअसल कोडरमा सिविल कोर्ट में वाहन चालक के पद पर तैनात विनोद टोप्पो समेत आठ अन्य कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. याचिका में उन्होंने वर्ष 2021 में कार्मिक विभाग के उस नोटिफिकेशन को चुनौती दी थी,जिसमें यह कहा गया था कि उन्हें पुरानी पेंशन योजना से वंचित रखा जाएगा. लेकिन सुनवाई के दौरान प्रार्थियों के अधिवक्ता सुभाशीष रसिक सोरेन ने अदालत को बताया कि वाहन चालकों के पद पर नियुक्ति के लिए वर्ष 2001 में विज्ञापन जारी किया गया था. नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद वर्ष 2004 में वाहन चालक नियुक्ति परीक्षा का रिजल्ट वर्ष 2004 में जारी किया गया. लेकिन उन्हें 2008 में नियुक्ति दी गई थी.

मुलाकात बीसीसीएल के सीएमडी से मिला जनता दल यूनाइडेट का प्रतिनिधिमंडल

आउटसोर्सिंग कंपनियों में स्थानीयों को काम देने की मांग

संवाददाता। कतरास

राज्यसभा सांसद खीरू महतो के नेतृत्व में जदयू का प्रतिनिधिमंडल बीसीसीएल सीएमडी सिमरन दत्ता से मिला. सीएमडी से विस्थापन, नियोजन एवं असंगठित मजदूरों के ज्वलंत मुद्दों की समाधान की दिशा में पहल करने की मांग की. राज्यसभा सांसद सह जदयू झारखंड प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो ने कहा कि जदयू पार्टी धनबाद में विस्थापितों व असंगठित मजदूरों की समस्याओं को लेकर संघर्षरत है.

बीसीसीएल को विस्थापन, नियोजन एवं असंगठित मजदूरों की समस्याओं का समाधान हर हाल में करना ही होगा. बीसीसीएल में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनियों में 75 प्रतिशत स्थानीय बेरोजगारों को नियोजन देना होगा. अगर बीसीसीएल विस्थापन, नियोजन एवं असंगठित मजदूरों की समस्याओं का समाधान नहीं करती है जदयू पार्टी बीसीसीएल कंपनी के विरुद्ध आंदोलन का बिगुल फूंकेगी. वहीं सोनारडीह,कोरिडीह, सिदपोकी गांव के विस्थापितों का विषय, एवं बेनिडीह मेन साइडिंग के सेलपिकिंग मजदूरों को एचपीसी का वेतन भुगतान हो इस पर सार्थक चर्चा हुई है.

सीएमडी सिमरन दत्ता ने मार्च 2024 तक सभी विषयों का समाधान करने का आश्वासन दिया है. प्रतिनिधिमंडल में जदयू धनबाद जिला अध्यक्ष पिन्टु सिंह, जदयू प्रदेश महासचिव संजय सिंह, जदयू प्रदेश सचिव महिला प्रकोष्ठ बिन्दु देवी, जदयू धनबाद जिला अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के महासचिव अशोक कुमार दास,धनलाल दुबे,गंगा शर्मा,राजू रवानी, आदि मौजूद थे.

बीसीसीएल सीएमडी से मिलने पहुंचे खीरू महतो व अन्य.

खास बातें

- ज्वलंत मुद्दों की समाधान की दिशा में पहल करने की मांग
- विस्थापन व समस्याओं से सीएमडी को अवगत करवाया
- मार्च 2024 तक समाधान करने का मिला आश्वासन

जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने कहा कि विस्थापन, नियोजन एवं असंगठित मजदूरों का विषय जो गोविन्दपुर क्षेत्र एवं ब्लॉक 2 से संबंधित है, जिसमें

विधानसभा आश्वासन समिति ने दिये कई निर्देश

संवाददाता। लातेहार

झारखंड विधानसभा सरकारी आश्वासन समिति के सभापति दीपक बिरुवा की अध्यक्षता में सोमवार को स्थानीय परिसदन में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गयी. बैठक के दौरान सभापति दीपक बिरूवा ने कहा कि विधानसभा में उठाये गये वैसे मामले जिसमें सरकार के द्वारा उसके निष्पादन का आश्वासन दिया गया है, उसे प्राथमिकता के साथ निष्पादित किया जाना चाहिए. समीक्षा के क्रम में विधानसभा में उठाये गये लातेहार जिला के कुल 12 मामलों की जानकारी सभापति ने ली.

बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण की वर्तमान स्थिति की जानकारी सिविल सर्जन से ली गई. वहीं जिले के हेरहंज एवं बालूमाथ प्रखंड के विभिन्न गांवों में ट्रांसफार्मर लगाने की जानकारी कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल से लिया.

विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश : दीपक बिरूवा ने करकट नदी पर पुल निर्माण व राजा मेदनीराय के किला के जीर्णोद्धार आदि के बाबत भी पदाधिकारियों से जानकारी ली. बैठक के दौरान समिति के सदस्य सह विधायक बैद्यनाथ राम ने जिले में विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये. बैठक में सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार मो परवेज, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड बिपिन कुमार दुबे समेंत जिला स्तरीय कई पदाधिकारी उपस्थित थे.

2021 से ही बिजली विभाग से उलझे तारों को सुलझाने की लगा रहे हैं गुहार, विभाग ने नहीं की कोई कार्रवाई

हादसों को निमंत्रण दे रहे सालडीह बस्ती में उलझे बिजली के तार

संवाददाता । आदित्यपुर

उलझे बिजली के तारों के मकड़जाल के बीच सालडीह बस्ती के सैकड़ों परिवार रह रहे हैं. बिजली के उलझे तार पिछले 2 साल से हादसों को निमंत्रण दे रहे हैं. पॉश कॉलोनी आशियाना और निशांत विहार के ठीक सामने सालडीह बस्ती में उलझे बिजली के तार से बस्तीवासी चिंतित हैं. बस्ती के महिला-पुरूष जुलाई 2021 से ही बिजली विभाग से इन उलझे तारों को सुलझाने की गुहार लगा रहे हैं. बस्ती के लोग कहते हैं कि उनके बीच मौत के रूप में बिजली के तार झूल रहे हैं. बस्तीवासी पार्षद नील पद्मा विश्वास के नेतृत्व में जुलाई 2021 में सहायक अभियंता से मिलकर शिकायत कर सुलझाने की मांग की थी. तब से अब तक विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि इस बीच 4 सहायक अभियंता बदल चुके हैं.

उलझे बिजली तारों के मकड़जाल के बीच रह रहे हैं बस्तीवासी.

खास बातें

- एक ही खंभे से बेतरतीब ढंग से लिये गए सैकड़ों कनेक्शन
- जुलाई 2021 में सहायक अभियंता से की थी शिकायत

राजमिस्त्री की हो चुकी है मौत : बता दें कि आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 13 स्थित सालडीह बस्ती में उलझे हुए बिजली के तार से एक हादसा जुलाई में ही हो चुका है. चूंकि यहां एक ही खंभे से सैकड़ों कनेक्शन बेतरतीब ढंग से लिये गए हैं, जिससे तारों का मकड़जाल बन गया है. तार भी इतने नीचे कि कोई बच्चा भी आसानी से छू सकता है. 2021 में इसी मकड़जाल में फंसकर एक राजमिस्त्री की मौत काम के दौरान हो गई थी. बस्ती के कैलाश सोनकर, सहदेव कुमार, रूपा कुमारी, माधव मिश्रा, पी के ओझा आदि ने बताया कि लगता है कोई बड़ा हादस के बाद ही बस्ती के उलझे तारों को सुलझाया जाएगा.

बिजली के टूटे तार की चपेट में आने से बच्चा झुलसा

बहरागोड़ा । रविवार की रात बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के डोमजुड़ी पंचायत अंतर्गत एकताल गांव में हादसा हो गया. तारापद सिंह के छह वर्षीय पुत्र सम्राट सिंह बिजली के टूटे तार की चपेट में आने से झुलस गया. उसे स्थानीय व परिवार के लोगों ने निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा पहुंचाया. वहां उपचार के बाद बच्चे की स्थिति सामान्य है. जानकारी के अनुसार घर के बगल में तीन-चार दिन पहले से बिजली का तार टूट कर गिर गया था. घर में करम पूजा की तैयारी चल रही थी. उसमें सभी बड़े पूजा की तैयारी में लगे हुए थे. वहीं कुछ बच्चे खेल रहे थे, जिसमें खेलते-खेलते सम्राट बिजली के टूटे तार के पास चला गया. तार में उसके सटते ही करंट से झुलस गया.

इलाजरत घायल बच्चा.

आओ जानें

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं की सूची

पंचवर्षीय योजना	अवधि	प्राथमिक क्षेत्र	लक्ष्य की दर	वृद्धि दर
पहली योजना	1951-56	कृषि, बिजली, सिंचाई	2.1	3.6
दूसरी योजना	1956-61	पूर्ण उद्योग	4.5	4.2
तीसरी योजना	1961-66	खाद्य, उद्योग	5.6	2.8
चौथी योजना	1969-74	कृषि	5.7	3.2
पांचवें योजना	1974-79	गरीबी उन्मूलन आर्थिक आत्मनिर्भरता	4.4	5
छठी योजना	1980-85	कृषि, उद्योग	5.2	5.5
सातवीं योजना	1985-90	ऊर्जा, खाद्य	5	6
आठवीं योजना	1992-97	मानव स्रोत, शिक्षा	5.6	6.6
नौवीं योजना	1997-02	सामाजिक न्याय	6.5	5.4
दसवीं योजना	2002-07	रोजगार, ऊर्जा	8.1	7.6
ग्यारहवीं योजना	2007-12	समावेशी विकास	8	7.9
बारह्वी योजना	2012-17	त्वरित, और समावेशी विकास		

ब्रीफ खबरें

मनोहरपुर स्टेशन में लगा सेल्फी प्वाइंट

मनोहरपुर। स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम के तहत एक कदम स्वच्छता की ओर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. रेल प्रशासन ने लोगों के बीच इसके लिए मनोहरपुर स्टेशन परिसर में एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया है. इस सेल्फी प्वाइंट में पीएम नरेंद्र मोदी को एक मॉडल के रूप में झाड़ू लगाते हुए दर्शाया गया है. इससे रेल परिसर में आने जाने वाले रेल यात्री समेत आम लोगों में रेल परिसर की साफ-सफाई के अलावा अपने आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई को बढ़ावा तो मिलेगा ही, वहीं रेल प्रशासन की इस पहल से लोगों में भारी उत्साह देखा जा रहा है. साफ-सफाई के प्रति लोगों में भी जागरूकता बढ़ रही है.

पीरटांड़ बीडीओ ने किया बिसनपुर का निरीक्षण

पीरटांड़। प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार मरांडी ने सोमवार को प्रखंड के बिसनपुर पंचायत का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने पंचायत में चल रहे मनरेगा योजना एवं तालाब सहित अन्य विकास कार्य का भी निरीक्षण किया. बीडीओ ने उपस्थित संवेदक एवं ग्रमीणों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये ।जिसके बाद बीडीओ ने बिसनपुर पंचायत भवन में एक बैठक कर ग्रमीणों की समस्याएं सुनी. जिसके बाद कई अन्य विषयों पर मुखिया अनूप मिश्रा एवं उपस्थित पदाधिकारियों के साथ चर्चा की गई. इस दौरान उन्होंने उत्क्रमित मध्य विद्यालय महदूडीह का भी निरीक्षण किया और स्कूली बच्चों से पठन-पाठन को लेकर पूछताछ की. उन्होंने विद्यालय में चलने वाले मध्यान भोजन की जानकारी ली तथा विद्यालय में हर हाल में मेन्यू के अनुसार मध्यान भोजन संचालित करने का निर्देश दिया.

चास और फुसरो में शिविर का आयोजन

बोकारो। जिले में पीएम स्वनिधि योजना के तहत सोमवार को शिविर का आयोजन चास नगर निगम क्षेत्र के लिए निगम कार्यालय चास में किया गया. वहीं, फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के लिए फुसरो नगर परिषद कार्यालय सभागार में शिविर लगा. इस शिविर में काफी संख्या में स्ट्रीट वेंडर पहुंचे और विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं से जुड़ने के लिए निबंधन कराया. पीएम स्वनिधि योजना से अच्छादित लाभुकों को स्वनिधि से समृद्धि योजना अंतर्गत सामाजिक आर्थिक प्रोफाइलिंग ऑनलाइन करने के लिए यह शिविर लगाएंगे.
उल्लेखनीय है कि स्वनिधि से समृद्धि योजना अंतर्गत स्ट्रीट वेण्डरों को शिविर लगाकर सरकार की महत्वकांक्षी योजना के साथ योग्य लाभुकों को लिंक किया जाना है.

नियोजन की मांग, जिंदल स्टील के खिलाफ धरना

बोकारो। जिले के चंदनकियारी प्रखंड के जिंदल स्टील के पर्वतपुर कोल ब्लॉक गेट के समक्ष स्थानीय बेरोजगार संघर्ष समिति बोकारो एवं बिहार कोल माइंस यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया. नियोजन समेत अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे लोग नवाडीह मोड़ से जुलुस की शक्ल में धरना स्थल पहुंचे. जहां सभा आयोजित की गयी. कार्यक्रम की अध्यक्षता रामलाल महतो एवं संचालन लक्ष्मण महतो ने किया. कुमुद महतो ने कहा कि जिंदल स्टील प्रबंधन नियोजन गाइडलाइन के आधार पर नियोजन नहीं दे रही है. सरकार की नियमों का उल्लंघन हो रहा है. स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है.

200 सामुदायिक एवं सैकड़ों व्यक्तिगत दावे गायब, आक्रोश

दावा गायब करने से नाराज ग्रामीणों ने की सड़क जाम

संवाददाता। बोकारो

जिले के विभिन्न प्रखंडों के 200 सामुदायिक दावा एवं सैकड़ों व्यक्तिगत दावा गायब करने से नाराज ग्रामीणों ने धरना दिया. सोमवार को पेटरवार स्थित वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी के कार्यालय में बोकारो जिला ग्राम सभा मंच के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना शुरू हुआ. धरना वन विभाग के कार्यालय के बाहर एनएच सड़क पर दिया गया, जिससे दोपहर 2 बजे से मेन रोड में जाम लगा रहा. इधर तेनुघाट चौक में भी तीन तरफ से आ रही सभी सड़कों को जाम कर सभा की गयी.

वक्ताओं ने जल, जंगल, जमीन का मुद्दा उठया : सभा स्थल पर स्थानीय सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी एवं गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो भी पहुंचे. इस दौरान वक्ताओं ने जल, जंगल, जमीन और संसाधनों पर ग्राम सभा का मालिकाना हक कायम करने, सामुदायिक वनाधिकार प्रमाण पत्र निर्गत करने, वनाधिकार कानून 2006 एवं पेसा कानून 1996 को लागू करने की मांग की. इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बोकारो जिले के विभिन्न प्रखंडों से ग्राम सभा के द्वारा वन कानून 2006, नियम 2008 के संशोधन नियम 2012 के तहत 2017 से लेकर 2023 तक लगभग 200 ग्राम सभा का सामुदायिक दावा एवं सामुदायिक वन संसाधनों के प्रबंधन का अधिकार का दावा एवं सैकड़ों व्यक्तिगत दावा वन विभाग के कार्यालय में जमा किया गया था, जिसे गायब कर दिया गया है. जबकि उपायुक्त बोकारो द्वारा इस मामले में त्वरित कार्रवाई हेतु 16 नवंबर 2022 एवं अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो के द्वारा 21 नवंबर को वन क्षेत्र पदाधिकारी पेटरवार को पत्र भी भेजा गया.

12 अप्रैल 2023 को अंचल अधिकारी एवं वन क्षेत्र पदाधिकारी अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो एवं बोकारो जिला ग्राम सभा मंच की संयुक्त बैठक भी की गई, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया था कि प्रत्येक माह जिले के एक-एक ब्लॉक में लंबित दावों का निष्पादन किया जाएगा. गोमिया प्रखंड से इसकी शुरुआत करने का निर्णय भी लिया गया था, लेकिन इन लंबित दावों पर कोई पहल एवं सुनवाई नहीं की जा रही है.

इधर समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण इस मांग पर डटे थे कि जब तक वन विभाग के बड़े अधिकारी इस दिशा में पहल कर लिखित आश्वासन नहीं देंगे, तब तक सड़क जाम नहीं टूटेगा. मौके पर मंच के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सचिव मोतीलाल बेसरा, उपाध्यक्ष महेश महतो, केंद्रीय सदस्य राजेश कुमार महतो, बोकारो जिला प्रभारी रतिराम किस्कू, आशा हांसदा समेत अन्य सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे.

पेटरवार में धरना -प्रदर्शन में शामिल गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक लंबोदर महतो व ग्रामीण.

खास बातें

- स्थानीय सांसद एवं गोमिया विधायक भी पहुंचे सभा स्थल
- वनाधिकार कानून 2006 और पेसा कानून लागू करने की मांग
- ग्रामसभा के लोगों में व्याप्त है भारी असंतोष

रद्द होंगे संपन्न परिवारों के राशन कार्ड

संवाददाता। जामताड़ा

बीडीओ प्रवीण चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को जामताड़ा प्रखंड परिसर सभागार में पीडीएस डीलरों की बैठक हुई. जिसमें जामताड़ा प्रखंड, जामताड़ा नगर पंचायत, मिहीजाम नगर परिषद के दुकानदार उपस्थित थे. इस दौरान खाद्यान्न उठाव एवं वितरण की समीक्षा की. खाद्यान्न वितरण का प्रतिशत कम है, उसे अविलंब पूरा करने का निर्देश दिया गया.

उन्होंने कहा कि संपन्न परिवार, जो गरीबी रेखा से ऊपर गुजर-बसर करते हैं, वैसे संपन्न कार्डधारियों को चिन्हित कर उनका नाम हटाना है. इसके अलावा खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अहर्ता पूरा नहीं करने वाले कार्डधारियों, मृत व्यक्ति आदि कार्डधारक का नाम डिलीट करने हेतु रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया. ग्रीन कार्डधारियों के बीच खाद्यान्न वितरण करने का निर्देश दिया गया.

बैठक में कहा गया कि दुकानदार द्वारा नियम का पालन नहीं करने पर कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारी को लिखा जाएगा. बैठक के दौरान जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों ने अपनी समस्याएं रखीं. कहा कि डोर स्टेप डिलीवरी द्वारा समय पर डीलरों को खाद्यान्न नहीं देने के कारण वितरण करने में असुविधा होती है. खाद्यान्न दुकान पहुंचने के बावजूद गोदाम से ऑनलाइन एंट्री लेट होने के कारण दुकान में खाद्यान्न वितरण पोश मशीन के माध्यम से समय पर नहीं हो पता है. इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि इस समस्या का समाधान गोदाम मैनेजर ,सहायक प्रबंधक से संपर्क कर एवं ट्रांसपोर्टों से संपर्क कर जल्द किया जाएगा. मौके पर प्रखंड आपूर्ति कार्यालय प्रभारी गौतम बाउरी, दुकानदार नरेश कुमार जैन, देव कुमार साव,जयदेव दास आदि डीलर उपस्थित थे.

खास बातें

- ग्रीन कार्डधारियों के बीच राशन वितरण करने का मिला निर्देश
- प्रखंड परिसर सभागार में पीडीएस डीलरों की बैठक

बिजली समस्या के निदान के लिए धरना पर पंसस

चाकुलिया। बिजली से संबंधित समस्याओं के निदान के लिए चाकुलिया प्रखंड की जुगीतुपा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य बुबाई दास सोमवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के मुख्य द्वारा के पास अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए. उन्होंने कहा कि रांगामाटिया टोला में बांस के सहारे बिजली के तार ले जाए गए हैं. इससे कभी भी हादसा हो सकता है. यहां पोल लगाने के लिए कई बार बिजली विभाग को सूचना दी गई. इस मुद्दे को पंचायत समिति सदस्यों और पदाधिकारी की बैठक में भी उठाया गया था परंतु विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई. उन्होंने कहा कि बिजली विभाग द्वारा छोटे-मोटे दुकानदारों को कमर्शियल कनेक्शन के नाम पर बिना किसी सूचना के केस कर दिया जा रहा है.

आवास की आधारशिला रख पंसस ने की आर्थिक सहायता

संवाददाता। बोकारो

जिले के चंदनकियारी प्रखंड के महाल पूर्वी पंचायत के धीवर टोला में पंसस नीतीश शेखर ने सोमवार को एक आंबेडकर आवास योजना का भूमि पूजन कर आधारशिला रखी. साथ ही इस योजना की लाभुक माधुरी देवी को बतौर प्रोत्साहन राशि एक हजार ग्यारह रुपये दिया गया. कहा कि जनप्रतिनिधि जनसेवा के लिए होते हैं न कि गरीबों से वसूली के लिए. हमारा प्रयास है कि अपने पंचायत में जीरो टोलरेन्स पर कार्य होना चाहिए. सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मिलना चाहिए. अबतक इन योजनाओं का दोहन होता रहा, परंतु हमारा प्रयास है कि लोगों को उनका हक मिले. मौके पर सुजय चटर्जी, संजय रजक, सुभाष धीबर, मुबारक साईं, मनबोध धीबर, आलोक रजक समेत अन्य लोग मौजूद थे.

सड़क पर बहकर हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद

संवाददाता । चाकुलिया

चाकुलिया नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10 में पंप हाउस नंबर दो के पास सड़क के किनारे स्थापित फ्री टेप का नल टूट गया है. हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है. इसी नल पर 35 बीड़ी मजदूर परिवार पानी के लिए आश्रित हैं. इसी नल का पानी पीने के लिए ले जाते हैं. नल के पास नहाते भी हैं. जानकारी हो कि विद्युत सब स्टेशन से सटी सरकारी जमीन पर करीब 35 बीड़ी मजदूरों के परिवार झुग्गी झोपड़ियां में रहते हैं. इनके लिए पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है. विधायक निधि से तीन माह पूर्व एक चापाकल की स्थापना हुई थी, वह भी खराब पड़ा है. पंप घर नंबर दो के पास पानी के लिए एक फ्री टेप लगा हुआ है. सुबह और शाम यहां पानी के लिए मजदूर परिवारों के पुरुष-महिलाएं और बच्चों की भीड़ लगी रहती है. पानी ढोकर करीब 200 मीटर दूर अपने घर ले जाते हैं. यह नल पिछले कई दिनों से टूट गया है. फव्वारे की तरह पानी बह रहा है.

दो हथिनी की मौत की जांच आज एसडीओ करेंगे

चाकुलिया। चाकुलिया में हाई वोल्टेज बिजली के तार की चपेट में आकर जख्मी हुई दो हथिनी की मौत के मामले की जांच सात नवंबर को घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) सत्यवीर रजक करेंगे. विदित हो कि नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 स्थित शेख पाड़ा से सटी एक राइस मिल के पीछे स्थित मिल के तालाब की मेढ़ पर 30 अक्टूबर की रात कई हाथी हाई वोल्टेज तार की चपेट में आकर जख्मी हो गए थे. इनमें से दो हथिनी ने 24 घंटे के अंदर दम तोड़ दिया था. घटनास्थल पर गठित जांच टीम के सचिव सह प्रभारी वन क्षेत्र पदाधिकारी दिग्विजय सिंह और सदस्य बहरागोड़ा के भ्रमणशील प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने विगत दिनों जांच की थी. प्रभारी वन क्षेत्र दिग्विजय सिंह ने बताया कि घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी सत्यवीर रजक सात नवंबर को घटनास्थल पर मामले की जांच करेंगे.

नियोजन की मांग, काम किया ठप

संवाददाता । बाघमारा

बीसीसीएल ब्लॉक दो क्षेत्र अंतर्गत 14 नंबर हाजिरी घर में हाजिरी बाबू (लिपिक) के पद पर कार्यरत कर्मी राजेश राम (उम्र 50 लगभग) की असमायिक मृत्यु पर उसके आश्रित को नियोजन व मुआवजा इत्यादि देने की मांग की. कर्मियों ने सोमवार के दिन श्रमिक प्रतिनिधियों के नेतृत्व में बीओसीपी में प्रथम पाली में करीब 4 घंटे तक काम -काज बाधित रखा.

कर्मियों के विरोध को देखते हुए लाल बंगला परियोजना पदाधिकारी के कार्यालय में श्रमिक प्रतिनिधियों की वार्ता हुई. वार्ता के उपरांत मृतक के आश्रित को नियोजन देने पर लिखित समझौता हुआ. वार्ता के तहत मृतक की पत्नी प्रवीना देवी के आग्रह पर उनके बड़े पुत्र सक्षम कुमार को तत्काल अस्थायी (औपबंधिक नियोजन) एकीकृत बीओसीपी माइन में प्रशिक्षु (सरफेस) देने पर सहमति बनी. कंपनी के नियमानुसार स्थायी नियोजन हेतु सभी आवश्यक प्रपत्र पूर्णरूपेण साठ दिनों के अंदर कार्यालय में प्रस्तुत करने होंगे. अन्य सभी देय राशियों का भुगतान नियमानुसार अविलंब कर दिया जाएगा.

खास बातें

- पहली पाली में 4 घंटे तक बाधित रखा काम-काज
- वार्ता के बाद मृतक के आश्रित को नियोजन देने पर समझौता

जानकारी के अनुसार रविवार के दिन प्रथम पाली में कार्य के उपरांत दुगदा स्थित अपने आवास लौटने के दौरान रास्ते में अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई. इसके बाद घरवाले ने उन्हें बोकारो जेनरल हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया. जहां इलाज के दौरान उनकी रात्रि 9 बजे के आसपास मृत्यु हो गई. वार्ता में श्रमिक प्रतिनिधि गोपाल मिश्रा, इंदल कुमार यादव, इंद्रासन यादव, विनय सच्चर, अखलेश नोनिया एवं प्रबंधन की ओर से पीओ के के सिंह एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

एसडीपीओ ने की समीक्षा, दिए निर्देश

तेनुघाट। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बशिष्ठ नारायण सिंह ने बेरमो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में मासिक अपराध गोष्ठी है. अनुमंडल अंतर्गत सभी पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे. अनुमंडल पुलिस पदाधिकार ने बताया कि सभी थाना प्रभारी को सख्त निर्देश दिया है कि सभी लंबित कांडों को यथाशीघ्र निष्पादित करें. आने वाले त्योहार दीपावली एवं छठ महापर्व को लेकर थाना, ओपी प्रभारी को कई दिशा-निर्देश दिए गए, महत्वपूर्ण छठ घाटों एवं भीड़-भाड़ वाले छठ घाटों पर विशेष रूप से निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है. पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की उपस्थिति में अतिरिक्त बल को तैनात किया जाएगा, ताकि किसी प्रकार का हादसा ना हो. साथ ही आगामी कार्तिक माह के पूर्णिमा में लुगुबुरु घंटा बाड़ी ललपनिया में लगने वाले राज्य स्तरीय मेला वरीय अधिकारी के दिशा-निर्देश के अनुसार कार्य किया जाएगा.

बैठक

झारखंड सरकार को अपनी मांगों से अवगत कराएंगी आंगनबाड़ी सेविकाएं

8 को बोकारो में धरना-प्रदर्शन में शामिल होने का निर्णय

संवाददाता। बेरमो

झारखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संयुक्त संयुक्त संघर्ष मोर्चा की बैठक गोमिया प्रखंड के आईईएल फुटबॉल मैदान में अनीता देवी की अध्यक्षता में हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि 8 नवंबर को बोकारो डीसी कार्यालय के समक्ष होने वाले धरना और प्रदर्शन में गोमिया प्रखंड से सभी आंगनबाड़ी सेविका भाग लेंगी. अनिता ने कहा कि धरना प्रदर्शन के माध्यम से झारखंड सरकार को अपनी मांगों के संदर्भ में अवगत कराया जाएगा. बैठक में शीला रानी, सरिता, जरीना, चंचला, खुर्सीदा, शेरुन निशा, सविता, सुनीता, दुलारी, मुक्ता सोरेन, सरिता, बैजंती, अनिता, रेणु, सचिव गंदौरी राम, रामप्रसाद, धनुष धारी, राथो, महेंद्र, हीरालाल, सहदेव सहित अन्य लोग शामिल थे.

क्या है मांग

- नियमावली अनुसार प्रत्येक वर्ष माह जुलाई से सेविका-सहायिका का मानदेय में वार्षिक वृद्धि को कड़ाई से लागू कराया जाए. गोद भराई, मुंह जूठी का बकाया राशि का भुगतान के लिए आवंटन निर्गत किया जाए. मोबाईल उपलब्ध कराया जाये एवं रीजार्च का बकाया सहित भुगतान किया जाए. पोषण ट्रेकर एप्प में मोबाईल नं. वेरिफाई के लिए लाभुक द्वारा ओटीपी देने में होने वाली कठिनाई को दूर किया जाये. मानदेय, पोषाहार का ससमय भुगतान कराया जाए एवं पोषाहार सामग्री का भुगतान बाजार दर के अनुसार किया जाए. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायादेश अनुसार आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका को पूर्ण रूपेण सरकारी कर्मचारी घोषित करते हुए मानदेय के स्थान पर वेतनमान दिया जाए एवं ग्रेच्यूटि का भुगतान किया जाए.
- सेविका-सहायिका को सेवा निवृत्ति उम्र सीमा 65 वर्ष करते हुए सेवा-निवृति के पश्चात पेंशन स्वीकृत किया जाए.
- बाल विकास परियोजना में कार्यरत संविदा / अनुबंध कर्मियों को न्यायालय आदेशानुसार नियमित किया जाए.

विरोध के बावजूद तीन दिनों से बंद वाशरी में काम प्रारंभ

संवाददाता। बाघमारा

बीसीसीएल ब्लॉक दो अंतर्गत न्यू मधुबन कोल वाशरी में नियोजन के सवाल पर सोमवार के दिन दो गुटों के बीच दिन भर तनातनी बनी रही. इसी बीच सीआईएसएफ की मौजूदगी में वाशरी डिवीजन के जीएम सौरव कुमार दत्ता के निर्देश पर प्रबंधन ने तीन दिनों से बंद पड़े वाशरी को चालू कर दिया. बताते हैं कि बाघमारा प्रखंड के खानुडीह ग्राम पंचायत के मुखिया पति गोपाल महतो, शंकर महतो एवं पिंकू पांडे के आग्रह पर पंचायत क्षेत्र के पांच बेरोजगारों को लिखित रूप से न्यू मधुबन वाशरी में मजदूर के रूप में रखा गया. जिसे दो दिन के उपरांत प्रबंधन ने हटा दिया. प्रबंधन की इस निर्णय पर एक गुट द्वारा वाशरी का काम -काज बंद करा दिया गया. जिसके बाद दूसरे गुट ने भी नियोजन के सवाल पर वाशरी में प्रदर्शन किया.

ब्रीफ खबरें

रेलवे ट्रैक से प्रेमी युगल का शव बरामद

पलामू। पलामू जिले के पड़वा थाना क्षेत्र स्थित कजरी रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक से युवक-युवती का शव बरामद हुआ है. प्रेमी युगल के शव को देखकर आशंका जतायी जा रही है कि दोनों ने आत्महत्या की है. युवक की पहचान चैनपुर थाना क्षेत्र स्थित चेड़ाबार के बब्लू सिंह के बेटे गुड्डु सिंह के रूप में हुई है. वहीं युवती की पहचान चैनपुर थाना क्षेत्र निवासी पुजा कुमारी के रूप में की गयी है. स्थानीय लोगों ने रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस को दी.

कदमा में हाइवा ने वृद्ध का पैर कुचला

जमशेदपुर। जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत जय प्रभा कॉप्लेक्स के पास सोमवार सुबह घर के बाहर टहल रहे 65 वर्षीय जोगिना करुआ को हाइवा ने टक्कर मार दिया. इस घटना में हाइवा का चक्का जोगिना के दोनों पैरों पर चढ़ गया. घटना के बाद चालक हाइवा छोड़कर मौके से फरार हो गया. इधर, स्थानीय लोगों ने घायल को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया. जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया गया. जोगिना की स्थिति गंभीर बताई जा रही है.

रिलेशनशिप मैनेजर ने की खुदकुशी

जमशेदपुर। उलीडीह थाना क्षेत्र निवासी 27 वर्षीय सिद्धार्थ राज ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना रविवार रात 10.30 बजे की है. सूचना मिलने पर परिजन उसे फंदे से उतारकर टीएमएच ले गए. वहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. सिद्धार्थ के पिता अशोक कुमार के बयान पर अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया गया है. परिजनों ने पुलिस को बताया कि सिद्धार्थ एचडीएफसी बैंक के साकची ब्रांच में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत थे.

स्कूटर में टंगा रुपयों से भरा बैग ले उड़े चोर

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत मानगो चौक के पास स्कूटर में टंगे रुपयों से भरा बैग चोर ले उड़े. घटना रविवार रात की है. इस संबंध में पीड़ित मानगो गुणमय कॉलोनी निवासी बैजनाथ अग्रवाल ने मानगो थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. बैजनाथ मानगो बाजार में आटा चक्की का व्यापार करते है. बैजनाथ ने पुलिस को बताया कि वे रविवार तार दुकान से 2.13 लाख रुपये एक बैग में लेकर घर की ओर निकले थे. इधर, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

पुलिस ने कामेश के घर पर इश्तेहार चिपकाया

लातेहार। अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने शहर के राजहार इलाके कामेश भुइयां पिता स्व लखन भुईया वर्तमान पता बानपुर लातेहार के घर में इश्तेहार चिपकाया है. सदर थाना प्रभारी आशुतोष कुमार ने बताया कि अगर कामेश भुईयों ने 30 दिनों के अंदर आत्मसमर्पण नहीं किया तो अदालत के आदेश पर उसके घर की कुर्की करायी जायेगी. पुलिस ने बताया कि कामेश भुइयां की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी हो रही है.

रिम्स में दहेज हत्या के आरोपी की मौत

रांची। देवघर जिला के मोहनपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला विचाराधीन कैदी कामदेव यादव की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई. बता दें कि 3 नवंबर को देवघर सदर अस्पताल के तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा पर उसे इलाज के लिए रिम्स लाया गया था. कैदी कामदेव दहेज हत्या के आरोप में जेल में बंद था. मौत के बाद शव की पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट की निगरानी में कराई जाएगी. बोर्ड का गठन कर पोस्टमार्टम करने की अनुशंसा देवघर केंद्रीय कारा के अधीक्षक ने रिम्स अधीक्षक से की है.

चोरी की 7 बाइक से साथ दो गिरफ्तार

धनबाद। मैथन पुलिस ने चोरी की सात बाइक के साथ दो बाइक चोर को गिरफ्तार किया है. इसकी जानकारी मैथन ओपी प्रभारी विकास यादव ने दी. उन्होंने बताया कि गलफरबाड़ी ओपी एवं एमपीएल ओपी पुलिस की सहयोग से मैथन ओपी क्षेत्र के मदनपुर गांव में छापेमारी की गई. जिसमें चोरी की 6 बाइक के साथ शेख अपाजुद्दीन को गिरफ्तार किया गया है. वहीं प्रदीप को भी चोरी की एक बाइक के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

साइबर अपराधियों का लोकेशन बताएगा प्रतिबिंब ऐप

सौरभ सिंह। रांची

देशभर में साइबर ठगी में उपयोग किये गये मोबाइल नंबर का जियोग्राफिकल लोकेशन प्रतिबिंब ऐप बताएगा. झारखंड पुलिस ने प्रतिबिंब नामक इस वेबसाइट को तैयार किया है. इसको लागू करने से वैसे सभी मोबाइल नंबरों की जियोग्राफिकल लोकेशन को देखा जा सकेगा, जो साइबर क्राइम में देश भर में उपयोग किये गये हैं. यह डेटा पूरे देश का भारत के नक्शे पर आएगा. जिससे किसी भी राज्य में अपराधियों द्वारा प्रयोग किये जा रहे मोबाइल नंबरों की फिजिकल या जियोग्राफिकल लोकेशन नजर आएगी.

साइबर अपराध मामले में झारखंड दूसरे और राजस्थान पहले स्थान पर

1432 मामले सिर्फ राजधानी रांची में दर्ज हुए हैं

साइबर अपराध के मामले में राजस्थान पहले स्थान पर है. वहीं झारखंड देशभर में दूसरे स्थान पर है. झारखंड में पिछले साढ़े चार सालों (साल 2019 से जुलाई 2023 तक) में साइबर अपराध के 5350 मामले सामने आए हैं. इसमें 1432 मामले सिर्फ राजधानी रांची में दर्ज हुए हैं. इसके अलावा धनबाद में 496, देवघर में 405, जमशेदपुर में 384 और हजारीबाग में 348 मामले दर्ज किये गये हैं.

झारखंड में साढ़े चार साल में साइबर अपराध के इतने मामले आये सामने

जिला	मामला	जिला	मामला
रांची	1432	दुमका	120
धनबाद	406	गोड्डा	115
देवघर	405	चतरा	105
जमशेदपुर	384	गुमला	92
हजारीबाग	348	साहिबगंज	91
जामताड़ा	345	चाईबासा	90
गिरिडीह	224	पाकुड	83
रामगढ़	177	गढ़वा	80
पलामू	170	कोडरमा	72
लातेहार	161	खूंटी	48
बोकारो	150	लोहरदगा	45
सरायकेला	154	सिमडेगा	44
		कुल	5350

किस राज्य में कितने मामले

राज्य	मामले (% में)
राजस्थान	23
झारखंड	16
बिहार	13
पश्चिम बंगाल	07
कर्नाटक	07
तमिलनाडु	06
मध्यप्रदेश	05
उत्तरप्रदेश	04
ओडिशा	04
हरियाणा	03
दिल्ली	02
अन्य राज्य	10

8 जिलों में साइबर क्राइम थाना का होगा गठन

झारखंड के आठ जिलों में साइबर क्राइम थाना का गठन होगा. इसमें बोकारो, रामगढ़, चाईबासा, रांची, लातेहार, हजारीबाग, दुमका और सरायकेला जिला शामिल हैं. अभी झारखंड के जामताड़ा, देवघर, गिरिडीह, धनबाद, जमशेदपुर और पलामू में साइबर क्राइम थाना कार्यरत है. बता दें कि साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए झारखंड पुलिस मुख्यालय ने गृह विभाग को अन्य जिलों में भी साइबर थानों के सृजन का प्रस्ताव भेजा था. इस प्रस्ताव पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद सहमति मिल गयी है.

आओ जानें

देश में सड़क दुर्घटना में मौत (2022)

हिमाचल प्रदेश	3003	महाराष्ट्र	58424
पंजाब	10445	तेलंगाना	13097
उत्तराखंड	1777	गोवा	596
मध्यप्रदेश	40510	आंध्रप्रदेश	16044
झारखंड	7369	कर्नाटक	25278
पश्चिम बंगाल	15698	लद्दाख	153
मेघालय	566	जम्मू कश्मीर	1386
मणिपुर	277	हरियाणा	15492
मिजोरम	232	दिल्ली	3185
त्रिपुरा	638	उत्तरप्रदेश	36521
दमन	274	सिक्किम	233
छत्तीसगढ़	17525	अरुणाचल प्रदेश	391
ओडिशा	19663	राजस्थान	23197

चांडिल : आसनबनी से ऑटो की चोरी

चांडिल। चांडिल थाना क्षेत्र के आसनबनी से रविवार की रात अज्ञात चोरों ने एक ऑटो की चोरी कर ली. ऑटो आसनबनी निवासी इंद्रजीत गोराई का बताया जा रहा है. टीसीआई पेट्रोल पंप के सामने इंद्रजीत गोराई की दुकान है. दुकान के सामने रोज रात को वह अपनी ऑटो रखता था. रविवार को भी रात में ऑटो रखकर सोने के लिए घर चला गया. सोमवार सुबह आकर देखा तो ऑटो गायब था. काफी खोज खबर लेने के बाद भी ऑटो के बारे में जानकारी नहीं मिली. इसके बाद उन्होंने चांडिल थाना में ऑटो चोरी होने की लिखित सूचना दी.

एसपी अनिमेष नैथानी ने प्रेस कांफ्रेंस कर किया खुलासा

गैंगरेप मामले में 3 गिरफ्तार पीड़िता ने की थी आत्महत्या

संवाददाता। जामताड़ा

एसपी अनिमेष नैथानी ने सोमवार प्रेस कांफ्रेंस कर बीते 28 अक्टूबर को गोलपहाड़ी गांव में हुए महिला की हत्या मामले का उद्भेदन किया. जिसमें यह खुलासा हुआ कि तीन दोस्तों ने मिलकर बारी-बारी से महिला लखी मरांडी के साथ शारीरिक संबंध बनाया. जिससे आहत होकर महिला ने पेड़ पर फंदे के सहारे झूलकर खुदकुशी कर ली. बताया कि घटनास्थल से मृतका का मोबाइल बरामद किया गया था. जिसके आधार पर तीनों युवकों से पूछताछ की गई. कहा कि पुलिस निरीक्षक सह जामताड़ा थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा के नेतृत्व में सात सदस्यीय छापेमारी दल का गठन किया गया था. रविवार को जामताड़ा सदर थाना अंतर्गत रानीडीह गांव से तीनों युवकों को गिरफ्तार किया गया.

गिरफ्तार युवकों में रानीडीह गांव निवासी प्रदुम मोहली, बुकरू मोहली व संतोष मोहली शामिल है. वहीं, गिरफ्तार युवकों के पास से एक अपाची बाइक भी जब्त किया गया है. इधर, गिरफ्तार युवकों ने पुलिस के समक्ष अपने स्वीकारोक्ति बयान में कहा कि 26 अक्टूबर को प्रदुम मोहली ने मृतका लखी मरांडी को गोलपहाड़ी मेला घुमाने की बात कहकर बुलाया था. उसके बाद उसने डरा-धमका कर उक्त महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाया. फिर पीड़ित महिला को अपने दोस्त बुकरू मोहली को सौंप दिया और उसके बाद उसने अपना मोबाइल स्वीच ऑफ कर लिया. इसके बाद बुकरू ने भी महिला को डरा-धमका कर शारीरिक संबंध बनाया. उसने अपने दोस्त संतोष को उक्त महिला को सौंप दिया और वह भी भाग निकला. फिर संतोष ने भी उक्त महिला के साथ डरा-धमकाकर शारीरिक संबंध बनाया.

उन्होंने बताया कि जामताड़ा सदर थाना अंतर्गत गोलपहाड़ी गांव से 28 अक्टूबर को पुलिस ने पेड़ पर फंदे के सहारे लटकती महिला का शव बरामद किया गया था. वहीं घटनास्थल से एक हैंड पर्स, सफेद दुपट्टा, मोबाइल को जब्त किया गया था. इस मामले में नारायणपुर थाना अंतर्गत बुधूडीह गांव निवासी दुलू मरांडी के शिकायत दर्ज करवाया था.

दो देसी कट्टे के साथ बदमाश गिरफ्तार, भेजा गया जेल

डुमरी (गिरिडीह)। डुमरी पुलिस ने भंडरो निवासी रामानंद विश्वकर्मा को दो देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने बताया कि 29 सितंबर 23 को भंडारो निवासी संदीप विश्वकर्मा के द्वारा आवेदन दिया गया था. जिसमें मारपीट करने एवं गोली चलाने का आरोप लगाया गया था. जिसपर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को हथियार के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

लेवी वसूलने के लिए बनाया था ब्लैक टाइगर ग्रुप, 6 गिरफ्तार

संवाददाता। खूंटी

पीएलएफआई उग्रवादियों ने लेवी वसूलने के लिए ब्लैक टाइगर ग्रुप बनाया था. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए रनिया थाना क्षेत्र से छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है. जिनमें पीएलएफआई कमांडर अमन खान उर्फ छोटू उर्फ ब्लैक टाइगर, मो. उमर, समीम मियां उर्फ मिंटु, वासिफ उद्दीन उर्फ वासीफ खान उर्फ रजा, गुरु प्रसाद महतो उर्फ भूषण उर्फ गुरु और सुनील कंडुलना शामिल है. इनके पास से पुलिस को .315 देशी राइफल, .315 बोर का जिंदा कारतूस दो पीस, 5.56 एमएम का 35 पीस जिंदा गोली, दस हजार नकद, पीएलएफआई पर्चा समेत कई अन्य सामान बरामद किया है.

तोरपा डीएसपी सोमवार को प्रेस कॉफ्रेंस करते हुए कहा कि गिरफ्तार कमांडर अमन खान अपने दस्ता सदस्यों के साथ मिलकर लेवी वसूलने के लिए नया ग्रुप ब्लैक टाइगर नाम से बनाया था. इलाके में लेवी वसूलने के लिए लोगों को दबाव भी बना रहा था. इतना ही नहीं, रनिया इलाके में बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था. इसी बीच पुलिस को सूचना मिली और कार्रवाई करते हुए खक्सी टोली होते हुए बनई सदान टोली के पास सभी को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया.

पीएलएफआई उग्रवादियों का नया कारनामा

घाघीडीह बाल सुधार गृह से तीन किशोर फरार

जमशेदपुर। जमशेदपुर के घाघीडीह स्थित बाल सुधार गृह से तीन किशोर फरार हो गए. घटना रविवार देर शाम की है. तीन किशोर के फरार होने की सूचना पर जेल प्रबंधन के बीच हड़कंप मच गया. इसकी सूचना परसुडीह पुलिस को दी गई. मामले में परसुडीह थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है. तीनों किशोर को मानगो पुलिस ने चोरी के आरोप में पकड़ा था. इसके बाद सभी को बाल सुधार गृह में रखा गया था. बताया जाता है कि जेल में रंगाई-पुताई का काम चल रहा है. इसी को लेकर जेल में बांस बल्ली का इस्तेमाल हो रहा है. रविवार को काम नहीं हुआ था. इसी का फायदा उठाकर तीनों किशोर बांस के सहारे सुधार गृह से फरार हो गए.

जन्मदिन मना कर लौट रही नानी की सड़क हादसे में मौत

नावाडीह। कोदवाडीह चंद्रपुरा मुख्य पथ पर स्थित असनातांड पेट्रोल पंप के समीप रविवार देर रात सड़क दुर्घटना हो गयी. इस हादसे में नतिनी का जन्मदिन मनाकर लौट रही नानी की मौत हो गयी. वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. सभी को धनबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. मृतिका की पहचान नावाडीह निवासी ढूंढिया देवी (54) के रूप में हुई है.

अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गयी कार

बताया जाता है कि ढूंढिया देवी अपने परिवार के साथ कार से अपनी बेटी के घर नतिनी का बर्थडे मनाने गयी थी. घर लौटने के दौरान असनातांड पेट्रोल पंप के पास कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी. इस घटना में ढूंढिया देवी की मौके पर ही मौत हो गयी. घटना स्थल पर नावाडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

जबरन बनाया शारीरिक संबंध, महिला बोली-

घुमाने के बहाने मंदिर ले जाकर की शादी

संवाददाता। रांची

एक महिला ने युवक पर घुमाने के बहाने मंदिर ले जाकर शादी करने व जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है. इसको लेकर पीड़िता ने लोअर बाजार थाना में आरोपी विक्की आर्या नामक के युवक के खिलाफ दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज करायी है. पीड़िता ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि पिछले साल दिसंबर में अपराधियों ने हरमू इलाके में उसे गोली मारी थी. इसलिए वह अपने पिता के साथ उनके घर में रह रही है. वह कुछ महीनों से तनाव में थी. उस दौरान पीड़िता के पिता के घर में विक्की आर्या अक्सर आया करता था. वह उसके परिवार के एक सदस्य का दोस्त है. उसने पीड़िता को कहा कि वह उसके साथ घूमने फिरने के लिए बाहर चले. इससे उसका तनाव दूर होगा. 23 अक्टूबर को विक्की आर्या पीड़िता को लेकर देउड़ी मंदिर गया. वहां पूजा करने के दौरान विक्की ने पीड़िता की मांग में सिंदूर लगा दिया. विक्की ने उससे कहा कि वह उसके साथ जीवन भर रहना चाहता है.

बीते 24 अक्टूबर को थड़पखना के घर में ले गया

पीड़िता के अनुसार, 24 अक्टूबर को विक्की उसको थड़पखना स्थित एक घर में ले गया. रात दो बजे विक्की ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया. पीड़िता इसका विरोध करती रही कि गोली लगने के कारण उसके पंजरे में काफी दर्द रहता है. इसके बाद भी विक्की ने कहा कि तुमसे मैंने शादी की है. अगर तुम्हारी तबीयत बिगड़ती है, तो वह मेरी जिम्मेवारी होगी. यह कह कर वह उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा. इसी दौरान पीड़िता की तबीयत बिगड़ गयी और अपने घर चली गयी. पीड़िता के अनुसार, विक्की आर्या ने उससे कहा है कि अब वह अपने घर वालों की पसंद से शादी करने जा रहा है. उसने उसको चरित्रहीन भी बता कर उसके साथ नहीं रहने की बात कर रहा है.

जिप सदस्य के पति के साथ मारपीट, 5 गिरफ्तार

गढ़वा। रंका के जिला परिषद दक्षिणी की सदस्य प्रमिला देवी के पति रतन कुमार सिंह को ढेंगुरा में रविवार रात गाड़ी रोककर मारपीट की गयी. मामले पर कार्रवाई करते हुए रंका पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि प्रमिला देवी के पति रतन कुमार सिंह से ढेंगुरा के कुछ लड़कों के साथ बातचीत के क्रम में विवाद हो गया. इसके बाद दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई. इसमें रतन सिंह का सिर फूट गया. इस संबंध में जिला पार्षद दक्षिणी प्रमिला देवी ने विश्रामपुर, ढेंगुरा कुदरूम के 15 लोगों पर प्राथमिक दर्ज कराई थी. पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

अरगोड़ा से अपहृत हुआ बच्चा बरामद

संवाददाता। रांची

राजधानी अरगोड़ा इलाके से बीते 23 अक्टूबर को अपहृत डेढ़ साल के बच्चे को पुलिस ने बरामद कर लिया है. बच्चे का अपहरण कर उसे बेच दिया गया था. पुलिस ने बच्चा खरीदने और बेचने वाले सहित कई महिलाओं एवं पुरुष को हिरासत में लिया है और गुप्त स्थानों पर पूछताछ कर रही है. हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. बताया जाता है कि बच्चे के खरीद फरोख्त में बड़ा रैकेट शामिल है. पुलिस इस रैकेट के अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है.

लालच देकर अपने साथ महिला व बच्चे को ले गये : जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के लीची बागान के पास रहने वाली मधु देवी को अपराधियों ने रांची के हरमू में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी द्वारा मकान और पैसे देने का लालच देकर बुलाया था. उसके बाद मां की गोद से ही अपराधियों ने उसके डेढ़ साल के बच्चे को छीना और फरार हो गये. बच्चे की मां ने अरगोड़ा थाना में शिकायत दर्ज करवायी थी. महिला ने पुलिस को बताया कि उसने शोर भी मचाते हुए अपराधियों का पीछा भी किया. मगर दोनों अपराधी बाइक से भाग निकले.

बिस्कुट खिलाने के बहाने गोद में उठा लिया

मधु देवी ने पुलिस को बताया था कि 23 अक्टूबर दोपहर में वह अपनी आठ वर्षीय बेटी और डेढ़ साल के बेटे रूद्र राज को हिनू आइलेक्स के पास एक ठेले से मोमो खिला रही थी. इसी दौरान एक बाइक पर महिला और पुरुष वहां पहुंचे और उन लोगों ने कहा कि धोनी हर गरीब को पांच हजार रुपये और एक मकान दे रहे हैं. महिला दोनों अपराधियों के झांसे में आ गयी और अपनी बेटी को ठेले के पास छोड़कर बेटे के साथ उस अपराधी की बाइक में बैठ गयी. हालांकि पुरुष के साथ जो महिला थी. वह वहीं पर रूक गयी. इस बीच अपराधी मधु को लेकर हरमू बिजली ऑफिस के पास पहुंचा. इसके बाद अपराधी ने मधु से कहा कि अभी मीटिंग चल रहा है यहीं पर रूको. अपराधी अपनी पत्नी को लाने की बात कहकर बाइक से चला गया. कुछ देर बाद अपराधी अपनी पत्नी के साथ मौके पर पहुंचा और बच्चे को एक बिस्कुट खरीद कर दिया.

शिकंजा ड्रग पैडलर डॉली परवीन पर फायरिंग मामले में किया खुलासा

ब्राउन शुगर के कारोबार पर अधिकार को लेकर मारी थी गोली

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती में रविवार की शाम हुई ड्रग पैडलर डॉली परवीन पर फायरिंग मामले में पुलिसिया अनुसंधान में जो बात सामने आई है उसमें पैसे और ब्राउन शुगर के कारोबार पर आधिपत्य को लेकर डॉली के सगे भाई मुजाहिदीन खान और भतीजा छोटा राजू और राजू के बहनोई ने ही गोली मारी है. पुलिस सभी आरोपियों के पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है. थाना प्रभारी राजन कुमार ने बताया कि मुस्लिम बस्ती को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है. तत्काल डॉली के फर्द बयान और बेटी निशा परवीन की लिखित शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है.

मुस्लिम बस्ती पुलिस छावनी में हुआ तब्दील

मुस्लिम बस्ती में 8 महिला पुलिस, 2 टाइगर मोबाइल के जवान और शिफ्टवार एएसआई की ड्यूटी लगाई गई है. वहीं थाना प्रभारी लगातार गश्त कर रहे हैं. फिलहाल डॉली परवीन की हालत स्थिर है. उसका इलाज रिम्स में चल रहा है.

खास बातें

- पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है
- मुस्लिम बस्ती में 8 महिला पुलिस व दो जवान तैनात हैं

इधर, आरोपी मुजाहिदीन और छोटा राजू की बीवी को पुलिस ने उठाया

आदित्यपुर। डॉली परवीन पर गोली चालन के आरोपी पर दबाव बनाने के लिए आदित्यपुर पुलिस ने आरोपी मुजाहिदीन खान की बीबी मुमताज और छोटा राजू की मां बेबी को आदित्यपुर पुलिस ने सोमवार की दोपहर उठाया है. पूछताछ में यह बात सामने आई है कि रविवार को मुजाहिदीन ने डॉली से डेढ़ लाख रुपये मांगा था, जिसे नहीं देने पर मुजाहिदीन ने गोली चला दी. पुलिस को यह बात भी मालूम चला है कि डॉली के बेटे की संपत्ति कपाली में है जिसे डॉली के देवर सद्दाम और कलीम कब्जा कर रखा है.

ट्रक व ट्रेलर की आमने-सामने भिड़ंत में चालक की हुई मौत

संवाददाता। जमशेदपुर

पोटका थाना अंतर्गत तुरी पेट्रोल पंप के समीप रविवार देर रात ट्रक व टेलर के बीच भीषण टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए, जबकि ट्रेलर चालक की मौके पर ही मौत हो गई. इस दुर्घटना में ट्रक का चालक भी बुरी तरह से घायल हो गया है, जिसका इलाज एमजीएम अस्पताल में चल रहा है. पुलिस ने मृत चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है.

मिली जानकारी के अनुसार खाली ट्रेलर हाता से टाटा की ओर जा रहा था जो विपरीत दिशा से आ रहे लोड ट्रक से जा टकराया. इस दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालक केबिन में ही फंस गए थे. मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से दोनों को भारी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया. अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने ट्रेलर चालक को मृत घोषित कर दिया. फिलहाल पुलिस मृत चालक के बारे में जानकारी जुटा रही है. पुलिस ट्रक के बारे में पता लगा रही है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पंचम चंद्र है. समय सामान्य है. कार्य सोच विचार कर करें. प्रेम में धोखा मिल सकता है. बदनामी भी हो सकता है. पर मन में आत्मविश्वास भरपूर रहेगा. परिवार में आपका प्रभाव अच्छा रहेगा. शिवमंदिर में फल का दान करें.

वृषभ माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. मानसिक शक्ति की कमी महसूस करेंगे. अपने कार्य को आत्मविश्वास के साथ करें, परंतु सावधानी भी रखें. किसी कार्य में एकाग्रता की कमी से गलती हो सकती है. झाड़ू का दान करें.

मिथुन भाई के साथ कोई कार्य आरंभ कर सकते हैं. कार्य का लाभ मिलेगा. आपका प्रभावपूर्ण वाणी रहेगी. धन के आगमन के योग हैं. मामा पक्ष से भी लाभ मिलने की संभावना है. लोगों के बीच लीडरशिप करने का मौका मिलेगा.

कर्क समय बहुत ही उपयुक्त है. धन आएगा. पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. अतिक्रोध से बचें. परिस्थिति अपने अनुकूल न होने पर भी संयम रखें. वाणी पर नियंत्रण रखें, विवाद की स्थिति बन सकती है. अन्न का दान करें.

सिंह मानसिक और शारीरिक सुख मिलेगा. कानूनी मामले सुलझने की संभावना है. बाहर की यात्रा का भी योग बनता है. अचानक से धन प्राप्ति के भी योग बनते हैं. शेयर बाजार से लाभ होगा. सूर्य को जल दें.

कन्या धार्मिक यात्रा हो सकता है. समय आनंददायक होगा. जिससे मन में दुख उत्पन्न होगा. पिता के द्वारा व्यापार में सहयोग प्राप्त हो सकता है. कार्यक्षेत्र में कुछ अस्थिरता के योग बनते हैं. वाणी में संयम रखें. धन अधिक खर्च होगा.

तुला कार्य के प्रति एकाग्रता बढ़ेगी. कार्य के प्रति गंभीरता में वृद्धि होगी. जीवनसाथी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. कोई बड़ा कार्य होगा. दिमाग अधिक सक्रिय रहेगा. संबंधी परेशानी हो सकती है. मिठाई दान करें.

वृश्चिक धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी. रोजगार के अवसर मिलेगा. माता का ध्यान अधिक रखेंगे. माता-पिता धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं. स्त्री जाति का कार्यक्षेत्र में पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. कार्य का लाभ मिलेगा. जल का दान करें.

धनु कार्य को लेकर तनाव में कमी होगी. आपके प्रभाव से धन की स्थिति और मजबूत होगी. धार्मिक यात्रा के योग बनते हैं. के विचारों से भिन्नता भी रहेगी, परंतु सामंजस्य बनाए रखें. अन्न का दान किसी अंगभंग भिखारी को करें.

मकर मौसमी बीमारियों से बचें. साथ ही त्वचा या श्वसन संबंधित रोग हो सकता है. अधिक क्रोध न करें. कानूनी कार्यों में रुकावट आ सकती है. कोई काम बहुत जल्दीबाजी में नही करें. सरबत का दान शिवमंदिर में करें.

कुंभ व्यपारिक स्थल में कोई षडयंत्र कर सकता है. कार्यक्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण यात्रा हो सकती है. संतान से संबंधित शुभ समय है. स्थायी संपत्ति से लाभ मिलेगा. धन की आय के अच्छे अवसर उपस्थित होंगे. शनि को खुश करें.

मीन मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. गुरु का आशीर्वाद आपको प्राप्त होगा. आपके द्वारा, संतान पर धन खर्च होगा. आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है. समय सामान्य है. मंदिर में फूल और मिठाई अर्पण करें.

छठ पूजा को लेकर सफाई अभियान शुरू

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र में दिवाली और छठ पूजा को लेकर नगर पंचायत प्रशासन द्वारा सफाई अभियान शुरू किया गया है. इसको लेकर नगर पंचायत के प्रशासक चंदन कुमार ने विशेष दिशा निर्देश जारी किया है. नगर पंचायत के सफाई कर्मी विभिन्न वार्डों में सफाई करने में जुटे हैं. सफाई कर्मियों द्वारा सड़कों के किनारे की नालियों को साफ किया जा रहा है. सड़क के किनारे जहां तहां बिखरे कचरे को भी साफ किया जा रहा है. सफाई अभियान नियमित रूप से जारी रहेगी.

अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष का निधन

बोकारो। बोकारो जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष व चास निवासी सीताराम रवानी (76 वर्षीय) का निधन रविवार को नीलम अस्पताल में हो गया. सीताराम रवानी के निधन पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. मौके पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल काउंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने बताया कि अधिवक्ता सीताराम रवानी को क्रिमिनल और सिविल मामले में अच्छी पकड़ थी. वे मूलतः बाघमारा प्रखंड धनबाद के रहने वाले थे. सीताराम रवानी 1977 से यानी करीब 46 वर्षों से वकालत की पेशा से जुड़े थे. वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र एवं एक पुत्री छोड़ गये हैं. सीताराम को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में अधिवक्ता दिनेश प्रसाद शर्मा, संजीत कुमार सिंह, मो हसनैन आलम, दीपिका सिंह, शंकर दे, संजय कुमार प्रसाद, फटिक चंद्र सिंह, रंजन कुमार मिश्रा, कमल कुमार सिन्हा, वंशिका सहाय, सुकमती हेसा, सुनील चांडक, धनजी चौधरी, विभा कुमारी और ज्योति प्रकाश चौधरी शामिल थे.

झारखंड माटी बोर्ड के प्रमंडलीय कार्यालय में बाबा झगरू के लिए श्रद्धांजलि सभा आयोजित

झारखंड आंदोलन के आधार स्तंभ थे झगरू : देव

संवाददाता । मेदिनीनगर

झारखंड माटी कला बोर्ड के प्रमंडलीय कार्यालय (मेदिनीनगर) में झारखंड कुम्हार समन्वय समिति (पलामू) के तत्वावधान में झारखंड आंदोलनकारी कृषि-गुरु स्वर्ण विजेता बाबा झगरू पंडित के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया. इस सभा में पलामू प्रमंडल के सैकड़ों लोग उपस्थित हुए. इस अवसर पर सभी ने झगरू बाबा की तस्वीर पर दीप-प्रज्ज्वलित कर फूलमाला चढ़ाया और एक मिनट का मौन रखा. सभा को संबोधित करते झामुमो के युवा नेता अविनाश देव कहा कि

झगरू पंडित झारखंड आंदोलन के आधार स्तंभ थे. झगरू बाबा जैसे अनगिनत गुमनाम आंदोलनकारियों को खोज कर उनकी जीवनी को पाठ्य-पुस्तक में जगह देने की जरुरत है, ताकि आने वाली नस्ल झारखंड के संघर्ष व समग्रता में व्यापक दृष्टि रख सके और शहीदों के सपनों के झारखंड बना सके. अविनाश देव ने आगे कहा कि पलामू जिला समिति ने बाबा के आदम कद प्रतिमा का निर्माण करवाया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन या गुरुजी जब समय देंगे, समिति प्रतिमा को स्थापित करने का कार्य करेगी. इस मौके पर झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ, पलामू के अध्यक्ष, सचिव एवं संघ के तमाम सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही और सबों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये.

जुटे लोग

- सभा में पलामू प्रमंडल के सैकड़ों लोग उपस्थित हुए
- झगरू बाबा की तस्वीर पर फूलमाला चढ़ायी गयी

झारखंड बनाने में बाबा की महती भूमिका रही

एकीकृत बिहार से अलग विस्तृत झारखंड राज्य की मांग वर्षों से उठते आयी थी. लंबी लड़ाई व सैकड़ों शहादत के बाद 15 नवंबर 2000 को अलग झारखंड राज्य बना. इस राज्य को बनाने में और दिशोम गुरुजी को इस मुकाम तक पहुंचाने में बाबा झगरू पंडित की महती भूमिका रही है. वे जीवन भर पार्टी से जुड़े रहे और झारखंड मुक्ति मोर्चा के सिपाही बनकर काम किया. उस इलाके का शायद ही कोई होगा, जो झगरू बाबा को नहीं जानता होगा और अदब से नाम नहीं लेता होगा. 04 नवंबर 2021 को झगरू बाबा 95 साल की उम्र में अपने पैतृक गांव जामताड़ा के पिपरासोल में अंतिम सांस ली.

ओरमांझी में आयोजित रुद्राभिषेक-भंडारा में उमड़ा जनसैलाब

चार हजार श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने झांकी प्रस्तुत की. रामटहल चौधरी और पंडित नीरज पांडे के साथ समिति के सदस्य.

संवाददाता । रांची

चुटूपालु युवा दस्तक ओरमांझी के अध्यक्ष आशीष साहू के नेतृत्व में ग्रामीणों के सहयोग से दुर्गा महादेव मंदिर ओरमांझी में सार्वजनिक रूद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया गया. पूजन कार्यक्रम बनारस से आए पंडित नीरज पांडे के ग्रुप द्वारा पूरे विधि-विधान के साथ किया गया. इसके बाद भंडारे प्रसाद का वितरण किया गया. जिसमें लगभग चार हजार लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया. वहीं रात्रि में भक्ति जागरण जुगल दरगड रांची टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया. अंकित कालिका एंड ग्रुप कानून से आए कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक झांकी प्रस्तुत की गई.

इसे देखने पहुंचे हजारों लोग देर रात तक ताली बजाते भक्ति भाव में झूमते रहे. इसमें महिलाओं और बच्चों के साथ युवाओं का जोश उफान पर था. वहीं इससे पूर्व भक्ति जागरण का शुभारंभ मुख्य अतिथि और पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, विशिष्ट अतिथि स्वामी दिव्यानंद महाराज, सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता, ओरमांझी पंचायत मुखिया दीपक बडाईक, पंसस ललिता देवी, उपमुखिया संतोष गुप्ता, वरिष्ठ समाजसेवी नन्दकिशोर साहू, संतोष कुशवाहा, पचानन्द ठाकुर, सतीश बड़ाईक और किशोर मेहता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

मौके पर रामटहल चौधरी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से लोगों में धर्म के प्रति जहां प्रेम बढ़ता है, वहीं समाज में कुछ अच्छा करने का प्रेरणा मिलता है. वहीं विशिष्ट अतिथि स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि अलग-अलग जातियों में बंट कर ना रहें, अपनी पहचान सनातन हिन्दू से रखे. कोई पीछे तो अब जाती ना बताओ, सभी हिन्दू बताओ. वहीं युवा दस्तक के अध्यक्ष आशीष साहू ने कहा कि हम सभी युवा का उद्देश्य सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना है. समाज में कुछ ग़लत कामों का विरोध करते हुए उसे सही राह पर लाने का कोशिश करना है. मातृ शक्ति का सम्मान करना पहली प्राथमिकता में है.

भक्त उत्साहित

- कार्यक्रम में पंडित नीरज पांडे के ग्रुप ने पूजा अर्चना की
- ऐसे आयोजन से प्रेम बढ़ता है : रामटहल चौधरी

इनका रहा योगदान

इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में युवा दस्तक के अध्यक्ष आशीष साहू, अमित कुशवाहा, अनुप कुशवाहा, शशि पांडेय, विजय महतो, विक्रम कुमार मेहता, अश्विनी साहू, अभिजीत चौरसिया, राहुल कुमार मेहता, अमन साहू, अंकित वर्मा, अनीश कुमार, आलोक मेहता, तेज कुमार, अभय महतो, ईश्वर महतो, राजगौरव तिवारी, आकाश ठाकुर, गणेश महतो, सिकन्दर महतो, अमित रंजन, प्रियासु साहू, गगन महतो, अनुप कुमार गुप्ता, अमर गुड्डू, नीरज पांडे और शशि मेहता का योगदान रहा.

उत्कर्ष 2023 कार्यक्रम का आयोजन 26 को

जमशेदपुर। केबुल मुखी बस्ती गोलमुरी के मुखी समाज की एक बैठक स्थानीय सामुदायिक विकास भवन में सचिव गुरुचरण मुखी की अध्यक्षता में हुई. बैठक में विभिन्न सामाजिक विषय पर चर्चा हुई. बैठक में इस वर्ष भी भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 26 नवंबर रविवार को गोलमुरी उत्कल समाज हॉल में उत्कर्ष 2023 का आयोजन करने का निर्णय लिया गया. इसके तहत समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बच्चों के लिए चित्रांकन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक प्रतिभागी निबंधन करा सकते हैं.

सारंडा में आदिवासियों का पारंपरिक पर्व दशहरा शुरू

संवाददाता । किरीबुरु

सारंडा के गांवों में 'हो' समुदाय के आदिवासियों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दशहरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है. छोटानागरा पंचायत के सुदूरवर्ती गांव राजाबेड़ा में दशहरा पर्व के दौरान आदिवासी समुदाय के लोग अपने विभिन्न आराध्य देवों का मुखौटा लगाकर पारंपरिक नृत्य करते नजर आये. सारंडा पीढ़ के मानकी लागुड़ा देवगम ने बताया कि दशहरा पर्व हम आदिवासियों का एक महत्वपूर्ण पर्व है. हम आदिवासी प्रकृति के पुजारी हैं. इस पर्व के दौरान हम प्रकृति से जुड़े पेड़-पौधे, नदी-नाला आदि की पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा करते हैं. पूजा के दौरान हम प्रकृति द्वारा दिये गये खाने-पीने की चीजों की भी पूजा कर उन्हें अर्पित करते हैं.

आदिवासी अपने खेतों में लगी नई फसल व सब्जियों जैसे धान का चूड़ा, कोंहड़ा, लौकी आदि अर्पित करते हैं. वहीं इन खाद्य पदार्थों को अर्पित करने के बाद ही ग्रामीण इसे खाने के रूप में इस्तेमाल करते हैं.

सुखवंत बने सिख नौजवान सभा के महासचिव

संवाददाता । जमशेदपुर

सिख नौजवान सभा मानगो यूनिट में भारी फेरबदल करते हुए जहां सुखवंत सिंह सुक्खू को सिख नौजवान सभा मानगो यूनिट का महासचिव बनाया गया जबकि जगजीत सिंह विंकल को कोषाध्यक्ष और हरप्रीत सिंह अमन को सचिव बनाया गया. इस संबंध में मानगो सिख नौजवान सभा के प्रधान जगदीप सिंह गोल्डी ने बताया कि सभा की एक बैठक सोमवार को रखी गयी थी जिसमे नगरकीर्तन की सेवा को लेकर काफी विचार विमर्श हुआ साथ ही सभा में फेरबदल को लेकर भी चर्चा हुई. जगदीप ने बताया कि प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी को मुख्य सलाहकार बनाया गया है. नयी कमेटी में गुरबचन सिंह-चेयरमैन,

बैठक में उपस्थित सिख नौजवान सभा के सदस्य

जगदीप सिंह-प्रधान, महासचिव-सुखवंत सिंह सुक्खू, साहेबपाल सिंह एवं गुरपाल सिंह-मीत प्रधान, हरप्रीत सिंह अमन-सचिव, जगजीत सिंह विंकल-कोषाध्यक्ष, अमरिंदर सिंह रोशा-ऑडिटर, हरविंदर सिंह जमशेदपुरी-मुख्य सलाहकार, मनप्रीत सिंह मन्नी एवं प्रभजोत सिंह-सीनियर मीत प्रधान, हरपाल सिंह संधू, गुरविंदर सिंह, शेरा सिंह धामी, रविंदर सिंह प्रिंस, हीरा सिंह, बलविंदर सिंह बब्बू, रवि सिंह, गुरमीत सिंह, मनप्रीत सिंह-सलाहकार नियुक्त किये गए है.

आदिम जनजाति विकास संघ के अध्यक्ष बने छलर पहाड़िया

संवाददाता । चांडिल

आदिम जनजातियों की समस्याओं को विभिन्न मंचों पर बुलंदी के साथ उठाने के लिए गठित आदिम जनजाति विकास संघ का पुनर्गठन किया गया. इसको लेकर चांडिल प्रखंड क्षेत्र के कोड़ाबुरू स्थित क्लब भवन में आदिम जनजाति समाज की बैठक की गई. बैठक में कोड़ाबुरू, गुंगुकोचा, लापाईबेड़ा, डुंगरीडीह, झीककोचा, तिरूलडीह, पासानडीह, डाहीकोचा, कदमबेड़ा आदि गांवों के आदिम जनजाति समुदाय के लोग शामिल हुए. मौके पर आदिम जनजाति की सामाजिक उत्थान, समाज में फैले कुरीति को हटाने और आदिम जनजाति समुदाय के शैक्षणिक स्तर को बढ़ाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया. बैठक के बाद आदिम जनजाति विकास संघ का पुनर्गठन किया गया.

लखन पहाड़िया बने उपाध्यक्ष: पुनर्गठित संघ में छलर पहाड़िया को अध्यक्ष, लखन पहाड़िया को उपाध्यक्ष, हासु पहाड़िया को सचिव, लाबिन पहाड़िया को उप सचिव, बुका पहाड़िया को कोषाध्यक्ष व मुन्ना पहाड़िया को सह कोषाध्यक्ष चुना गया. आदिम जनजाति विकास संघ का पुनर्गठन कर अपने हक और अधिकार के लिए संगठित रहने का प्रण लिया गया. मौके पर आदिवासी समन्वय समिति चांडिल अनुमंडल के संस्थापक और अध्यक्ष प्रकाश मार्डी ने आदिम जनजाति के उक्त संगठन को पुनर्गठन कराने में मदद की. उन्होंने बताया कि संघ का गठन 22 नवंबर 1996 को किया गया था, जिसका उद्देश्य अपने हक व अधिकार लेने के साथ सभी को संगठित रखना है. संघ के माध्यम से आने वाले दिनों में आदिम जनजाति समुदायों को एक सूत्र में एकजुट रखने की कोशिश की जाएगी.

'इंदिरा गांधी का कदम न्यायपूर्ण था'

संवाददाता । गोविंदपुर

राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन के संस्थापक देश के प्रसिद्ध चिंतक केएन गोविंदाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मजबूत नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया था. लेकिन देश में आपातकाल लगाकर उन्होंने अति कर दी थी. उनके सलाहकारों ने उन्हें गुमराह कर दिया था. इंदिरा और जयप्रकाश नारायण में सुलह के लिए चंद्रशेखर तन- मन से लगे हुए थे.

वह कभी इंदिरा के आवास जाते थे तो कभी जयप्रकाश नारायण के. लेकिन सलाहकारों के कारण इंदिरा गांधी का रुख अड़ियल रहा और तालमेल नहीं हो पाया. वह चाहती तो जेपी से सीधी बात कर सकती थी. उस स्थिति में देश में आपात ही नहीं

लगता. इंदिरा गांधी को गलतफहमी हो गई थी कि जेपी विदेशी ताकतों के इशारे पर नाच रहे हैं, जबकि हकीकत ऐसी नहीं थी. उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने जब पाकिस्तान का विभाजन कराकर बांग्लादेश का उदय कराया था तो देशभर में उनकी जय जयकार हुई थी. उनका यह कदम न्यायपूर्ण था. परंतु आपातकाल लगाकर उन्होंने अपनी छवि मटियामेट करा ली थी. उन्होंने कहा कि आज देश की आर्थिक स्थिति पर गंभीरता से विचार करना होगा और संपूर्ण गोवंश हत्या बंदी का कानून लाना होगा.

गोविंदाचार्य ने कहा कि काम करने का तरीका अलग-अलग हो सकता है परंतु अटल आडवाणी और मोदी अमित शाह की कार्यशैली में कोई खास फर्क नहीं है.

पत्रकार वेंकटेश्वर राव की मां पंचतत्व में विलीन

घाटशिला। धालभूमगढ़ के पत्रकार वेंकटेश्वर राव एवं संतोष राव की माता सीएच ललिता राव (73) का सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गई. उनका अंतिम संस्कार बांसकाटिया घाट पर किया गया. ज्ञात हो कि रविवार को उनका निधन जमशेदपुर के ब्रह्मानंद अस्पताल में हृदय गति रुक जाने से हो गया था. निधन की सूचना मिलने पर काफी संख्या में आम से खास लोगों आम से खास लोगों ने उनके धालभूमगढ़ रेलवे स्टेशन स्थित आवास पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. पूर्व जिप सदस्य आरती सामाद, मुखिया विलासी सिंह, पंसस दीपक महतो, सांसद प्रतिनिधि विश्वनाथ बेहरा समेत कई सरकारी कर्मियों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए. इस दुख समाचार के मिलते ही विधायक रामदास सोरेन वेंकटेश्वर राव क घर पहुंचे.

इतिहास | आदिवासी भूमिज मुंडा चुआड़ सेना के पदाधिकारी ने पूजा कर लिया आशीर्वाद

चुआड़ सेना के पदाधिकारियों ने किया पावड़ी थान का दर्शन

संवाददाता । चांडिल

आदिवासी भूमिज मुंडा चुआड सेना झारखंड प्रदेश के पदाधिकारी, घाटशिला स्थित दामपाड़ा गढ़ के कान्हीमूली भैरव थान / पावडी थान का दौरा किया. इस दौरान पदाधिकारियों ने भैरव थान - पावड़ी थान में विधिवत पूजा-पाठ कर आशीर्वाद लिया. मौके पर सेना के पदाधिकारियों ने चुआड़ विद्रोह के गौरवशाली इतिहास 1767-1834 में शहीद हुए वीर शहीद के मार्ग पर चलने का प्रण भी लिए. इसकी जानकारी देते हुए माणिक सिंह सरदार ने बताया कि शहीदों का स्मरण हमारे बीच ऊर्जा का संचार करता है. दामपाड़ा जैसे धाम का

दर्शन करना भी अपने अंदर जोश भरना जैसा है. उन्होंने कहा कि स्वर्ण अक्षरों लिखे जाने वाले चुआड विद्रोह के गौरवशाली इतिहास को बचाना हम सभी का दायित्व है.

लिया आशीर्वाद

- पदाधिकारियों ने शहीद के मार्ग पर चलने का प्रण लिया
- शहीदों का स्मरण हमारे बीच ऊर्जा का संचार करता है

दामपाड़ा से ही जली थी चिंगारी

माणिक सिंह सरदार ने बताया कि दामपाड़ा मालीगढ भैरव थान - पावड़ी थान में चुआड़ विद्रोह के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद जगन्नाथ सिंह पातर, इनके बाद वैधनाथ सिंह व रघुनाथ सिंह तीन पीढ़ी पूजा-पाठ करते हुए अंग्रेजों से लोहा लिया था. 1767-1834 तक जंगल महल क्षेत्र में लगभग अलग-अलग समय काल में अंग्रेजों के विरुद्ध चुआड विद्रोह की लड़ाई लड़ी गई थी. ज्ञान हो की ईस्ट इंडिया कंपनी की धालभूमगढ़ के रास्ते वर्तमान झारखंड में प्रवेश किया था. जहां लगभग 100 सालों से अधिक तक भीषण युद्ध ब्रिटिश के खिलाफ स्थानीय खूंटकट्टीदार जमीनदार आदिवासी भूमिज समाज के वीर शहीद लोग लड़े थे और भारत को आजाद करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दिए थे.

चैंबर के दीपावली ट्रेड फेयर का एसएसपी ने किया उद्घाटन

संवाददाता । जमशेदपुर

सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय दीपावली ट्रेड फेयर का उद्घाटन सोमवार को एसएसपी किशोर कौशल में फीता काट कर किया. इस संबंध में चैंबर अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने बताया कि इस बार का दीपावली ट्रेड फेयर बड़े रूप में चैंबर भवन में आयोजित किया गया है.

ट्रेड फेयर का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों, महिला उद्यमिता एवं स्थानीय व्यवसाय को बढ़ावा देना है. यह दो दिवसीय मेला सुबह 11.00 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक चलेगा. इस बार मेले के दौरान त्रिनेत्रम हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डाक्टर विवेक

फीता काट कर मेले का उद्घाटन करते एसएसपी.

केडिया एवं उनकी टीम के द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच भी किया जायेगा. ट्रेड फेयर में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है. इस अवसर पर मानद महासचिव मानव केडिया उपाध्यक्ष अनिल मोदी, अधिवक्ता राजीव अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, पुनीत कांवटिया, सचिव भरत मकानी, अधिवक्ता अंशुल रिंगसिया, विनोद शर्मा, सुरेश शर्मा लिपु एवं कोषाध्यक्ष सीए अनिल रिंगसिया, सुमन नागेलिया सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- लक्ष्मण जी मूर्छित हुए तो, हनुमान जी कौन सा पर्वत उठा लाए थे – द्रोणगिरी
- भीष्म पितामह का मूल नाम क्या था – देवव्रत
- वानर राज सुग्रीव की पत्नी का क्या नाम था – रूमा
- उर्मिला के माता पिता का नाम क्या था –
- ताड़का, राक्षसी होने से पूर्व क्या थी – यक्षणी
- महर्षि वेदव्यास के माता का नाम क्या था – सत्यवती
- उर्मिला और लक्ष्मण के पुत्र का क्या नाम था – अंगद और धर्मकेतु
- मंदोदरी के प्रथम पुत्र का नाम क्या था – नरांतक
- रावण के सेनापति का नाम क्या था – प्रहस्त्र
- महारानी कुंती के कितने पुत्र थे – 4

झामुमो-कांग्रेस और भाजपा के तीखे बयान दे रहे चुनावी आहट के संकेत

झामुमो, कांग्रेस और भाजपा चुनावी तैयारियों में जुट गई हैं. पूरे अक्टूबर माह में झामुमो-कांग्रेस के निशाने पर भाजपा रही, तो भाजपा झामुमो-कांग्रेस पर हमले करती रही. तीनों पार्टियों के प्रमुख नेताओं के वाकयुद्ध से तो ऐसी ही लगा कि अभी से ही उनमें चुनावी जंग छिड़ गयी है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी राज्य भर में संकल्प यात्रा निकाल कर यह जताने की कोशिश की कि भाजपा ही जनता की सबसे हितैषी पार्टी है. उन्होंने राज्य भर में घूम -घूम कर न सिर्फ झामुमो और कांग्रेस की बखिया उधेड़ी, बल्कि भाजपा को फिर से सत्ता में आने पर राज्यवासियों के अधूरे सपने पूरा करने का वादा भी कर डाला. भाजपा में विधायक अमर बाउरी का कद ऊंचा हुआ और वे भी अपने बयानों से हेमंत सरकार पर हमले कर चुनावी रंग में रंगे दिखे. उधर झामुमो- कांग्रेस ने भाजपा पर जम कर हमला बोला.सीएम हेमंत विकास योजनाएं और लोकहितकारी कार्य शुरू कर बता दिया कि विकास करना ही उनकी प्राथमिकता है. उन्होंने राज्य का बकाया पैसा भी मांगा. वहीं, झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य भाजपा पर हमलावर रहे. कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर और डॉ. रामेश्वर उरांव ने भाजपा पर निशाना साधा. उसके कार्यक्रमों को कोसते रहे. आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को भाजपा चुनावी हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है...

संकल्प यात्रा के दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल घूम-घूम कर हेमंत पर निशाना साधते रहे

झूठ का चोला पहनकर आदिवासियों के लिए सिर्फ खोखले वादे ही करते रहे हैं मुख्यमंत्री

सत्य शरण मिश्रा

अक्टूबर में भाजपा प्रदेश की हेमंत सरकार पर हमलावर रही. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी अपनी संकल्प यात्रा के दौरान पूरे महीने राज्य के अलग- अलग इलाकों में घूमते रहे और गांव-गांव जाकर हेमंत सरकार पर निशाना साधते रहे. उनकी हर सभा में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनका परिवार निशाने पर रहा. उधर केंद्रीय नेतृत्व ने चंदनकियारी से पार्टी के विधायक अमर बाउरी को पार्टी विधायक दल का नेता बना दिया. विधानसभा में भी उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिल गया. बाउरी भी दलित और पिछड़ों के मुद्दों को लेकर लगातार सरकार को घेरने की कोशिश करते रहे. अक्टूबर में भाजपा नेताओं के 24 बड़े बयान, बाबूलाल और अमर बाउरी ने क्या-क्या कहा...

बाबूलाल मरांडी ने अक्टूबर में क्या-क्या कहा

31 अक्टूबर

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था कैसी है, इससे अब कोई भी अछूता नहीं बचा. हर दिन हेमंत सरकार की लापरवाही से कई जाने जा रही हैं. कभी ऑक्सीजन की कमी से, कभी दवाइयों की कमी से, तो कभी बिस्तर की कमी से.

30 अक्टूबर

झारखंड में निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का धोखा दे देना सूचना नहीं, बल्कि हेमंत सरकार की हकीकत है. सूचना यह है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड में एंबुलेंस संचालन एजेंसी को टेंडर दिलाने में स्वास्थ्य मंत्री से भी ज्यादा दिलचस्पी दिखाई है.

28 अक्टूबर

संकल्प यात्रा के समापन के साथ हेमंत सरकार के पतन की शुरुआत हो चुकी है. प्रदेश के मुख्यमंत्री ने झूठ का चोला पहनकर आदिवासियों के लिए सिर्फ खोखले वादे किए हैं. झारखंड के लाखों प्रतिभावान युवाओं के भविष्य के साथ सीएम ने खिलवाड़ किया है.

27 अक्टूबर

कांग्रेस, झामुमो, राजद सहित सभी विपक्षी दल दिनरात एक किए हुए हैं कि 2024 में मोदी को प्रधानमंत्री बनने से रोकना है, लेकिन इन्हें नहीं पता कि जनता लुटेरों का साथ नहीं देती. आदिवासियों की जमीन लूटने वाले शिबू सोरेन परिवार, चारा लूटने वाले लालू परिवार और देश लूटने वाले गांधी परिवार की बुनियाद में जनता जमानत जब्त कराएगी.

26 अक्टूबर

झूठ बोलने की आदत से मजबूर मुख्यमंत्री कहते हैं कि उनके शासन में माॅब लिंचिंग की एक भी घटना झारखंड में नहीं हुई, जबकि उनके जिले में ही आदिवासी युवक की सरेराह हत्या कर दी गयी है. हेमंत जी सिर्फ अपने घोटालों को छिपाने के लिए आदिवासी समाज को ढाल मत बनाइए. उनकी सुरक्षा करिए, अपनी जिम्मेदारियों को समझिए.

23 अक्टूबर

झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स को सीएम और स्वास्थ्य मंत्री बना गुत्ता ने काली कमाई का जरिया बना लिया है. गरीब, लाचार, असहाय मरीजों का 12 हजार रुपये का स्टेंट 1 लाख रुपये में मिल रहा है ,नए- नए हथकंडे अपना कर मरीजों की बेबसी का फायदा उठाकर उन्हें लूटा जा रहा है.

21 अक्टूबर

झारखंड में शैक्षणिक सत्र शुरू हुए चार महीने से अधिक हो गए, इसके बावजूद राज्य के सरकारी स्कूलों में लगभग 35 लाख में से 24 लाख विद्यार्थियों को अब तक पोशाक और स्वेटर नहीं मिली है. सभी जिलों की मिलाकर आवंटित 209 करोड़ रुपये में से अब तक मात्र 33% ही खर्च किए गए हैं, बाकी खर्च सरकार अपने और अपने साथियों की पोशाक में कर रही है.

17 अक्टूबर

कांग्रेस- झामुमो सरकार ने झारखंड के दलित, आदिवासियों की दुर्गति कर रखी है. गिरिडीह जिले के जमुआ में जमीन माफियाओं ने दलितों की लगभग 11 एकड़ जमीन हड़प ली है, पिछले एक महीने से पीड़ित परिवार उपायुक्त कार्यालय के सामने धरने पर बैठा है, लेकिन कोई भी प्रशासनिक अधिकारी उनकी सुध तक लेने नहीं पहुंचा है.

16 अक्टूबर

यह जानकर खुशी हुई कि हेमंत सोरेन सरकार ने टेंडर फीस और ईएमडी के भुगतान की ऑफलाइन प्रक्रिया को पूरी तरह बंद कर इसे ऑनलाइन कर दिया है. दरअसल टेंडर की प्रक्रिया में मनमानी, गुंडागर्दी और मैनेज कर लेने की सबसे बड़ी वजह यही आफलाइन के कारण बनी हुई थी. उम्मीद है कि इससे टेंडर घोटाले पर अंकुश लगेगा.

14 अक्टूबर

झारखंड का स्वास्थ्य विभाग मृतप्राय हो चुका है. जमशेदपुर में लगातार 33 बार फोन करने के बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची, जिस कारण दो गरीब महिलाएं जिंदगी की जंग हार गयीं. सीएम ने महज कुछ करोड़ रुपये कमीशन के चलते पहले से एंबुलेंस का संचालन कर रही कंपनी को टर्मिनेट कर नई कंपनी को एंबुलेंस सेवा के लिए अनुबंधित किया, लेकिन यह कुछ करोड़ रुपये ही झारखंड की गरीब जनता के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं.

12 अक्टूबर

झामुमो, कांग्रेस और राजद के ठगबंधन ने झारखंड का बंटाधार कर दिया है. इन पार्टियों के अतीत को देखिए, राजद नेता लालू प्रसाद सजायाफ्ता हैं, कांग्रेस के सैकड़ों नेता जमानत पर हैं और झामुमो के काले कारनामों से तो झारखंड का जन-जन वाकिफ है, जनता सब कुछ जानती है, वह सरकार के सारे कारनामों को देख रही है, अगले चुनाव में वह इसका जवाब देगी.

10 अक्टूबर

आज जो आप विकास का काम देख रहे हैं, वह झारखंड में एनडीए सरकार की देन है. अगर एनडीए की सरकार नहीं बनी होती, तो शायद यह विकास नहीं होता, क्योंकि न तो कांग्रेस ने विकास किया, न राजद ने और झामुमो का तो विकास से कोई मतलब ही नहीं है. ये लोग तो सिर्फ अपनी झोली भरने में लगे रहते हैं. आगे यह झामुमो की सरकार और क्या करेगी कहना मुश्किल है.

9 अक्टूबर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुलिस को वसूली करने का निर्देश दे रखा है. जो मुख्यमंत्री तक पैसा नहीं पहुंचाता है, उसका ट्रांसफर कर दिया जाता है. ऐसी ही स्थिति लगभग सभी सरकारी विभागों की है. इससे समझा जा सकता है कि हेमंत सरकार के राज्य में विभागों का क्या हाल है. बिना पैसे का कुछ काम नहीं होता है. जनता बेहाल और परेशान है.

8 अक्टूबर

मीडिया को दिग्भ्रमित करने और झूठ बोलने में मुख्यमंत्री पारंगत हैं. वे बोलते हैं कि झारखंड में आदिवासियों की जमीन की खरीद- बिक्री नहीं होती है, तो फिर बताइये सीएम और उनके परिवार के नाम जो जमीन के 108 डीड हैं, क्या वे क्या फर्जी हैं. समय आने पर सब पता चल जाएगा. सच्चाई ज्यादा छिपी नहीं रहती है. एक दिन सब पूरी तरह सामने आ ही जाएगा.

7 अक्टूबर

केंद्र सरकार दिल्ली से गरीबों के लिए पैसा भेज रही है. अनाज भेज रही है. लेकिन हेमंत सरकार के मंत्री और अधिकारी कमीशनखोरी कर गरीबों का हक भी गबन कर ले रहे हैं. भाजपा गरीबों की हकमारी बर्दाश्त नहीं करेगी. राज्य में भाजपा सरकार बनते ही हेमंत सरकार के जितने भी नुमाइंदे भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, सबको चिह्नित कर सलाखों के पीछे डाला जाएगा.

6 अक्टूबर

जमीन घोटाले में ईडी के समन हेमंत सोरेन के सारे हथकंडे फेल होते जा रहे हैं. ऐसे में उन्हें सिर्फ एक ही रास्ता नजर आ रहा है, वह है आदिवासी होने का """विक्टिम कार्ड""". इसे लेकर ही घूम रहे हैं. आखिर कब तक इस कार्ड से वह अपना बचाव कर पाएंगे. यह सब जनता देख रही है. आगामी चुनाव में जनता इस सरकार के हर कारनामे का जबाव देगी.

5 अक्टूबर

झारखंड के तमाम सरकारी कर्मचारी-अधिकारी और पुलिसवाले भी इस वसूली सरकार से तंग आ चुके हैं. इनको पैसा पहुंचाते-पहुंचाते परेशान हैं. हर महीने-दो महीने पर ट्रांसफर-पोस्टिंग की लिस्ट आ जाती है. ऊपर वाले का पेट ही नहीं भर रहा. अधिकारियों के बीच चर्चा है कि इनको भारत का टकसाल भी लाकर दे दो, तो भी पेट नहीं भरेगा.

4 अक्टूबर

जब मैं झारखंड का मुख्यमंत्री था, तो यहां के सारे बालू घाट """मुफ्त""" में संचालित होते थे. जनता अपनी आवश्यकता के अनुसार बालू उठाकर ले जाया करती थी. ऊपर कोई पुलिसिया कार्रवाई नहीं की जाती थी. मेरे द्वारा बनाई गई यह व्यवस्था 2013 तक सुचारू रूप से चली, जैसे ही हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने, मुंबई के ठेकेदारों ने झारखंड के बालू घाटों पर कब्जा कर लिया.

हेमंत विकास की राह चले, सुप्रियो भाजपा पर बरसे

जानिए सीएम ने कौन-कौन सी योजनाएं शुरू कीं और सुप्रियो ने क्या-क्या कहा...

अक्टूबर में झामुमो बाबूलाल मरांडी और भाजपा पर हमलावर रहा. झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अबुआ आवास योजना शुरू करने की घोषणा की. आंदोलनकारियों को सम्मान देने और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई. वहीं उन्होंने सरकारी विभागों में नौकरी की लिए नियुक्ति पत्र का भी वितरण किया. केंद्र से खनन कंपनियों पर बकाया एक लाख छत्तीस हजार करोड़ रुपये रुप मांगे. दूसरी ओर झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को निशाने पर लेते रहे.

- **31 अक्टूबर**– झारखंड आंदोलनकारियों का राज्य है. हमारे आंदोलनकारी पूर्वजों की लम्बी लड़ाई और संघर्ष के बाद झारखंड राज्य का उदय हो पाया है. पूर्ववर्ती सरकारों ने हमारे आंदोलनकारियों को इधर-उधर भटकने को मजबूर किया है. हमारी सरकार जल्द अलग झारखंड की लड़ाई लड़ने वाले आंदोलनकारियों के समस्याओं का हल करने का कार्य करेगी.
- **30 अक्टूबर**– सभी गरीबों और जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार वचनबद्ध है. इसी कड़ी में सरकार में यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लागू किया है. इस योजना के तहत सभी बुजुर्ग, विधवा, परित्यक्ता और दिव्यांगों को पेंशन दी जा रही है. अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं कि कोई भी योग्य पात्र इस योजना से वंचित न रहे.
- **19 अक्टूबर**– झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत बेहतर नहीं रही है, लेकिन हमारी सरकार गठन के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में लगातार काम हो रहा है. सरकारी अस्पतालों में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है, जांच और इलाज की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं. राज्यवासियों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है.
- **18 अक्टूबर**– राज्य के मकान विहीन गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए अबुआ आवास योजना शुरू होगा. विभिन्न चरणों में 8 लाख पक्के मकान बनाये जाएंगे. रोटी और कपड़ा के बाद अब आवास उपलब्ध होगा.
- **17 अक्टूबर**– राज्य में संचालित 108 एंबुलेंस सेवा को लेकर निरंतर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं. विभाग राज्य के भीतर 108 एंबुलेंस सेवा को 15 नवंबर 2023 तक हर हाल में सुधार करना कड़ी कार्रवाई होगी. मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना और आयुष्मान भारत योजना का लाभ राज्य की जनता को वास्तविक और पूर्ण रूप से मिले यह भी सुनिश्चित करें.
- **16 अक्टूबर**– राज्य में बड़े पैमाने पर नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है. कई विभागों में नियुक्तियां हो चुकी हैं, तो कई पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है. झारखंड अलग राज्य गठन के दो दशक से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन कभी नियुक्ति नियमावली नहीं बन सकी. इस वजह से पहले जो भी नियुक्तियां हुई, वह विवादों के घेरे में आती रही. हमारी सरकार पहली बार नियुक्ति नियमावली बनाकर विभिन्न विभागों में खाली पदों पर नियुक्तियां कर रही है.
- **14 अक्टूबर**– हमारे वीरों ने झारखंड अलग राज्य के आंदोलन और आदिवासी- मूलवासी तथा जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए लंबा संघर्ष किया. अब हमारा दायित्व बनता है कि इन शहीदों के सपनों के अनुरूप झारखंड को संवारे. यहां के लोगों को पूरे मान-सम्मान के साथ उनका हक और अधिकार दे.
- **12 अक्टूबर**– झारखंड में जल्द ही पंचायत स्तर पर सिदो-कान्हू युवा खेल दलब की शुरुआत होगी. हमारी सरकार खिलाड़ियों के भविष्य की चिंता कर रही है. खिलाड़ियों के प्रयास को यूं ही जाया नहीं होने देंगे. सरकार का उद्देश्य यही है कि देश का कोई भी खेल बिना झारखंड के खिलाड़ियों के पूरा न हो.
- **9 अक्टूबर**– आने वाले दिनों में गंगा नदी का पानी भी पाइपलाइन के जरिए खेतों तक पहुंचाएंगे. सरकार लोगों की भावनाओं, उम्मीदों और जरूरतों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बना रही है. सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित है. सभी योजनाएं समय पर पूरी हों यह सरकार की प्राथमिकता है.
- **6 अक्टूबर**– राज्य सरकार का भारत सरकार के खनन कंपनियों पर करीब एक लाख छत्तीस हजार करोड़ रुपये बकाया है, जिसे उनके द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है. केंद्र सरकार यह राशि झारखंड को दिलाये. वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित झारखंड के 8 लाख लाभुकों को भी उनका हक दिलाया जाए.
- **5 अक्टूबर**– जाति आधारित जनगणना की मांग हमने 2021 में रखी है. सभी दलों की सहमति से आज से दो वर्ष पूर्व जाति आधारित जनगणना के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर मांग की जा चुकी है. झारखंड के सर्वदलीय शिष्टमंडल के सदस्यों ने भी जाति आधारित जनगणना कराने का मांग पत्र गृह मंत्री को सितम्बर 2021 में सौंपा था.

सुप्रियो भट्टाचार्य

- **29 अक्टूबर**– जेपी नड्डा विश्व की सबड़े बड़ी पार्टी का दावा करने वाले संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन रांची में हुई उनकी सभा में कुर्सियां खाली थीं. कम से कम बाबूलाल मरांडी को तो अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की लाज रखनी चाहिए थी. दरअसल यह आयोजनकर्ता की गलती नहीं है. पूरा मसला नड्डा जी का है, वह जिस प्रदेश से आते हैं वहां का भी चुनाव वे नहीं जीता सकते हैं और आए थे झारखंड में भाजपा को जिताने का रोड मैप बनाने.
- **21 अक्टूबर**– ईडी शराब माफिया योगेंद्र तिवारी के बैंक ट्रांजेक्शन को ठीक से खंगालेगी, तो भाजपा का असली चेहरा सामने आ जाएगा. तिवारी का भाजपा के किस-किस नेता से संबंध था, यह भी सामने आ जाएगा. योगेंद्र तिवारी तो छोटा सा प्यादा है. उसके भ्रष्टाचार के पीछे कई बड़े-बड़े लोग शामिल हैं. जांच वहां से होनी चाहिए जहां से योगेंद्र तिवारी का कारोबारी जगत में जन्म हुआ था.
- **11 अक्टूबर**– बाबूलाल मरांडी 2024 और आगामी होने वाले पांच राज्यों के चुनाव में निश्चित हार को देख कर बौखला गए हैं. उनकी संकल्प यात्रा भी पूरी तरह विफल रही है. न जनता आ रही है, न उनके भाजपा नेता. पूरी तरह अकेले पड़ चुके हैं. ऊपर से केंद्रीय एजेंसियों से हेमंत सरकार को अस्थिर करवाने का प्रयास भी काम नहीं आ रहा है. यह सब देखकर बाबूलाल अपना आपा खो चुके हैं.

कांग्रेस ने साधा निशाना- सीबीआई, ईडी और आईटी है भाजपा का चुनावी हथियार

केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा की नीतियों को लेकर लगातार हमले करती रही कांग्रेस

अक्टूबर महीने में कांग्रेस केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा पर हमलावर रही. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा इडी और आयकर विभाग को चुनावी हथियार के रूप में यूज कर रही है. प्रधानमंत्री मोदी पर नकारात्मक भावना से ग्रसित होकर काम करने का भी आरोप लगाया. वहीं प्रदेश में कांग्रेस कोटे से मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने बालूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा को विफल बताया. बेटे के घर पर इडी की रेड मामले को भी उन्होंने राजनीति से प्रेरित बताया. राजेश ठाकुर और डॉ. रामेश्वर उरांव ने अक्टूबर महीने में भाजपा और केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए. राजेश ठाकुर और डॉ. रामेश्वर उरांव पूरी तरह हमलावर दिखे.

- **31 अक्टूबर :** जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, वहां भाजपा प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग को चुनावी हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है. सौभाग्य की बात है कि अभी झारखंड में चुनाव नहीं हो रहे हैं. वरना इडी और आईटी की कुछ टीमें यहां भी पहुंच जातीं.
- **30 अक्टूबर :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश दौरा बंद कर देश का दौरा करना शुरू कर दिया है. पीएम मोदी को इस बात का एहसास हो गया है कि पहले पांच राज्यों फिर लोकसभा के चुनाव होने हैं. चुनाव नजदीक है, इसलिए मोदी भगवान बिरसा मुंडा और बाबा कार्तिक उरांव को भी याद करेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री को झारखंड और राज्य की जनता से कोई भावनात्मक लगाव नहीं है.
- **28 अक्टूबर :** लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन को एससी-एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं को विकसित करने के लिए लागू किया जाएगा. जो इन समुदाय के सशक्तीकरण की दिशा में लगातार काम करेंगे और उनके बीच कांग्रेस पार्टी की पहुंच का विस्तार करेंगे.
- **9 अक्टूबर :** कार्यकर्ता जिस उम्मीद के साथ मुझे देखते हैं, मैं सबकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता हूं. ऐसे में निश्चित रूप से कार्यकर्ताओं में नाराजगी होती है, लेकिन इसका कतई यह मतलब नहीं है कि किसी भी तरह से अनुशासनहीनता बर्दाश्त की जाएगी.
- **7 अक्टूबर :** हमारी सरकार प्रोफेशनल्स के मुद्दे को लेकर काफी संजीदा है. हमारे राज्य में सारी चीजें हैं. यहां का कोयला बाहर जाकर हीरा हो जाता है, लेकिन यहां कोयला बस कोयला ही रह जाता है. अगर सरकार पीछे रह गई है, तो उसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हमारी है.
- **6 अक्टूबर :** विकास एवं वित्तीय मोर्चे पर बुरी तरीके से असफल रही केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अब पूरी तरीके से नकारात्मक भावना से ग्रसित होकर काम कर रही है. राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की विचारधारा तेजी से आम लोगों के पास पहुंच रही है और इसका परिणाम आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में नजर आएगा.

अक्टूबर माह में डॉ. रामेश्वर उरांव ने क्या-क्या कहा...

- **28 अक्टूबर :** पूरे देश में कांग्रेस लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन कार्यक्रम चला रही है. इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले से लेकर पंचायत तक के नेताओं में नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है. जिससे कि वे अपने-अपने क्षेत्र में लोगों के बीच बेहतरीन तरीके से कांग्रेस की नीति और सिद्धांतों को जनता तक पहुंचाएंगे.
- **3 अक्टूबर :** भारतीय जनता पार्टी की संकल्प रैली की सच्चाई का लोगों को पता चल चुका है. इसका लाभ भाजपा के लोगों को नहीं होने वाला है.
- **2 अक्टूबर :** केंद्रीय एजेंसी को जांच करने का अधिकार है. इसमें किसी तरह की आपत्ति नहीं है, लेकिन बीते दिनों जिस तरीके से मेरे बेटे के घर में रेड हुआ था, वह राजनीति से प्रेरित था. अगर केंद्रीय एजेंसी के लोगों को जांच ही करनी थी, तो वैसे लोगों की करनी चाहिए थी, जिनके घरों में करोड़ों रुपये हैं.

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी भी सरकार पर ताबड़तोड़ प्रहार करते रहे

राज्य सरकार को जमकर कोसा, कहा- सरकार का चाल, चरित्र और चेहरा युवा और छात्र विरोधी है

- **31 अक्टूबर :** युवा और छात्र विरोधी झारखंड सरकार का चाल, चरित्र और चेहरा स्वयं देखिए. अनियमितता के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों के खिलाफ ही केस दर्ज करा दिया गया. मतलब राज्य की नौकरियां बिकने दी जाएं. यह अन्याय है. दमनकारी नीतियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी.
- **30 अक्टूबर :** झामुमो के लोग झारखंड के साथ दलाली कर रहे हैं. झामुमो के ही विधायक लोबिन हेंब्रम यह कह रहे हैं. लोबिन झामुमो के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं. कहीं इन्हें भी मुख्यमंत्री झारखंड विरोधी न कह दें.
- **29 अक्टूबर :** युवा विरोधी, लूट और झूठ की झारखंड सरकार का संगठित कुकृत्य एक बार फिर सामने आया है. नगरपालिका परीक्षा में बड़ी गड़बड़ी की सूचना है. अब जिम्मेदारी जेएसएससी की है कि वह कैसे छात्रों की शंका का निवारण करती है. अगर मन में खोट नहीं है, तो झारखंड सरकार मजिस्ट्रेट स्तर पर मामले की निष्पक्ष जांच कराए और अगर भ्रष्टाचार हुआ है, तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कर परीक्षा रद्द करे.
- **23 अक्टूबर :** जब पूरा देश सुख, समृद्धि व वैभव की कामना के साथ मां दुर्गा का महापर्व मना रहा है, तो झारखंड के गरीब भूखे रहने को मजबूर हैं. झारखंड में करीब 4,85,806 ग्रीन कार्डधारी गरीब परिवार ऐसे हैं, जो सात महीने से राशन न मिलने की वजह से त्राहिमाम कर रहे हैं.
- **22 अक्टूबर :** राज्य सरकार बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बंद करे. सरकार की ओर से इस वर्ष राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़नेवाले कुल 34,93,402 विद्यार्थियों को पोशाक दी जानी है. विभाग के ही आंकड़े बताते हैं कि अबतक केवल 11,08,833 विद्यार्थियों को ही पोशाक के लिए राशि दी जा सकी है, जबकि 23,84,569 बच्चे राशि से वंचित हैं.
- **20 अक्टूबर :** कांग्रेस-झामुमो ने वर्षों तक दलित-वंचित, शोषित-आदिवासी को मात्र वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है और इस समाज को जानबूझ कर शोषित व अभाव में रखा. समाज के इस वर्ग को यह मात्र अपनी सभा की भीड़ बढ़ाने, दरी लगाने और झंडा व डंडा उठाने तक ही सीमित रखना चाहते हैं.

ब्रीफ खबरें

सिंदरी में विवाहिता की संदिग्ध मौत

सिंदरी (धनबाद)। सिंदरी थाना क्षेत्र के डोमगढ़ स्थित एफसीआईएल आवास संख्या डीकेफोर 145 निवासी विजय पांडेय की छोटी पतोहू 30 वर्षीय अर्चना की सोमवार की अहले सुबह संदिग्ध हालात में मौत हो गई. घटना की खबर पर आदर्श नगर, हुगली कोलकाता से अर्चना की मां, भाई, जीजा और छोटी बहन सिंदरी पहुंचे. अर्चना का शव देखते हुए मायकेवालों ने ससुरालवालों पर पूर्व में मारपीट, दहेज उत्पीड़न के साथ अर्चना की हत्या का आरोप लगाया. घटना की सूचना पर सिंदरी पुलिस पहुंची और शव का निरीक्षण कर मायकेवालों और ससुरालवालों से घटना की जानकारी प्राप्त की. अर्चना के भाई जितेंद्र शर्मा, राकेश शर्मा और जीजा अभिषेक राय ने अर्चना की मौत को संदिग्ध बताया. उन्होंने आशंका जताई है कि अर्चना के पति मनीष पांडेय, ससुर विजय कुमार पांडेय, जेठ पप्पू पांडेय ने मौत में संदिग्ध भूमिका निभाई है.

आर्ची को मिस एग्रो फ्रेंजी फिएस्टा का ताज

जमशेदपुर। पोखारी स्थित नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी के कृषि विभाग में सोमवार को यूनिवर्सिटी सभागार में फ्रेशर पार्टी एग्रो फ्रेंजी फिएस्टा 2023 का आयोजन किया गया. इस समारोह में कई कार्यक्रम छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किये, लेकिन सबसे खास बात ये रही कि छात्रों ने छठ पूजा की थीम पर बेहतरीन प्रदर्शन किया. समारोह विभाग के एचओडी डॉ वीके पांडेय और संकाय डॉ मधुमिता पांडे नवनामांकित छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया. साथ ही उन्हें यूनिवर्सिटी के कायदे-कानून की जानकारी देते हुए अनुशासन का पाठ पढ़ाया. इस क्रम में छात्र-छात्राओं को परीक्षा, क्लास आदि की जानकारी दी गई.

गोली मारनेवाला छोटू का साथी गया जेल

धनबाद। बैंकमोड़ के मटकुरिया रोड में कार सेंटर दुकान के संचालक दीपक अग्रवाल को गोली मारनेवाला प्रिंस खान का शूटर मो छोटू का साथी राजीव कुमार साव बैंकमोड़ पुलिस के हत्थे चढ़ गया. पुलिस ने उसे भूली ट्रेनिंग स्कूल स्थित उसे घर से गिरफ्तार किया और सोमवार को न्यायालय में पेशी के बाद उसे जेल भेज दिया गया है. पुलिस का कहना है कि 28 अक्टूबर की रात रंगदारी नहीं देने पर प्रिंस खान के दो शूटरों ने दुकान संचालक पर फायरिंग की और भाग निकले. पुलिस अभी तक इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. चिरकुंडा के राहुल मिश्रा से हथियार लेनेवाले राजीव और विशाल नंदी फरार चल रहे थे. जिसमें राजीव को रविवार रात पुलिस ने गिरफ्तार किया.

झामुमो के जिला कार्यालय का उद्घाटन

झरिया। सोमवार को धनबाद के बिरसा मुंडा पार्क के समीप झामुमो के जिला कार्यालय का उद्घाटन हुआ. उद्घाटन झामुमो के केंद्रीय सदस्य विनोद पांडे ने फीता काटकर किया. इस दौरान काफी संख्या में झामुमो के नेता व कार्यकरता उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए. इस दौरान झामुमो झरिया नगर अध्यक्ष फरीद मलिक के नेतृत्व में 25 बाइकों पर सवार झामुमो के नेता व कार्यकर्ता भी कार्यालय उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए झरिया निकले. झामुमो झरिया नगर की टीम 25 बाइकों पर सवार होकर बिरसा मुंडा पार्क के समीप स्थित जिला कार्यालय के पास पहुंचे और माननीय विनोद पांडे का जोरदार स्वागत किया. झरिया से जाने वाले टीम में मुख्य रूप से झरिया नगर अध्यक्ष फरीद मलिक, बंटी सिंह महानगर उपाध्यक्ष, रानू मंडल महानगर उपाध्यक्ष, शुभम वर्मा, सलीम सिद्दीकी, संतोष शाह, कोसर जहां, जुनैद, शकील अंसारी, दिलीप महतो इत्यादि लोग शामिल थे.

भाजपा कार्यकर्ता के पिता के श्राद्धकर्म में पहुंचे महाली

आदित्यपुर। आसंगी निवासी भाजपा कार्यकर्ता दिनेश प्रधान एवं संदीप प्रधान के पिताजी का विगत दिनों देहांत हो गया था. आज भाजपा नेता गणेश महाली उनके श्राद्ध कर्म में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संवेदनाएं प्रकट की. साथ ही शोक संतप्त परिवार को आर्थिक मदद भी की. इस मौके पर भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष कृष्णा प्रधान और मिथुन प्रधान मौजूद थे.

दो दिन बाद ही निर्णय बदला, चार नवंबर को निकाला गया था नामांकन के लिए आवेदन

बीबीएमकेयू में नहीं होगी बी-फार्मा की पढ़ाई

संवाददाता। धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय बीबीएमकेयू में बी फार्मा पाठ्यक्रम की पढ़ाई नहीं होगी. विवि ने महज दो दिनों के भीतर की इस संबंध में जारी की गई नोटिफिकेशन को वापस ले लिया है. विवि के डीएसडब्ल्यू डॉ पुष्पा कुमारी ने छह नवंबर को जारी नोटिफिकेशन में अपरिहार्य कारणों से अगले आदेश तक स्थगित करने का आदेश जारी कर दिया है.

बता दें कि बी फार्मा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए विवि ने चार नवंबर को ही नोटिफिकेशन जारी किया था. इसके लिए नौ से 19 नवंबर के बीच चांसलर पोर्टल पर आवेदन भी आमंत्रित किए गए थे. एसोसिएट प्रोफेसर और कतरास कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य को बीबीएमकेयू पीजी अर्थशास्त्र विभाग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है. वे अगले आदेश तक इस विभाग के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. वहीं पीके रॉय कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ कविता सिंह को विवि पीजी सायकॉलोजी विभाग के हेड का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. वहीं विवि के कामर्स विभाग के हेड डॉ भोला नाथ सिन्हा को विवि के मैनेजमेंट स्टडीज विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. इसके साथ ही कतरास कॉलेज के हिन्दी विभाग सीनीय स्केल लेक्चरर डॉ एसएस प्रसाद को विवि के हिन्दी विभाग हेड इंचार्ज बनाया गया है.

पढ़ाई बंद

- बीबीएमकेयू में चार नवंबर को नोटिफिकेशन निकला था
- चांसलर पोर्टल पर 9 से 19 नवंबर तक आवेदन देना था

चाकुलिया एकादश ने गालूडीह को हराया

चाकुलिया। चाकुलिया के केदारनाथ झुनझुनवाला उच्च विद्यालय मैदान में झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेले जा रहे 16 वें विजय बोस क्रिकेट प्रतियोगिता का सोमवार का मैच चाकुलिया एकादश और गालूडीह एकादश के बीच खेला गया.यह मैच 22-22 ओवर का खेला गया. मैच में गालूडीह एकादश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 22 ओवर में आठ विकेट खोकर 134 रन बनाए. गालूडीह टीम की तरफ से सचिन ने 44 और शुभम ने 48 रनों की पारी खेली. चाकुलिया एकादश टीम की तरफ से विकाश मिश्रा ने 4 ओवर में 22 रन देकर 1 विकेट लिया. 135 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चाकुलिया की टीम 15.2 ओवर में दो विकेट खोकर 139 रन बना लिए थे.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- रेडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना किसने की है - एमएन राय
- समान संख्या में परमाणु वाले न्यूक्लिएड को कहा जाता है - समस्थानिक
- उत्तर भारत में गुप्त काल के समय दक्षिण में कौन सा वंश था - राष्ट्रकूट
- एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब किस देश ने जीता - भारत
- समुद्री जल को किस प्रक्रिया से शुद्ध किया जा सकता है - आसवन
- जाडकोर पूजा किस जनजाति का सर्वप्रमुख त्योहार है - खडिया
- गोपथ ब्राह्मण किस वेद से संबंधित है - अथर्ववेद
- वाइब्रेंट गुजरात इंटरनेशनल रोड शो कहां हुआ - दुबई
- डेटॉल में मौजूद पूर्तिरोधी यौगिक है - एनलोरारॉक्सीलेनॉल
- पहाड़िया विद्रोह में कहां की रानी ने सहयोग किया था - महेशपुर

20 वर्षों में सही दिशा में कार्य नहीं, अब इसे हर हाल में पूरा करना है

अबुआ दिशोम अभियान को मिशन मोड में लें अफसर: सीएम

विशेष संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने सोमवार को अबुआ दिशोम अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि राज्य निर्माण को 20 वर्षों से अधिक का समय हो गया है, लेकिन इस दिशा में कार्य नहीं किया गया. सीएम ने अधिकारियों से कहा कि ऐसा कोई भी कार्य नहीं है, जिसे आप ठान लें तो उसे आप कर नहीं सकते. उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए ग्राम सभाओं की भूमिका विशेष होगी. उन्होंने कहा कि राज्य के आदिवासियों का प्रमुख पेशा कृषि है. राज्य के 80 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर हैं, लेकिन विडम्बना यह है कि उनके पास जमीन नहीं है. सीएम ने इस आशंका को भी गलत बताया कि आदिवासियों को वन पट्टा मिलने से वनों को नुकसान पहुंच सकता है. उन्होंने कहा कि आदिवासी प्रकृति प्रेमी होते हैं. वे वनों को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे. झारखंड में पहली बार भूमिहीनों को वन पट्टा देने के व्यापक अभियान की शुरुआत हुई है. जिसके तहत आदिवासी और वन पर आश्रित रहने वाले लोगों को वनाधिकार पट्टा मुहैया कराया जाएगा. साथ ही जंगल, जमीन और इससे जुड़े संसाधनों की रक्षा कैसे हो उसके उपाय भी किये जाएंगे.

पर्यावरण का हाल दिल्ली जैसा यहां न हो: मुख्यमंत्री ने राज्य के बिगड़ते पर्यावरण पर भी चिंता व्यक्त की. उन्होंने कहा कि राज्य में जो अंधाधुंध खनन कार्य चल रहा है, वह पर्यावरण के लिए घातक है. खनन कम्पनियां ने राज्य को कबाड़ बनाकर छोड़ा है. इसके लिए मुहिम चलानी पड़ेगी. उन्होंने कहा कि झारखंड जैसे वन क्षेत्र में पर्यावरण की बात नहीं होनी चाहिए. उन्होंने दिल्ली का उदाहरण देते हुए कि वहां पर्यावरण प्रदूषण को लेकर स्कूल-कॉलेज बंद कर दिये जाते हैं. ऐसा झारखंड में क्यों हो.

बोले हेमंत

- इसमें ग्राम सभाओं की भूमिका काफी अहम होगी
- राज्य के 80 प्रतिशत लोग खेती पर ही निर्भर हैं

पदाधिकारी पौधरोपण न करें तो उन्हें बंगला क्यों दें

मुख्यमंत्री ने आदिवासियों की सरलता की चर्चा करते हुए कहा कि कोई भी कंस्ट्रक्शन यहां तक कि देवघर-बासुकीनाथ या फिर अयोध्या में राम मंदिर बनने से पेड़ नहीं तो झाड़ियां जरूर कटी होंगी, लेकिन आदिवासी इसे नुकसान नहीं पहुंचाते. उन्होंने अधिकारियों से अपने बंगलों में पौधरोपण करने की नसीहत देते हुए कहा कि सरकार को सोचना पड़ेगा कि पदाधिकारी ऐसा नहीं करते, तो उन्हें बंगला फिर क्यों दें. गेंदा-गुलाब नहीं, बंगलों में नीम, जामुन, आम के पेड़ लगाने का काम करें.

अधिकारी पर अप्राकृतिक यौनाचार का आरोप

लातेहार। भारतीय स्टेट बैंक, मनिका के क्षेत्र अधिकारी पर थाना क्षेत्र के एक नाबालिग आदिवासी किशोर के साथ अप्राकृतिक यौनाचार करने का एक मामला सामने आया है. पीड़ित किशोर ने आरोप लगाया कि क्षेत्र अधिकारी रौनक शुक्ला उसे भारतीय स्टेट बैंक मनिका से बहला-फुसला कर अपने आवास पर ले गये और वहां उसके साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का प्रयास करने लगे. इसके बाद किशोर भारतीय स्टेट बैंक, मनिका जाकर बैंक प्रबंधक को पूरे मामले की जानकारी दी. बैंक में मामला को बढ़ते देख ग्रामीणों ने मनिका पुलिस को इसकी सूचना दे दी. इसके बाद मनिका एसआई मिथिलेश कुमार भारतीय स्टेट बैंक जाकर मामले की तहकीकात की. आरोपी पुलिस के गिरफ्त में है. हालांकि पीड़ित किशोर द्वारा समाचार लिखे जाने तक थाने में लिखित आवेदन नहीं दिया गया है.

चाईबासा केंद्र 8 को मनाएगा अपना 31वां स्थापना दिवस

संवाददाता। चाईबासा

आकाशवाणी केंद्र में आठ नवंबर को अपने स्थापना के 30 वर्ष पूरे कर 31वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है. सोमवार को आकाशवाणी केंद्र में इसके भव्य आयोजन को लेकर बैठक हुई. बैठक में तस हुआ की इस अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया जाएगा. जिसके लिए शुभकामनाओं का तांता लग चुका है. मालूम हो कि 8 नवंबर 1992 को केंद्रीय मंत्री कृष्णा शाही ने केंद्र का उद्घाटन हुआ था. पहले संध्या 5 बजे से कार्यक्रम प्रसारित होते थे. उसके बाद दोपहर 3 बजे से 9.15 बजे तक कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाने लगा. उसके बाद सुबह 5:55 से रात्रि 11:10 तक तीन सभाओं में कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं. दूसरी सभा के कार्यक्रम विविध भारती मुंबई से अनुप्रसारित किए जाते हैं.

ज्ञानी पर दर्ज कराएंगे दीवानी मामला

संवाददाता। जमशेदपुर

बारीडीह गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान कुलविंदर सिंह ने बर्खास्त ज्ञानी कुलदीप सिंह के खिलाफ अब न्यायालय में फौजदारी एवं दीवानी वाद दाखिल करेंगे. कुलविंदर सिंह की ओर से वरीय अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने इस आशय का नोटिस ज्ञानी कुलदीप सिंह को दिया है. नोटिस में ज्ञानी कुलदीप सिंह से जवाब मांगा गया है कि वह बताएं, सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सरदार भगवान सिंह पर कौन सा झूठा आरोप कुलविंदर सिंह ने लगाया है? फिर उन्होंने अपने किन बयानों से बारीडीह की संगत और कमेटी को शर्मसार किया है? अधिवक्ता के अनुसार प्रधान कुलविंदर सिंह की छवि को सार्वजनिक रूप से जो आघात पहुंचाया गया है उसकी भरपाई नहीं की जा सकती है. कुलविंदर सिंह के साथ-साथ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की छवि को भी नुकसान पहुंचाने का काम किया गया है. इसके साथ ही ज्ञानी को यह भी बताया गया है कि उनके पुराने आपराधिक गतिविधियों के सारे अभिलेख भी उपलब्ध हैं.

ज्ञानी से यह भी पूछा गया है कि वह प्रधान की सहमति के बिना खुद को किस प्रकार से कार्यवाहक प्रधान कह रहे हैं. जबकि समझौते के आधार पर कमेटी गठन के सारे अधिकार कुलविंदर सिंह को प्राप्त हैं. वहीं कुलविंदर सिंह ने कहा कि कमेटी गठन का उन्हें अधिकार है और इसके तहत उन्होंने ज्ञानी पर कार्रवाई की है. कुलविंदर सिंह के अनुसार बतौर प्रधान वे किसी दस सदस्य का भी नाम सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के मतदाता सूची में शामिल करने के लिए अनुशंसा करने को स्वतंत्र हैं.

जंगली हाथी के हमले से घायल ग्रामीण की मौत

संवाददाता। मनोहरपुर

रविवार शाम लाईलोर जंगल में जलावन लाने गए ग्रामीण को जंगली दंतैल हांथी ने गंभीर रूप से घायल कर दिया. जिससे उसकी कल रात मौत हो गई. शव को पोस्टमार्टम के लिए जराईकेला पुलिस चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है.यह घटना जराईकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत सुदूरवर्ती सारंडा के समठा रेंज वनप्रक्षेत्र लाईलोर गांव से सटे जंगल की है. मृतक 48 वर्षीय सुकुवा गुड़िया जराईकेला थाना अंतर्गत ग्राम लाईलोर का रहने वाला है.

इन दिनों झुंड से बिछड़ा एक दंतैल जंगली हाथी के उत्पात से ग्रामीण परेशान है. घटना के बावत मिली जानकारी के मुताबिक़ रविवार शाम सुकुवा गुड़िया और उनके साथ अन्य ग्रामीण लाईलोर गांव से सटे जंगल में जलावन लाने के लिए गए हुए थे.तभी जंगली हाथी से सामना हो गया.वहीं दंतैल हाथी के डर से भाग रहे सुकुवा गुड़िया को हाथी ने लात मारकर गिरा दिया.तथा उस पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया.उसके साथ गये अन्य ग्रामीण हाथी का ध्यान भटकाने के लिए शोर मचाने लगे. शोर सुनकर हाथी जंगल की ओर चला गया.वहीं घायल व्यक्ति को ग्रामीणों की मदद से घर लाया गया.जहां रविवार देर रात उसकी मौत हो गई.इस हादसे में ग्रामीण की मौत को लेकर मृतक के परिजनों ने समठा रेंज के अधिकारीयों से उचित मुआवजा देने की मांग की है.

मचाया उत्पात

- शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया
- मृतक सकुवा गुड़िया लाईकोर गांव का निवासी था

गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कहा

ईडी अफसरों पर हमले के लिए प्रेम प्रकाश से नहीं हुई कोई बात

संवाददाता। रांची

गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि ईडी के अधिकारियों पर हमला कराने के लिए प्रेम प्रकाश से कोई बातचीत नहीं हुई है. सोशल मीडिया पर जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी हुई कि हमारे गैंग का नाम रांची जेल में बंद प्रेम प्रकाश के साथ जुड़ रहा है. साथ ही यह दावा किया जा रहा है कि ईडी के अधिकारियों पर हमला कराने के लिए गोली चलवाने के लिए प्रेम प्रकाश द्वारा हमलोगों से संपर्क साधा गया है. यह बिलकुल गलत बात और झूठा आरोप है. ऐसी कोई भी बातचीत बॉस या मुझसे प्रेम प्रकाश के द्वारा नहीं हुई है. रांची जेल में हमारे गैंग के कई सदस्य बंद हैं, अगर उनमें से किसी सदस्य के साथ प्रेम प्रकाश की ऐसी कोई बात हुई है, जो ईडी के संज्ञान में आई है,तो यह जांच का विषय है.

हमारे गैंग का इससे कोई लेना-देना नहीं है

सोशल मीडिया पर जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि हमारे गैंग का इस कंट्रोवर्सी से कोई लेना – देना नहीं है. हमारे गैंग की बंदूक की गोली किसी नेता या प्रेम प्रकाश जैसों के इशारे पर नहीं निकलती है. इस सरकार में हमारे अमन साहू गैंग से भी ज्यादा किसी और गैंग पर कार्यवाही हुई है. बॉस का हर दो महीने में जेल से ट्रांसफर होता है. किसी कोल व्यापारी की हत्या हो, ट्रांसपोर्टर की हत्या हो, कोयला चोर की हत्या हो, जेल अधिकारी की हत्या हो तो हमारे गैंग का नाम आएगा, वो अलग बात है. ईडी पुलिस अधिकारियों से हमारा क्या लेना-देना. हमलोग खुद इस सरकार से सताए हुए हैं.

अवैध माइंस को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट

तेतुलमारी। तेतुलामारी थाना क्षेत्र के मोदीडीह कॉलोनी के बीचों बीच चल रहे अवैध माइंस के विवाद को लेकर सोमवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई. इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर लाठी डंडा व पत्थरबाजी हुई. करीब आधा घंटे तक वहां रणभूमि जैसी स्थिति बनी रही. वहीं दो राउंड गोली चालन की बात कही जा रही है. घटना में महिला मोर्चा लोयाबाद मंडल अध्यक्ष सपन सिंह सहित दुसरे पक्ष के अन्य घायल हो गए. घटना की खबर पाकर तेतुलामारी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. सपना सिंह के बहन ने बताया की सपना व उसकी भाभी खाना खा कर सीआइएसएफ कैंप की ओर टहल रही थी तभी अवैध कोयला कटाई करने वाले मजदूरों ने ननद भाभी को गलत निगाह से देख भद्दी भद्दी बाते करने लगे जिसका शिकायत करने सपना की भाभी थाना गई जिसके बाद अवैध माइंस संचालक राजेश अपने दोनों पुत्रों बिक्की व बंटी तथा शंकर के साथ सपना सिंह के घर पहुंच कर मारपीट कर घायल कर दिया. इधर घटना के बाद घायल को इलाज के लिए एनएमसीएच भेज गया.

पेज एक का शेष...

146 साल में पहली बार 'टाइम आउट' हुए एंजेलो मैथ्यूज

भारत में दूसरी बार हुआ टाइम आउट का मामला

भारतीय जमीन पर टाइम आउट का यह मामला दूसरी बार है. इससे पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 20 दिसंबर 1997 को रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान कटक में ओडिशा के खिलाफ त्रिपुरा के हेमूलाल यादव को "टाइम आउट" दिया गया था. दरअसल, 9वां विकेट गिरने के बाद 11वें नंबर आए हेमूलाल यादव किसी अज्ञात कारण से अपने पैड के साथ नहीं उतरे थे.

एक ही बॉल पर गिरे दो विकेट

यह पूरा मामला श्रीलंकाई पारी के दौरान 25वें ओवर में हुआ. यह ओवर बांग्लादेश टीम के कप्तान और स्पिनर शाकिब अल हसन ने किया था. शाकिब ने दूसरी बॉल पर ही सदीरा समरविक्रमा को कैच आउट कराया. इसके बाद एंजेलो मैथ्यूज अगले बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर आए. मगर इसी दौरान उनसे एक गड़बड़ हो गई. मैथ्यूज सही हेलमेट नहीं ला पाए थे. उन्होंने क्रीज पर आकर दूसरा हेलमेट लाने के लिए पवेलियन की ओर साथी के लिए इशारा किया. मगर इसी बीच शाकिब ने मैदानी अंपायर से "टाइम आउट" की अपील कर दी. वीडियो में देखने से लगा कि पहले तो मैदानी अंपायर को यह मजाक लगा, लेकिन शाकिब ने समझाया कि वो सच में अपील कर रहे हैं. तब दोनों मैदानी अंपायरों ने आपस में बात करके मैथ्यूज को "टाइम आउट" करार दिया. इस तरह श्रीलंकाई टीम ने एक ही बॉल पर दो विकेट गंवा दिए. इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ, जब कोई प्लेयर इस तरह "टाइम आउट" हुआ.

जेल अधीक्षक, जेलर व बड़ा बाबू को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया

प्रेम प्रकाश जेल में चला रहा सिंडिकेट

ईडी को यह भी सूचना मिली है कि प्रेम प्रकाश बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में अपना सिंडिकेट चला रहा है. ईडी को नुकसान पहुंचाने के लिए क्या करना है, क्या नहीं करना है, इसपर योजना बना रहा है. इसके लिए किसे कितने पैसे कहां पहुंचाए जाने हैं, प्रेम प्रकाश इसकी भी योजना बना रहा है. प्रेम प्रकाश ईडी के विरुद्ध पूरा साजिश रच रहा है और जेल के बाहर के अपने सहयोगियों को दिशा-निर्देश भी दे रहा है. वह ईडी के गवाहों को प्रभावित करने के लिए भी कोशिश में जुटा है. वह गवाहों को यह भी समझा रहा है कि ईडी के अधिकारियों के विरुद्ध एसटी/एससी अधिनियम में केस दर्ज करा कर उन्हें फंसाए. इससे ईडी का केस कमजोर होगा.

बैठक चाकुलिया प्रखंड कार्यालय में पंसस और विभिन्न विभाग के पदाधिकारियों की बैठक हुई

मालखम में पानी पहुंचाने का काम किया जाएगा: जेई

संवाददाता। चाकुलिया

चाकुलिया प्रखंड कार्यालय के सभागार में सोमवार को पंचायत समिति सदस्यों और विभिन्न विभाग के पदाधिकारियों की एक बैठक प्रखंड के प्रमुख धनंजय करुणामय की अध्यक्षता में हुई. बैठक में पंचायत के जन प्रतिनिधियों ने विभिन्न विभाग के पदाधिकारियों से पंचायत में चल रहे विकास योजनाओं की जानकारी ली और योजना निर्माण में पूर्ण गुणवत्ता बरतने की बात कही.

बैठक में पीएसएल एवं स्वच्छता विभाग के जेई भागीरथ कुमार ने बताया कि मालखाम और आंधरिया गांव में बुरूजबनी मेघा वाटर पाइप लाइन योजना के तहत हर घर जल योजना के तहत पानी पहुंचाने का काम किया जाएगा. इस योजना के तहत सात गांव में पानी टंकी का निर्माण होगा और इस योजना से 17 पंचायत के विभिन्न गांवों में पानी पहुंचाया जाएगा. इस योजना को 28 सितंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है. स्वर्णरेखा नदी से पानी फील्टर कर चयनित गांवों में जलापूर्ति की जाएगी. पंचायत के जन प्रतिनिधियों ने कहा कि चंदनपुर जलापूर्ति योजना विगत कई माह से खराब है और कई घरों में कनेक्शन भी नहीं जोड़ा गया है. जेई ने कहा कि जलापूर्ति योजना का संचालन पंचायती राज्य को करना है. आपूर्ति विभाग की शिकायत करते हुए जन प्रतिनिधियों ने कहा कि सालबनी गांव में कार्ड धारियों के बीच अनाज का वितरण नहीं किया गया है. प्रभारी एमओ गौरी शंकर दास नने कहा कि आज से वितरण किया जा रहा है. कल्याण विभाग से जाहेरथान घेराबंदी कार्य और धुमकुड़िया भवन निर्माण किया जा रहा है. बैठक में सीओ सह प्रभारी बीडीओ उपेन्द्र कुमार,उप प्रमुख कविता साव,प्रभारी एमओ गौरीशंकर साव, थाना के एस आई हीरालाल कुमार, पंसस बुबाई दास, तापस महतो, राम मांडी,राम बेसरा, मनोरंजन महतो, कविता नायक समेत अन्य उपस्थित थे.

बैठक संपन्न

- सालबनी गांव में कार्डधारियों के बीच अनाज नहीं बंटा
- चंदनपुर जलापूर्ति योजना में कई घरों में पानी नहीं पहुंचा

ब्रीफ खबरें

पुलिस ने किया मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन

नवादा । शराब की सूचना पर सोमवार को छापेमारी करने गई पुलिस ने नवादा में मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है. शस्त्र बनाने के कई यंत्र भी पुलिस ने बरामद कर एक बड़ी सफलता हासिल की है. शराब की सूचना पर छापेमारी के लिए गयी जिला पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम ने मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है और कई अर्धनिर्मित हथियार एवं हथियार बनाने का उपकरण बरामद किया है. पुलिस अपराधियों को पता लगाने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रही है. पचोहिया के मुखिया रहे युवक भी शातिर अपराधी है.

जयनगर स्टेशन पर विदेशी नागरिक धराए

मधुबनी । मधुबनी जिला के भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के जयनगर स्टेशन पर विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है. जयनगर में भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के सीमा पर तैनात एसएसबी 48वीं बटालियन जयनगर के जवानों ने नेपाली रेलवे स्टेशन से एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार विदेशी नागरिक जापान के टोक्यो निवासी केमी योशी सीमुरा है. विदेशी नागरिक के पास से बरामद आधार कार्ड में भारत में हरियाणा के गुरुग्राम सिकंदर पुर के धौंसी को वर्तमान पता बताया जा रहा है.

पेड़ से लटकता मिला छात्रा का शव

अररिया । अररिया जिले के फारबिसगंज थाना क्षेत्र में एक लड़की का शव पेड़ से लटकता हुआ मिला है. शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गयी है. शव की पहचान शिवानी कुमारी मझुआ के रूप में हुई है. शिवानी फारबिसगंज कॉलेज में इंटर की छात्रा थी और शनिवार से लापता थी. ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. लड़की की मौत की वजह का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है.

विरोध-प्रदर्शन

पटना में ममता स्वास्थ्य कर्मियों ने प्रोत्साहन राशि भुगतान व सरकारी कर्मचारी घोषित करने की मांग को लेकर बिहार विस के सामने किया धरना-प्रदर्शन.

बेगूसराय में 12वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

बेगूसराय । बेगूसराय में एक 12वीं की छात्रा ने खुदकुशी कर ली है. घटना चेरियाबरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव की है. छात्रा की पहचान कुंभी गांव निवासी के रूप में हुई है. इस संबंध में छात्रा के भाई ने बताया कि वो लोग बड़ी बहन के बच्चे को दिखाने के लिए डॉक्टर के यहां गए हुए थे. घर पर उनकी छोटी बहन और एक छोटा भाई अकेले थे. परिजन डॉक्टर के यहां थे तभी उन्हें फोन पर सूचना मिली कि युवती ने घर पर आत्महत्या कर लिया है. सूचना के बाद आनन-फानन में वो लोग घर पहुंचे और छात्रा को डॉक्टर के यहां लेकर जाने लगे तभी उसकी मौत हो गई. छात्रा की मौत के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

आओ जानें

जानें कोईलवर पुल के बारे में

- कोईलवर पुल पटना और आरा के बीच कोइलवर नामक स्थान पर है, कोईलवर रेल-सह-सड़क पुल है. सोन नदी पर अवस्थित कोईलवर पुल विकास की जीवन रेखा का एक मुख्य बिन्दु है. लोहे के गाटर से बने इस दोहरे एवं दो मंजिला पुल की निर्माण तकनीक व सुंदरता लोगों को आज भी काफी आकर्षित करती है.
- 1862 ई. में यह पुल तैयार हो गया था. इस पुल का नाम बिहार के जाने माने स्वतंत्रता सेनानी प्रोफेसर अब्दुल बारी के नाम पर अब्दुलबारी पुल भी है .एक ओर जहां यह पुल दानापुर-मुग़लसराय रेल खंड को जोड़ता है तो दूसरी ओर पटना-भोजपुर सड़क यातायात को जोड़ता है.
- पुल 1982 की गांधी (फ़िल्म) में दिखाया गया है, जिसे रिचर्ड एटनबरो द्वारा निर्देशित किया गया है. सोन नदी से निकला बालू इसी पुल से उत्तर बिहार तक और पश्चिम में उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र तक वाहनों द्वारा पहुंचकर विकास में योगदान देता है.

इजरायल-हमास युद्ध पर महागठबंधन में तकरार, वामदल ने किया प्रदर्शन

इन विधायकों को गाजा भेजें टिकट मैं दूंगा : संजीव सिंह

संवाददाता । पटना

बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया. 10 नवंबर तक यह चलेगा. इजरायल-हमास युद्ध के मुद्दे पर विधानसभा परिसर में वाम दल ने प्रदर्शन किया. कहा कि फिलिस्तीनियों का नरसंहार बंद हो. वहीं जेडीयू की ओर से सीपीआईएमएल के विधायकों पर कार्रवाई की मांग कर दी है. महागठबंधन सरकार में ये दोनों आमने-सामने हो गए हैं. जदयू विधायक संजीव कुमार सिंह ने कहा कि सीपीआईएमएल विधायक आतंकी संगठन हमास का समर्थन कर रहे हैं. तारीफ कर रहे हैं. ऐसे विधायकों पर कार्रवाई होनी चाहिए. मुझे ऐसे विधायकों पर एक्शन लेना रहता तो जेल भेज देता. इन विधायकों को गाजा पट्टी भेज दिया जाए. मैं टिकट कटवा दूंगा.

विधायक ने कहा कि यह लोग भी वहां जाकर शहीद हो जाएं. कुछ पूर्व विधायकों की मौत हुई है. सदन में शोक प्रस्ताव के दौरान मौन के समय सीपीआईएमएल विधायक हमास में जो आतंकी मारे गए उनका समर्थन कर रहे हैं. उनको श्रद्धांजलि देने की मांग कर रहे थे. उन आतंकियों के लिए शोक मना रहे थे. यह बहुत दुखद है. सोमवार सुबह वाम दल के विधायक विधानसभा परिसर में हमास के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे थे. आखिर यह सब क्या चल रहा है?

वहीं सीपीआईएमएल विधायक महबूब आलम ने कहा कि इजरायल के हमले में फिलिस्तीन के मासूम लोग मारे जा रहे हैं. अस्पताल, राहत शिविर केंद्र पर इजरायल बमबाजी कर रहा है. यह कब तक चलेगा? हमास को बदनाम किया जा रहा है. जदयू विधायक हम लोगों को नसीहत देने वाले कौन होते हैं? आज हम लोगों ने हमास के समर्थन में विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया. उन्होंने कहा कि विधानसभा में शोक प्रस्ताव के दौरान हम लोगों ने मांग की है कि फिलिस्तीन में जो लोग मारे गए उनके लिए भी शोक प्रस्ताव लाया जाए. यह सब करने में गलत क्या है? फिलिस्तीनियों का नरसंहार बंद हो.

हमास को बदनाम किया जा रहा है : महबूब आलम

विरोध जताया

- वामदल ने कहा-फिलिस्तीनियों का नरसंहार बंद हो
- जदयू विधायक ने इन विधायकों पर कार्रवाई की मांग की

पीके का दावा

सीएम नीतीश कुमार के राजनैतिक अंत का समय बहुत करीब आ गया

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर काफी दिनों से जन सुराज पदयात्रा कर रहे हैं. इस दौरान वे अक्सर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर होते रहते हैं. इस बार प्रशांत किशोर ने नीतीश को लेकर बड़ा दावा किया है, जो काफी चौकाने वाला है. प्रशांत ने कहा कि नीतीश पर उम्र का प्रभाव हो रहा है. इतना ही नहीं उनका अहंकार भी साफ नजर आता है. वे किसी बात को गंभीरता से नहीं लेते हैं. हर चीज को वो हल्के में लेते हैं. आये दिन मंच पर वो अपने नेताओं की ही खिल्ली उड़ाते हैं. चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि नीतीश ने लोगों से बातचीत करना और सलाह लेना छोड़ दिया है. जब आप उस कुर्सी पर बैठते हैं, तो आपको किसी से पूछना चाहिए, बात करनी चाहिए. जो राजा लोगों से विचार-विमर्श और सलाह लेना छोड़ देता है, उसका पतन जल्द हो जाता है.

सीतामढ़ी में पोखर में डूबने से 3 बच्चों की मौत

संवाददाता । सीतामढ़ी

सीतामढ़ी में दर्दनाक हादसा हो गया. यहां बाजपट्टी थाना क्षेत्र के बर्री फुलवरिया गांव में पोखर में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गयी. एक साथ तीन बच्चों की मौत से पूरे गांव में कोहराम मच गया है. वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतकों की पहचान सोनी कुमारी, लाडली कुमारी और आदित्य कुमार के रूप में हुई है. घटना के संबंध बताया जाता है कि तीनों बच्चे चिमनी के पास स्थित पोखर में नहाने गये थे. इसी दौरान लाडली कुमारी का पैर फिसल गया और वो पानी से भरे गड्ढे में डूब गयी. उसे बचाने के लिए सोनी और आदित्य भी कूद गये और गहरे पानी में जाने से तीनों की मौत हो गयी. बच्चों को डूबता देख आस-पास के लोग बचाने के लिए पोखर में कूद गये. हालांकि जब तक तीनों को तालाब से बाहर निकाला, तब-तक उनकी मौत हो गयी थी. घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

शादी का कार्ड बांटने गई महिला की सड़क हादसे में मौत

नालंदा । नालंदा के चंडी थाना क्षेत्र के नारसंडा गांव निवासी एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. बेटी की शादी का कार्ड बांटने गयी महिला की भीषण सड़क हादसे में मौत हो गयी. महिला की पहचान नारसंडा गांव निवासी विजय राम की पत्नी सुलेखा देवी के रूप में हुई है.

जानकारी के अनुसार, सुलेखा देवी अपने दामाद के साथ बाइक पर बेटी की शादी का कार्ड बांटने के लिए अपनी बहन के घर सोहसराय गयी थी. शादी का कार्ड बांटने के बाद वह घर लौट रही थी. इस दौरान भगणविगहा में बाइक ब्रेकर के कारण अनियंत्रित हो गयी. जिससे सुलेखा देवी बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गयी. आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे सदर अस्पताल रेफर किया. सदर अस्पताल ले जाने के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. बता दें कि 24 नवंबर को सुलेखा की बेटी की शादी थी. घर में शादी की तैयारियां जोरों पर थी. शादी के कार्ड भी बंटने शुरू हो गये थे. लेकिन इसी बीच सड़क हादसे में सुलेखा देवी की मौत हो गयी और शादी की खुशियां मातम में बदल गयी.

पूर्णिया में मां और बेटे ने की खुदकुशी

पूर्णिया । पूर्णिया के सहायक थाना क्षेत्र के शिवपुरी मोहल्ले में मां-बेटे ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने की कोशिश की. जिसके बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को इलाज के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज पहुंचाया. जहां डॉक्टर ने बेटे को मृत बताया, वहीं इलाज के दौरान महिला की भी मौत हो गई. 20 वर्ष पूर्व मृतका के पति की हत्या हुई थी. घर में सिर्फ मां और बेटा ही रहते थे. महिला का नाम आतिश मित्रा है जो प्राइवेट से स्टांप बेचकर अपना और बेटे का पालन-पोषण किया करती थी. वहीं, किराएदार के रूप में रह रहे सुबोध सिंह ने बताया कि वे स्कूल में पढ़ाते हैं.

कारोबार

भारत कोकिंग कोयले का निर्यात बाजार बनेगा

नयी दिल्ली । भारत निकट भविष्य में भी सबसे बड़ा कोकिंग कोयला निर्यात गंतव्य बना रहेगा. भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) ने यह उम्मीद जताते हुए कहा है कि कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर घरेलू इस्पात उद्योग पर पड़ रहा है. कोकिंग कोयला एक प्रमुख कच्चा माल है जिसका उपयोग इस्पात के निर्माण के लिए किया जाता है. आईएसए के अध्यक्ष दिलीप उम्मेन ने सोमवार को कहा कि भारतीय इस्पात उद्योग विभिन्न प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके कोकिंग कोयले के उपयोग के लिए स्थायी रास्ते तलाशने के तरीके और साधन ढूंढ़ रहा है.

मैन को 380 करोड़ के नए ऑर्डर मिले

नयी दिल्ली । मैन इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड को 380 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं. मैन इंडस्ट्रीज (इंडिया) ने सोमवार को बयान में कहा कि इसके साथ कंपनी की मौजूदा ऑर्डर बुक 1,400 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है. बयान के मुताबिक, मौजूदा ऑर्डर बुक को अगले छह महीनों के भीतर पूरा किया जाना है. मैन इंडस्ट्रीज (इंडिया) के चेयरमैन आर सी मनसुखानी ने कहा कि इन नए ऑर्डर से पता चलता है कि देश की वृद्धि और विकास में कंपनी उल्लेखनीय योगदान दे रही है.

एक्साइड इंडस्ट्रीज का लाभ 270 करोड़ हुआ

नयी दिल्ली । बैटरी बनाने वाली कंपनी एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) का एकीकृत शुद्ध लाभ 12.11 प्रतिशत बढ़कर 270.32 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी. कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 241.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था. एक्साइड इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 4,371.52 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,841.13 करोड़ रुपये थी.

अडाणी विल्मर की हिस्सेदारी बेचने की डील एक महीने के अंदर हो सकती है पूरी

अडाणी विल्मर में अपनी हिस्सेदारी बेचने के फेर में अडाणी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के दिग्गज कारोबारी गौतम अडाणी का हर फैसला चर्चा का विषय रहता है. इस बार वे किसी कंपनी को खरीदने के लिए नहीं, बल्कि बेचने के लिए चर्चे में हैं. खबर है कि अडाणी अपनी एफएमसीजी कंपनी अडाणी विल्मर में अपना 43.97 फीसदी हिस्सा बेचने जा रहे हैं. यह कंपनी फार्च्यून ब्रांड से सरसों तेल और सोयाबीन तेल समेत तमाम तरह के खाद्य तेल बेचती है. साथ ही यह कंपनी आटा, चावल, दाल, बेसन, सत्तू आदि प्रोडक्ट भी बेचती है. इस कंपनी के बारे में खबर चल रही है कि गौतम अडाणी अपनी कंपनी अडाणी विल्मर की हिस्सेदारी बेचने को लेकर कई दिग्गज कंपनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अडाणी विल्मर की हिस्सेदारी बेचने की यह डील एक महीने के अंदर पूरी हो सकती है.

इस समय अडाणी विल्मर में गौतम अडानी ग्रुप की 43.97 फीसदी की हिस्सेदारी है. यह कंपनी फार्च्यन ब्रांड के नाम से तरह तरह के खाद्य तेल, बेसन, आटा और अन्य पैकेज्ड ग्रोसरी प्रोडक्ट बेचती है. बताया जाता है कि गौतम अडाणी अपने ग्रुप की कंपनी अडानी विल्मर में अपनी संपूर्ण हिस्सेदारी तीन अरब डॉलर में बेचने की कोशिश कर रहे हैं. अडाणी विल्मर शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी है. लिस्टिंग के बाद इस ज्वाइंट वेंचर में सिंगापुर की विल्मर इंटरनेशनल और अडाणी ग्रुप की 43.97-43.97 प्रतिशत की हिस्सेदारी है. अडाणी विल्मर में पब्लिक शेयर होल्डिंग 12.006 प्रतिशत की है. इस साल की शुरुआत में भी इस तरह की ख़बरें आई थीं जिनमें कहा गया था कि पोर्ट-टू-पावर समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी विल्मर में अपनी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है. हालांकि तब अडाणी एंटरप्राइजेज ने विल्मर वेंचर्स से बाहर निकलने की खबरों का खंडन किया था.

अडाणी एंटरप्राइजेज ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा था कि हम यह स्पष्ट करना चाहेंगे कि अब तक, मीडिया रिपोर्ट से संबंधित ऐसी कोई घटना नहीं है, जिसके लिए सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 30 के अनुसार कंपनी की ओर से किसी भी खुलासे की आवश्यकता हो. इस कंपनी ने बीते एक नवंबर को अपने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं. सितंबर 2023 तिमाही के दौरान कंपनी को 130.73 करोड़ रुपये का समेकित घाटा हुआ है. इससे एक साल पहले, इसी अवधि में कंपनी को 48.76 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था. बताया जाता है कि गौतम अडाणी की अगुवाई वाला अडाणी ग्रुप इस समय इंफ्रास्ट्रक्चर और पोर्ट कारोबार पर फोकस करने की योजना बना रहा है. अडाणी विल्मर में ग्रुप की हिस्सेदारी बेचने की योजना इसी प्लान का एक हिस्सा हो सकता है. अडाणी ग्रुप इस पैसे का उपयोग अपने मूल बिजनेस के लिए करने जा रहा है. फिलहाल इस रकम से कर्ज चुकाने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है.

हटेंगे अडाणी

- अडाणी की कंपनी में है 43.97% हिस्सेदारी
- अडाणी विल्मर सोयाबीन तेल बेचती है

एफएमसीजी मार्केट में कंपनी का दबदबा है

बता दें कि खाद्य तेल के कारोबार में भारत के एफएमसीजी मार्केट में अडाणी विल्मर का दबदबा है. पिछले साल कंपनी को 607 करोड रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था. लेकिन इसके शेयर में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता रहा है. बता दें कि कंपनी ने साल 2022 में आईपीओ के जरिए 3600 करोड़ जुटाए थे. इस आईपीओ के तहत निवेशकों को अडाणी विल्मर के शेयर 230 में मिले थे और अडाणी ग्रुप के स्टाफ को 21 का डिस्काउंट मिला था. वहीं सोमवार के शुरुआती कारोबार में एक की तेजी देखी जा रही थी.

आईजेएसएफ 2023

हैदराबाद में सोमवार को इंडिया ज्वेलरी शॉपिंग फेस्टिवल (आईजेएसएफ) 2023 की घोषणा के मौके पर अभिनेत्री श्रुति हासन।

अनंत राज 4,000 करोड़ की परियोजनाएं शुरू करेंगी

भाषा । नयी दिल्ली

रियल एस्टेट कंपनी अनंत राज लिमिटेड ने अगले 6-9 माह में गुरुग्राम और आंध्र प्रदेश में तीन नयी आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बनाई है. कंपनी ने बताया कि इन परियोजनाओं का अनुमानित बिक्री मूल्य 4,000 करोड़ रुपये है और वह आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के बीच कारोबार का विस्तार करना चाहती है.

दिल्ली की कंपनी अनंत राज लिमिटेड गुरुग्राम के सेक्टर 63ए में एक लक्जरी समूह आवासीय परियोजना शुरू करेगी. इसमें 10 लाख वर्ग फुट से अधिक विकास योग्य क्षेत्र शामिल होगा. इसके अलावा गुरुग्राम में ही लगभग 200 एकड़ की परियोजना 'अनंत राज एस्टेट' में लगभग 10 लाख वर्ग फुट के बिक्री योग्य क्षेत्र वाले प्लॉट और विला पेश करने की भी योजना है. अनंत राज ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति में किफायती आवास परियोजना पर भी काम शुरू किया है. अनंत राज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अमित सरीन ने कहा, हम अगले 6-9 महीनों के भीतर गुरुग्राम और आंध्र प्रदेश में तीन परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं. हमें इन परियोजनाओं से लगभग 4,000 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद है. तिरुपति में आसपास की औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले लोगों को लक्षित करते हुए 20 लाख रुपये प्रति इकाई से कम कीमत वाले 1,900 किफायती घर तैयार किए जाएंगे.

घरेलू बाजार फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने दी जानकारी

खुदरा वाहन बिक्री : अक्टूबर में 7.83% की गिरावट

भाषा । नयी दिल्ली

घरेलू बाजार में खुदरा वाहन बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 7.73 प्रतिशत गिरकर 21,17,596 इकाई रह गई. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य रूप से श्राद्ध की अवधि में दोपहिया वाहनों की खरीद गिरने के कारण नई खरीदारी प्रभावित हुई है.

फाडा ने एक बयान में कहा कि अक्टूबर, 2022 में घरेलू बाजार में खुदरा वाहन बिक्री 22,95,099 इकाई रही थी. फाडा द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 12.60 प्रतिशत घटकर 15,07,756 इकाई रही, जो पिछले साल अक्टूबर में 17,25,043 इकाई थी. इसी तरह, यात्री वाहन खंड में भी अक्टूबर में खुदरा बिक्री 1.35 प्रतिशत गिरकर 3,53,990 इकाई रही, जो अक्टूबर, 2022 में 3,58,884 इकाई रही थी. दूसरी ओर, तिपहिया वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 45.63 प्रतिशत बढ़कर 1,04,711 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 71,903 इकाई थी.

ट्रैक्टर की खुदरा बिक्री भी अक्टूबर में 6.15 प्रतिशत बढ़कर 62,440 इकाई हो गई, जो अक्टूबर, 2022 में 58,823 इकाई थी. इस साल अक्टूबर में वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 10.26 प्रतिशत बढ़कर 88,699 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 80,446 इकाई थी. फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, इस महीने में अशुभ माना जाने वाला श्राद्ध काल 14 अक्टूबर तक रहा. नतीजतन, यह आंकड़े भारतीय वाहन खुदरा क्षेत्र में वृद्धि के वास्तविक प्रक्षेपवक्र को सटीक रूप से नहीं दिखाते हैं. फाडा के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर के पहले 15 दिन में (श्राद्ध का समय) सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की गिरावट देखी गई, लेकिन पूरे महीने की तुलना करने पर 13 प्रतिशत की वृद्धि दिखती है, जो अच्छी बाजार मांग का संकेत है.

असुरक्षित भारतीय सड़कें

भारतीय सड़कें बेहद असुरक्षित हैं, जो हर रोज न जाने कितने लोगों के जीवन को लील रही हैं और लोगों को घायल कर रही हैं. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा भारत में 2022 के दौरान होने वाले सड़क हादसों को लेकर जो वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई है, वह बेहद चिंताजनक है. स्थिति की गम्भीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत में कहीं न कहीं औसतन हर घंटे 53 दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 19 लोगों की मौत हो जाती है. ये आंकड़े चेतावनी के रूप में लिए जाने चाहिये और इन दुर्घटनाओं को टालने के लिए असरदार कदम उठाने होंगे. सड़कें न केवल सुरक्षित हों, वरन वाहनों की स्थिति भी ठीक होनी चाहिये तथा वाहन चालन भी दोषरहित हों, तभी सड़क यातायात को सुरक्षित कर नागरिकों के अमूल्य जीवन बचाये जा सकते हैं. हर वर्ष राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस विभागों द्वारा ऐसी रिपोर्ट जारी होती है. साल 2022 के आंकड़े सड़क दुर्घटनाओं और उनके चलते होने वाली मौतों की संख्या व घायलों की तादाद में बड़ी बढ़ोतरी को दर्शाते हैं. ये आंकड़े एशिया पेसिफिक रोड एक्सीडेंट डाटा के अंतर्गत जारी किये गये हैं. इसके अनुसार साल 2022 के दौरान देश भर में 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं हुईं. इनमें 1,68,491 लोगों की मौत हुई और 4,43,366 लोग घायल हुए. उसके पहले साल की तुलना में दुर्घटनाएं 11.9 प्रतिशत बढ़ी हैं.

> 2022 के दौरान देश भर में 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं हुईं. इनमें 1,68,491 लोगों की मौत हुई और 4,43,366 लोग घायल हुए. उसके पहले साल की तुलना में दुर्घटनाएं 11.9 प्रतिशत बढ़ी हैं. 9.4 फीसदी अधिक लोगों की मृत्यु हुई.

9.4 फीसदी अधिक लोगों की मृत्यु हुई, जबकि घायलों की संख्या के लिहाज से यह 15.3 प्रश की वृद्धि है. रिपोर्ट में सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण निर्धारित गति से भी तेज चालन, नशे में गाड़ी चलाना और यातायात नियमों का अनुपालन न करना बताया गया है. सड़क हादसों को लेकर वाहन चालकों को जागरूक करने की ज़रूरत बताई गई है. उनके लिए शैक्षणिक तथा प्रशैक्षणिक अभियान भी आवश्यक बताये गये हैं. सवाल तो यह है कि कुछ वर्षों पहले भारत सरकार ने नियम तोड़ने वालों के लिए बड़े जुर्माने निर्धारित किये थे. विशेषज्ञों ने तभी यह राय जाहिर की थी कि भारी-भरकम आर्थिक दण्ड की बजाय जागरूकता बेहतर उपाय है. मंत्रालय का यह भी दावा रहा है कि सड़क हादसों को रोकने के लिए कई तरीके अपनाए जा रहे हैं, जिनमें मंत्रालय द्वारा वाहन चालकों को प्रशिक्षण देना आदि शामिल है. इसके अलावा वह सड़कों की गुणवत्ता, वाहन के मानक, यातायात नियमों का कड़ाई से अमल सहित दुर्घटनाओं को रोकने के अन्य पहलुओं पर काम करने का दावा भी करता रहा है. सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा मिलकर काम करने की ज़रूरत भी बतलाई गई है. मंत्रालय ने कई अन्य संबंधित संगठनों के साथ मिलकर इन्हें रोकने की ठानी है. इस कार्यक्रम को 4ई का नाम दिया गया है.

सुभाषित

कस्यैकान्तं सुखम् उपनतं, दुःखम् एकान्ततो वा।
नीचैर् गच्छति उपरि च, दशा चक्रनेमिक्रमेण॥

किसने केवल सुख ही देखा है और किसने केवल दुःख ही देखा है. जीवन की दशा एक चलते पहिये के घेरे की तरह है, जो क्रम से ऊपर और नीचे जाता रहता है. इसलिए सुख और दुःख के चक्र को देखकर घबराना नहीं चाहिए. न सुख में इतराना चाहिए और न दुःख में घबराना नहीं चाहिए.

बदलाव की ओर बढ़ रही उच्च शिक्षा

अभी जो वर्तमान व्यवस्था है चाहे वह नामांकन की हो, निकास की हो या मूल्यांकन की हो या छात्रों की भागीदारी की, उसे लचीला बनाया गया है, परन्तु क्या वर्तमान में जो विश्वविद्यालय हैं, जो शिक्षा व्यवस्था की आधारभूत संरचना है, उसको संचालित करने वाले लोग हैं? इस नई व्यवस्था को अंगीकार करने की स्थिति में हैं? भारत सरकार द्वारा संपोषित कुछ राष्ट्रीय महत्त्व की संस्थाएं, केन्द्रीय विश्वविद्यालय कुछ हद तक अंगीकार कर भी सकते हैं.

• देश-काल

डॉ. कौशलेन्द्र बटोही

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2000 के कार्यान्वयन के बाद उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव आ रहा है. वस्तुतः नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बाद वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में चाहे वह प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था हो या उच्च शिक्षा व्यवस्था, उसका उद्देश्य, व्यवस्थागत प्रणाली एवं नीतियों में व्यापक बदलाव करना है. अभी हम उच्च शिक्षा में इस बदलाव को व्यापक स्तर पर महसूस कर रहे हैं. अभी तक हमारे देश में उच्च शिक्षा प्रणाली शिक्षक केंद्रित हुआ करती थी, जो अब विद्यार्थी केंद्रित हो गयी है. विद्यार्थी केंद्रित का तात्पर्य है कि जो पाठ्यक्रम, कोर्स एवं कार्यक्रम विकसित होंगे, वे विद्यार्थियों की सुविधा, उपलब्धता एवं उनकी रोजगारपरक होने की सम्भावना के अनुसार होगा. कौशल, ज्ञान व नैतिकता आधारित समग्र शिक्षा प्रणाली का हिस्सा हो रहा है. वर्तमान व्यवस्था में बहुविषयक शिक्षा की कोई संभावना नहीं रहती थी एवं विषयों का चुनाव व्यवस्था के अनुरूप करना विद्यार्थियों की मजबूरी थी, परन्तु अब बहुविषयक ही नहीं, अपितु ट्विन (जुडवा) डिग्री भी विद्यार्थी आसानी से कर सकते हैं. विभिन्न विषयों के बीच जो गहरी खाई होती थी, को अब लचीलापन के साथ-साथ व्यवस्था को स्वीकार्य भी बनाने का प्रयास भी किया गया है. इसके अलावा भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विशेष बल देने से अपनी पुरातन परंपराओं को जानने के साथ-साथ बच्चों का नैतिक विकास जो समाज के अनुरूप हों, में सहायक होगा. उच्च शिक्षा पुरी तरह समाज एवं अनुसंधान पर आधारित कर के नई व्यवस्था के तहत परिकल्पना की गई है. डबल डिग्री (दोहरी उपाधि) की परिकल्पना एवं क्रेडिट बैंक की सहायता से डिग्री लेने की शर्तों को भी लचीलापन बनाया गया है. अभी जो वर्तमान व्यवस्था है चाहे वह नामांकन की हो, निकास की हो या मूल्यांकन की हो या छात्रों की भागीदारी की, उसे लचीला बनाया गया है, परन्तु क्या वर्तमान में जो विश्वविद्यालय हैं, जो शिक्षा व्यवस्था की आधारभूत संरचना है, उसको संचालित करने वाले लोग हैं? इस नई व्यवस्था को अंगीकार करने की स्थिति में हैं? भारत सरकार द्वारा संपोषित कुछ राष्ट्रीय महत्त्व की संस्थाएं, केन्द्रीय विश्वविद्यालय कुछ हद तक अंगीकार कर भी सकते हैं और इसे धरातल पर उतारने की कोशिश कर रहे हैं, परन्तु राज्य सरकार द्वारा संपोषित विश्वविद्यालय इस व्यवस्था को कैसे अंगीकार करेंगे, यह एक चुनौती है. राज्य के विश्वविद्यालयों के पास न तो अच्छी आधारभूत संरचना है, न ही उनके परिपक्व व्यवस्था और न ही उनकी शासन व्यवस्था में लचीलापन है. हमारी शिक्षा व्यवस्था संख्या के आधार पर सबसे बड़ी है. प्राथमिक शिक्षा के लिए 87 लाख शिक्षक हैं, 14,94,052 प्राथमिक स्कूल हैं. अगर उच्च शिक्षा की बात करेंगे तो 15.57 लाख शिक्षक हैं और 4.13 करोड विद्यार्थियों की संख्या है. इतनी संख्या के बाद भी हमारा ग्रॉस इनरॉलमेंट (सकल नामांकन) अनुपात 27:3 ही है. क्या विद्यार्थी केन्द्रित व्यवस्था बनाने के लिए इतने शिक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था है? अगर हम सकल नामांकन अनुपात को विकसित देश बनाने के लिए बढ़ाकर अन्य विकसित देशों के समतुल्य करते हैं जैसे अमेरिका का सकल नामांकन अनुपात 86%, चीन का 50% एवं रूस का 82% है तो क्या हमारी सरकारें, हमारी शिक्षा व्यवस्था, हमारे संसाधन इसे समायोजित कर पाएंगे? क्या सरकारों की आर्थिक स्थिति इसे स्वीकार करने योग्य है? अभी क्या हमारी सामाजिक एवं समाज की उच्च शिक्षा में स्वीकार्यता है. 2018 के आंकड़े के अनुसार अभी भी कुछ 27.3% ही अनुसूचित जाति और जनजाति के लोग स्कूलों में नामांकन ले पाते हैं. भारत में जो पिछड़े प्रदेश हैं और भारत की आबादी के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व भी करते हैं, उनका आज भी सकल नामांकन अनुपात देश के औसत अनुपात से कम है और उन प्रदेशों में बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली इत्यादि शामिल हैं. आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलांगना इत्यादि इसमें 60% से ज्यादा है और यह औसत से अधिक है. यह एक व्यवस्था के लिए चुनौती है और सरकारों को इसके लिए केंद्रित होकर काम करना पड़ेगा. अपने देश में विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों का फैलाव भी एक चुनौती है. कुल 1113 विश्वविद्यालय अपने देश में संचालित हैं, जिसमें 43% विश्वविद्यालय एवं 61.4% कॉलेज ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित हैं और ग्रामीण क्षेत्र के कारण इनकी अपनी भौगोलिक चुनौतियां हैं और इन्हें बिना समतुल्य बनाये हम एक विकसित भारत की परिकल्पना नहीं कर सकते हैं. अगर उच्च शिक्षा में अनुसंधान की बात करें तो वैज्ञानिक शोध पत्रों के प्रकाशन में हम बहुत आगे बढ़े हैं और 2018 के आंकड़ों के अनुसार कुल 135788 शोध पत्र प्रकाशित हुए, जो विश्व के कुल प्रकाशित शोध पत्रों का 5.31% है और इसमें भारत तीसरे पायदान पर है. चीन 20.67% तथा अमेरिका 16.54% की हिस्सेदारी के साथ भारत से ऊपर हैं. अभी हमें अपने राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए 3.8 गुणा स्कोपस डाटाबेस में एवं 3.4 गुणा वेब ऑफ साइंस के डाटाबेस में शोध पत्रों की संख्या बढ़ानी होगी. यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है. एक और इससे संबंधित चुनौती है साहित्यिक चोरी. भारत में प्रकाशित शोधपत्रों में से कुल 16,720 शोध पत्रों जो की चोरी या उनका समानता इंडेक्स जो दूसरो के शोध पत्रों के साथ अधिक है, के साथ विश्व में पहले पायदान पर खडा है. शोधपत्रों के प्रकाशन की आपाधापी में यह गंभीर मसला है और इसे नियंत्रित करना पड़ेगा. उच्च शिक्षा में एक और महत्वपूर्ण पैमाना है और वह है पेटेंट. 2013 के आंकड़ों के अनुसार अपने देश के दस लाख की आबादी पर केवल 17 पेटेंट फाइल होते हैं, जबकि जापान में 3716, अमेरिका में 910 दाखिल करते हैं. यह पैमाना भारत की आत्मनिर्भरता में बहुत सहायक होगा. इन चुनौतियों के साथ-साथ सबसे दुखद पहलू है शिक्षण संस्थाओं की दुर्दशा.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

शिव-शक्ति की अभिन्नता

एक बार ऋषि, मुनियों तथा देवताओंने मिलकर वेद-समुद्र का मंथन किया. जब वेदों का मंथन किया गया तो उसमें से मंत्र निकले और ऋषि, मुनि तथा देवताओं ने मंत्रों का बंटवारा कर लिया. जो कर्मकांडी मुनि थे, उन्होंने कर्मकांड के यज्ञ के मंत्र ले लिए. जो ज्ञानी और वेदांती थे, उन्होंने वेदांत के मंत्र ले लिए. इस प्रकार सबने अलग-अलग मंत्र बांट लिए, पर अंत में उस मंथन में 'राम-नाम' भी निकला था. ऋषिमुनियों ने सोचा कि बड़े-बड़े मंत्र तो ठीक हैं, भला इन दो अक्षरों का क्या महत्व है ? वस्तुतः वे बेचारे पहचान नहीं पाए कि अमृत तो यही है, सार यही है. परंतु शंकरजी ने कहा, भाई ! सारा वेद आप लोग ले जाइए. बस ये दो अक्षर हमें दे जाइए ! इतना कहकर शंकरजी ने दोनों अक्षरों 'राम' को उठाकर मुख में धारण कर लिया. अगर एक ओर सैकड़ों मंत्र हों और दूसरी ओर 'राम-नाम' हो, तो व्यक्ति का तराजू तो यही कहेगा कि मंत्रों वाला पलड़ा भारी है. लेकिन शंकरजी के गणित में और हम लोग के गणित में बहुत बड़ा अंतर है. शंकर जी का गणित बड़ा विचित्र है. शास्त्रों के अनुसार पार्वती जी नित्य सहस्रनाम का जप करती हैं और एक दिन भगवान शंकर के भोजन का समय हो गया, लेकिन पार्वती जी का पाठ पूरा नहीं हुआ था. इसलिए उन्होंने कहा कि पाठ पूरा हुए बिना मैं भोजन कैसे करूं ! शंकर जी ने एक श्लोक पढ़कर कहा पार्वती! राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे, सहस्त्रनाम तत्तुल्यं राम नाम वरानने. वस्तुतः तुम जिस सहस्रनाम का पाठ करती हो, केवल एक 'राम-नाम' से ही उसके फल की प्राप्ति होती है. इसका सीधा-सा अभिप्राय है कि संसार में विस्तार का महत्व है और भगवत्तत्त्व में संक्षेप का महत्व है. एक व्यक्ति जब वृक्ष को देखता है, तो उसकी दृष्टि उसके बड़प्पन, उसकी ऊंचाई पर जाती है और दूसरा व्यक्ति देखता है कि उसके मूल में बीज कितना छोटा-सा है ! यद्यपि बीज तो छोटा होगा ही, लेकिन बुद्धिमान व्यक्ति जानता है कि बीज में ही वृक्ष समाया हुआ है. पार्वतीजी भगवान शंकर की बात मानकर 'राम-नाम' लेकर भगवान शंकर के साथ भोजन कर लेती हैं. सहसनामसम सुनि शिवबानी, जपि जेई पिय संग भवानी.

आर्थिक बदहाली में होगा पाक में चुनाव ?

• देशांतर

जी. पार्थसारथी

पिछले दिनों विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में जिस तरह अनाड़ी कहे जाने वाले अफगान खिलाड़ियों के हाथों पाकिस्तान टीम की शर्मनाक हार हुई, उससे पाकिस्तानी अवाम बहुत मायूस हुई. कभी क्रिकेट जगत को दिए अपने सबसे काबिल खिलाड़ियों के गौरवमयी इतिहास की विरासत पर नाज़ करना और इसके बने रहने की आस करना स्वाभाविक भी है, लेकिन हालिया हार ने देश में मुश्किल आर्थिक हालातों से पहले से व्याप्त मायूसी में और इजाफा कर दिया. लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति (फिलहाल 29.5 फीसदी) के बीच पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि असामान्य रूप से महज 0.5 प्रतिशत दर्ज हुई है. मौजूदा ब्याज दर (22 प्रतिशत) होने से देश में व्यापारिक गतिविधियां बर्बादी के कगार पर हैं. चंद हफ्ते पहले, पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 4.19 बिलियन डॉलर रह गया है, जिससे केवल एक महीने का आयात संभव है, वह भी जो बहुत-सी बंदिशों के बाद करना जरूरी है. यह स्थिति न केवल अर्थशास्त्रियों के लिए, बल्कि आम लोगों के लिए एक दुःस्वप्न है, हालिया भयंकर बारिश और अचानक आई अभूतपूर्व बाढ़ से देशभर में 3.3 करोड़ लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. सैलाब में लगभग 10,000 लोगों की मौत और तकरीबन 10 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ बताया गया है. आर्थिक दुश्चक्र के अलावा ऐसी राजनीतिक घटनाएं हुई हैं, जिसके कारण इमरान खान सरकार को जाना पड़ा. उनकी जगह शाहबाज़ शरीफ ने ली, जो पंजाब के सफल मुख्यमंत्री रह चुके हैं. हालांकि केंद्र में आकर उन्हें खस्ताहाल आर्थिकी और देशभर में व्याप्त ध्रुवीकरण से जूझना पड़ा. अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष द्वारा रखी गई कड़ी शर्तों के सामने झुकने और अंततः पूरा करने से पहले, पाकिस्तान को समझौते के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. सारी सहायताओं के बावजूद, पाकिस्तान अभी भी विदेशी खैरात पर गुजर करने वाला एक मुल्क है. अपनी तंगदस्ती से वक्ती राहत पाने को वह समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और पड़ोसी अरब मित्र देशों, खासकर सऊदी अरब और यूएई से मिली आर्थिक सहायता पर निर्भर है. इसी बीच जनरल असीम मुनीर, जो पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा के खासमखास थे, सेना प्रमुख बन गए. जनरल मुनीर के ज़हन में अवश्य ही वे यादें होंगी, जब इमरान खान ने उन्हें आईएसआई प्रमुख होने से महरूम रखा था और गैर-महत्वपूर्ण ओहदे देकर इधर-उधर घुमाते रहे. इस घटनाक्रम ने एक ओर इमरान खान तो दूसरी तरफ जनरल मुनीर के नेतृत्व वाली सेना के बीच 'सब जायज है' वाली तनातनी की स्थिति बना दी. इमरान खान के खिलाफ अनेक मामले दर्ज किए गए हैं. हालांकि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश फैज़ ईसा का झुकाव उनको बचाने की ओर है, लेकिन मुख्य न्यायाधीश ईसा की राह भी अब उतनी आसान नहीं रही, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति के उपरांत कनिष्ठ सहयोगियों की नज़र इस ओहदे पर है और उनके अंदर न तो इमरान खान को बचाने में फैज़ ईसा जितना चाव है और न ही वे ऐसा करके सेना की नाराज़गी मोल लेना चाहेंगे, जो आज भी मुल्क में बहुत ताकतवर और प्रभाव रखती है. इन सबके बीच, देश चुनावी लय पकड़ चुका है. जनवरी, 2024 में संसदीय चुनाव करवाने का कार्यक्रम है. उम्मीद करें कि पाकिस्तान की चुनाव मशीनरी, कानून एवं व्यवस्था और सेना की मदद से ऐसा प्रबंध करवा पाएगी, जो आगामी राष्ट्रीय चुनाव सफलतापूर्वक करवाने को जरूरी है. वर्तमान में तिथियां अगले साल जनवरी माह में करवाए जाने की हैं. जनरल मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के लिए आगे भी विकटता बनी रहेगी, खुद सेना के अंदर जनरल मुनीर को लेकर मतभेद हैं, क्योंकि उन्हें यह ओहदा पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा की 'आंख का तारा' होने की वजह से मिला है. खुद बाजवा के करिश्माई नेता इमरान खान से तीखे मतभेद हैं. लिहाजा ऐसी संभावना कम ही है कि इमरान खान कथित स्वतंत्र और पारदर्शी संसदीय चुनाव में बहुमत ले पाएंगे. शाहबाज़ सरकार ने इमरान खान पर अनेक मामले दर्ज किए थे और इस काम में उनकी पीठ पर सेना का हाथ था. इसके अलावा, इमरान खान ने अपने घमंडी और शाही मिजाज़ से राजनीतिक बिरादरी में कई मित्र गंवा दिए हैं, इनमें भी सबसे अहम है सेना के शीर्ष नेतृत्व में, जो अब उनकी चुनावी हार करवाने पर आमादा है. उधर जनरल बाजवा से निकट संबंध होने के बावजूद जनरल मुनीर, धार्मिक आधार पर बंटे और सुन्नियों के दबदबे वाले पाकिस्तान में एक शिया सेनाध्यक्ष हैं.

> 2024 में संसदीय चुनाव करवाने का कार्यक्रम है. उम्मीद करें कि पाकिस्तान की चुनाव मशीनरी, कानून एवं व्यवस्था और सेना की मदद से ऐसा प्रबंध करवा पाएगी, जो आगामी राष्ट्रीय चुनाव सफलतापूर्वक करवाने को जरूरी है. वर्तमान में तिथियां अगले साल जनवरी माह में करवाए जाने की हैं. वर्तमान में तिथियां अगले साल जनवरी माह में करवाए जाने की हैं.

निर्वाचकों से किए वायदें विवादास्पद क्यों ?

• सामयिक

पीयूष पाठक

संगठित राजनीतिक दलों द्वारा निर्वाचकों को किए जाने वाले चुनावी वायदे वाला पहलू ज्यादा विवादास्पद है तथा और अधिक गहराई से पड़ताल की मांग करता है. ये चुनावी वायदे राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के उद्देश्य से मतदाताओं से किए जाते हैं. इस स्थिति में निर्वाचन, मतदाताओं तथा उम्मीदवारों के मध्य एक करार बन जाता है, जिसे चुनाव जीतने के बाद निर्वाचित उम्मीदवारों द्वारा पूरा किए जाने की उम्मीद की जाती है. सरकारों द्वारा नागरिकों को कुछ मुफ्त सुविधाएं या नकदी देना अथवा विपक्षी दलों द्वारा सत्ता में आने पर मतदाताओं को भविष्य में मिलने वाली सुविधाओं के मूल्यांकन में व्यक्तिनिष्ठ दृष्टिकोण हावी रहता है. राजनीतिक चश्मे से देखे जाने पर जिस घोषणा को एक दृष्टिकोण से 'लोकलुभावन' कहा जा रहा हो, उसे अन्य दृष्टिकोण से विचार करने पर 'कल्याणकारी' समझा जा सकता है. राजनीतिक दल भी अपनी सुविधा के अनुसार विपक्षी दलों द्वारा निर्वाचकों को किए गए वायदों को 'रेवड़ी' तथा अपने द्वारा किए गए वायदों को 'लोक कल्याणकारी राज्य की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने' के रूप में किए गए वायदे के रूप में देखते हैं. अब महत्त्वपूर्ण सवाल आता है कि क्या राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को किए जाने वाले चुनावी वायदों से लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर होती है? इसका कोई वस्तुनिष्ठ उत्तर नहीं है. इसका उत्तर इस बात पर निर्भर करता है कि लोकतंत्र के प्रति हमारी धारणा कैसी है और हम किन मूल्यों या वस्तुओं को महत्त्वपूर्ण मानते हैं. प्राथमिक स्वास्थ्य तथा बुनियादी शिक्षा की व्यवस्था करना राज्य का प्राथमिक दायित्व है. इन सुविधाओं की पहुंच तथा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सरकारी धन की व्यवस्था करने में शायद ही किसी को आपत्ति होगी. इसी तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अति गरीबों को लगभग मुफ्त में अनाज उपलब्ध कराया जाना भी राज्य के प्राथमिक दायित्व की श्रेणी में आता है. कृषि उत्पादन प्रोत्साहित करने के लिए दी जाने वाली राजसहायता (सब्सिडी) के बारे में भी इसी तरह की धारणा बनाई जा सकती है. सब्सिडी के कई रूप हो सकते हैं, जैसे कृषि तकनीकी पर शोध के लिए दिए जाने वाले अनुदान, सिंचाई की सुविधा बढ़ाने हेतु नलकूप लगाने के लिए सब्सिडी, किसी विशेष फसल के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाना तथा उर्वरकों, बीजों अथवा कीटनाशकों के लिए दी जाने वाली सब्सिडी आदि. इसी प्रकार सरकारों द्वारा औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रोत्साहन तथा मंदी से उबरने के लिए बेलआउट पैकेज की घोषणा अथवा किसी विशेष सेवा के विस्तार हेतु नियमों वा शर्तों में छूट आदि इसी श्रेणी में आते हैं. प्रथमदृष्टया राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को चुनाव पूर्व किए गए वायदे उन्हें प्रभावित करके सत्ता पाने का साधन लग सकते हैं, परंतु लोकतंत्र निष्पक्ष चयन की स्वतंत्रता पर आधारित राजनीतिक व्यवस्था है. निष्पक्षता का मापदंड यह है कि खेल के नियम व शर्तें सभी के लिए एकसमान हों तथा खेल शुरू होने के बाद उन्हें बदला न जाय. यदि चुनावपूर्व वायदों को मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयास के रूप में देखने के आधार पर प्रतिबंधित कर दिया जाए तो इस आधार पर सत्ताधारी दल बढ़त में आ जाएगा. यद्यपि संवैधानिक रूप से विधानमंडल राजकोष का न्यासी होता है, परंतु व्यावहारिक रूप में सत्ताधारी दल को चुनावी फायदे के लिए राजकोष से व्यय करने के व्यापक अधिकार मिल जाते हैं. दूसरे, कथित लोकलुभावन चुनाव पूर्व वायदों पर रोक लगाने के मामले में यह धारणा निहित है कि मतदाताओं के पास विवेकसम्मत तरीके से चयन की शक्ति नहीं है और वे किसी लालच के वशीभूत होकर 'उचित' निर्णय ले पाने में सक्षम नहीं हैं, जबकि लोकतंत्र का मूल आधार इसी धारणा पर आधारित है कि सामान्य हित की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति विमर्श के माध्यम से निःसृत होती है, जिसका साधन निष्पक्ष निर्वाचन है. तीसरा, राजनीतिक दलों को चुनाव पूर्व किए गए वायदों से रोके जाने पर यह मतदाताओं को राजनीतिक दलों से संभावित सौदेबाजी को भी प्रतिबंधित कर देगा. व्यावहारिक रूप से लोकतंत्र नागरिकों तथा सरकार के मध्य सौदेबाजी की प्रक्रिया है. सौदेबाजी के माध्यम से कमजोर सामाजिक तबके राजनीति में दावेदारी करके अपने आपको सशक्त बनाते हैं. अगर सौदेबाजी के अर्थ को विस्तार दिया जाए तो कमजोर सामाजिक समूहों द्वारा यह सौदेबाजी सरकार के संभावित दावेदारों अर्थात राजनीतिक दलों के साथ भी की जा सकती है.

> प्राथमिक स्वास्थ्य तथा बुनियादी शिक्षा की व्यवस्था करना राज्य का प्राथमिक दायित्व है. इन सुविधाओं की पहुंच तथा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सरकारी धन की व्यवस्था करने में शायद ही किसी को आपत्ति होगी. खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अति गरीबों को लगभग मुफ्त में अनाज उपलब्ध कराना प्राथमिक दायित्व है.

मीडिया में अन्यत्र

डेटा सुरक्षा में सेंधमारी

देश के नागरिक सरकारी एजेंसियों के सुरक्षा उपायों पर भरोसा करके अपनी निजी संवेदनशील जानकारी विभिन्न सरकारी सुविधाओं की जरूरत के लिए उपलब्ध कराते हैं. विभिन्न योजनाओं के लिए अनिवार्य रूप से निजी जानकारी उपलब्ध कराने को लेकर गाहे-बगाहे बहस चलती रहती है कि क्या अपनी निजी व गोपनीय जानकारी सरकार की किसी योजना हेतु देने की बाध्यता है. कुछ लोग इसे निजता में अतिक्रमण मानते हैं. इसकी एक आशंका यह भी रही है कि ऑनलाइन सेवाओं व सुविधाओं के विस्तार के बाद नागरिकों के डेटा की फुलप्रूफ सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकी है. नागरिकों की यह आशंका उस समय हकीकत में घटित होती दिखी जब अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी फर्म रिसिक्योरिटी ने दावा किया कि करीब 81.5 करोड़ भारतीय नागरिकों की निजी जानकारी बदनाम डार्क वेब पर बिक्री के लिए उपलब्ध है. कहा जा रहा है कि कोविड टीकाकरण के पंजीकरण के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा नागरिकों के आधारकार्ड के जरिये यह निजी जानकारी जुटाई गई थी.

बताया जाता है कि कथित तौर पर यह जानकारी कोविड-19 के टीकाकरण रिकॉर्ड से निकाली गई है. निस्संदेह इस खबर ने भारतीय नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर चिंता बढ़ा दी है. यह जांच का विषय है कि कैसे इतने बड़े पैमाने पर नागरिकों का डेटा हैकरों द्वारा उड़ा लिया गया. इस गंभीर मामले की तह तक जाने की जरूरत है. यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिकी फर्म की यह रिपोर्ट भारत सरकार द्वारा डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून लागू करने के कुछ ही माह बाद आई है. यह कानून डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करता है. आज यह जरूरी है, ताकि देश में डेटा की चोरी व छेड़छाड की तमाम घटनाओं पर अंकुश लग सके. यह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए कि वर्ष 2022 में दुनियाभर में डेटा के दुरुपयोग के जो 2.29 बिलियन मामले दर्ज किये गये, उनमें से 20 फीसदी मामले भारत में सामने आए. इससे पहले भी जून में मीडिया में कुछ रिपोर्टें प्रकाशित हुई थीं. (दैनिक ट्रिब्यून)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बाद/वाद

यह अकाट्य सत्य है भाई कर लो चाहे जितना वाद-विवाद. नहीं किसी को कुछ भी मिलता बिना मौत मरने के बाद. इस छंद का आशय यही है कि यह ऐसी सच्चाई है, जिसपर चाहे जितना भी वाद-विवाद कर लिया जाए, बिना मौत मरने के बाद किसी को कुछ भी नहीं मिल पाता. आप कहेंगे कि कोई भी आदमी मरता है तो उसका मरना मौत ही तो होती है. आपका कहना सही है, लेकिन इस छंद में प्रयुक्त बिना मौत का लाक्षणिक अर्थ है आत्महत्या करना. इस विषय पर पहले भी बहुत वाद-विवाद हो चुका है और आज के बाद में भी होता रहेगा. फिलहाल इस छंद के माध्यम से हमें दो शब्द मिलते हैं-पहला वाद और दूसरा बाद. ये दोनों शब्द श्रुतिसम भिन्नार्थक हैं. मतलब सुनने में तो एक जैसे लगते हैं, लेकिन मायने-मतलब से बिल्कुल अलग हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार वाद शब्द का मतलब है किसी तत्व या सिद्धांत पर होनेवाली बात, उक्ति, कथन, तर्क-वितर्क, बहस, विवरण, दलील, बोलना, कहना, अभियोग, मुकदमा, अफवाह, किंवदंती, व्यवस्थित मत या सिद्धांत. वाद एक प्रत्यय भी है, जिसका प्रयोग किसी शब्द के अंत में होता है और उसका विशिष्ट अर्थ निकलता है. जैसे नारीवाद, साम्यवाद, अवसरवाद. न्यायालय में मुकदमा करनेवाले को वादी कहा जाता है. वाद से कई शब्द बनते हैं. जैसे वादन यानी वाद्ययंत्र बजाना, बोलना, वादग्रस्त यानी विवादास्पद, वादक यानी बजानेवाला. जब हम बाद शब्द की खोज-खबर लेते हैं तो पता चलता है कि यह अरबी मूल का शब्द है, जिसका मतलब है पश्चात, अलग हटाया या छोड़ा हुआ, अतिरिक्त. बाद के निकट लगनेवाला शब्द है बादी, लेकिन यह बाद से कोई मतलब नहीं रखता.यानी अलग है. बादी का मतलब संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में है शरीर में वायु का प्रकोप. इसी प्रकार बादी शब्द का मतलब विशेषण के रूप में है वायु विकार से संबंधित, वायु का, शरीर में वायु विकार उत्पन्न करनेवाला, जो वात विकार बढ़ाये.

सजन मत जा, कहीं मत जा...!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

वह बार बार रटे जा रही थी - सजन मत जा, कहीं मत जा. ऐसा लगता था मानों सजन उसे छोड़ कर जाने की जिद किए बैठा हो. जबकि जहां तक मैं समझता हूं, उसे संभवतः ऑफिस जाने की जल्दी थी. शायद वह इस बात को समझती भी थी. तभी तो 'सजन मत जा' जुमले को या कहें बोल को, कुछ इस तरह गाए चली जा रही थी कि उसके दुहराव में 'जा सजन जा' के आदेश की भी झलक मिल जाती थी. जब तक वह गाती रही, मैं उसके बोल से बड़ा भ्रमित रहा. आखिर वह चाहती क्या है ? सजन जाए या न जाए ? शास्त्रीय संगीत की तो बात ही अलग है. यह पूरी तरह शास्त्रीय होता है. जैसा शास्त्रों में लिखा है बस, वैसे ही गाया-बजाया जाता है. एक भी स्वर इधर से उधर नहीं हो सकता. लेकिन सिर्फ स्वरों को सुनने के लिए भी तो अपना कान एकदम शास्त्रीय होना चाहिए. अब आम आदमी के पास ऐसा शास्त्रीय कान भला कहां से आए? लेकिन प्रजातंत्र में हर चीज़ को आम आदमी तक पहुंचाना ज़रूरी है. शायद इसीलिए शास्त्रीय संगीत में "बोल" जोड़ दिए गए. भले स्वर न समझे, 'सजन मत जा' – इन बोलों को तो सभी समझ सकते हैं, लेकिन इन बोलों को जब स्वरों के उतार-चढ़ाव में ढाला जाता है, भ्रम की स्थिति तभी पैदा होती है. बेचारा संगीतज्ञ युगों से रटता चला जा रहा है, सजन मत जा, लेकिन सजन को वह अभी तक मना नहीं पाया. गलती सजन की भी नहीं है. "कल न परे दिन रैन" , "बलमा नहीं आए' आदि, कुछ बोल भी इसी केटगरी के हैं. ये सिर्फ गाने वाले का ही चैन लूटते हैं. मुझे बड़ा तरस आता है उस पर. अधिकतर श्रोता तो मज़े में हैं उनकी पत्नियां / पति तो घर पर ही हैं. पर उन्हें अनावश्यक रूप से इस प्रकार बेकल क्यों किया जा रहा है ? उनका तो आज भी सुरक्षित है और भगवान् ने चाहा तो कल भी सुरक्षित ही रहेगा. बेचारी एक संगीताकांक्षी शिष्या अपने गुरु के समक्ष बड़ी शिद्दत से यह तराना छेड़ बैठी, "तनन तनन देदे ना दाता रे !" आप गले से गले मिल सकते हैं, अभिवादन के लिए हाथ मिला सकते हैं. लेकिन कम से कम शारीरिक रूप से आंख से आंख नहीं मिला सकते. आपकी खुद की आंखें तो एक दूसरे से कभी मिल ही नहीं सकतीं. दूसरे की आंख से अपनी आंख मिलाना भी असंभव ही है. लेकिन भाव-विव्हल नायिका, ज़रा गौर करें, बड़े आराम से सार्वजनिक मंच से गाती फिरती है – नैन सू नैन मिले !

कैंसर अवेयरनेस डे

7.89 लाख 2021 में भारत में कैंसर के कारण अनुमानित मृत्युदर थी.

08.8 लाख 2022 में भारत में कैंसर के कारण अनुमानित मृत्युदर थी.

08 मिनट में एक महिला सर्वाइकल कैंसर से अपनी जान गवां बैठती है.

2020 की रैंकिंग में डब्ल्यूएचओ ने कैंसर के मामलों में भारत को चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर रखा था.

02 लाख केस (लगभग) भारत में ब्रेस्ट कैंसर के सलाना आते हैं.

03 लाख केस (लगभग) भारत में हर साल मुंह के कैंसर के आते हैं.

01 लाख केस (लगभग)भारत में सलाना फेफड़ों के कैंसर के होते हैं.

डॉ गुंजेश कुमार सिंह
एचओडी, अंकोलॉजी डिर्पाटमेंट, मेडिका, रांची

ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी (जीसीओ), ग्लोबोकॉन और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों का हवाला देते हुए अमेरिका के ओहियो स्थित क्लीवलैंड क्लिनिक के हेमेटोलॉजी एंड मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. जामे अब्राहम ने भारत में कैंसर को लेकर चिंता जाहिर की है और आने वाले समय में इसके लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी दी है. दरअसल आंकड़ों से जाहिर होता है कि पिछले कुछ सालों में अपने देश में कैंसर के मामले में लगातार वृद्धि दर्ज हुई है और शोधों में इसके आगे भी बढ़ने की आशंका जाहिर की गई है.

कैंसर केवल भारत के ही माथे पर शिकन नहीं डाल रहा, यह पूरी दुनिया में बेलगाम बढ़ रहा है. कारणों में हमारी गलत लाइफस्टाइल अव्वल है. गलत खानपान, स्मोकिंग, ड्रिंकिंग, प्रदूषण, पेस्टिसाइड्स और केमिकल से संक्रमित भोजन का सेवन कैंसर के प्रमुख कारण हैं. कैंसर की वजहों में ह्यूमन पेपिलोमावायरस इंफेक्शन (एचपीवी), हेपेटाइटिस बी और सी जैसी संक्रमण वाली बीमारियां भी शामिल हैं. ये लिवर, ब्रेस्ट और सर्वाइकल और मुंह के कैंसरों की वजह बनती हैं. हेपेटाइटिस बी और सी लिवर कैंसर का सबसे बड़ा रिस्क फैक्टर है. एचपीवी ओरल और सर्वाइकल कैंसर का सबसे बड़ा कारण है.

हमारा शरीर खरबों कोशिकाओं से निर्मित है. शरीर का छोटे से बड़ा अंग करोड़ों कोशिकाओं से मिलकर बनता है. ये कोशिकाएं शरीर की आवश्यकताओं के अनुसार बढ़ती और विभाजित होती हैं. लेकिन जब शरीर की कोशिकाएं जरूरत के बिना अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगें तो यह स्थिति कैंसर को जन्म देती है. एक बार कैंसर हो जाने के बाद इसके पूरे शरीर में फैलने की आशंका होती है. ऐसे में जितनी जल्दी इसकी पहचान हो, उतना अधिक हमारे स्वस्थ होने की संभावना बढ़ जाती है.

कैंसर से डरें नहीं, लड़ें

इन कैंसर का हमें सबसे अधिक खतरा

ब्रेस्ट कैंसर

भारत में महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों का दूसरा सबसे आम कारण है ब्रेस्ट कैंसर है. इसके जिम्मेवार कारणों में उम्र, आनुवंशिकी, हार्मोनल असंतुलन, शराब, लाइफस्टाइल, व्यायाम की कमी और अस्वास्थ्यकर आहार की चर्चा की जाती है. जिन महिलाओं के निकट परिजनों को ब्रेस्ट कैंसर होता है, उनमें इस बीमारी के विकसित होने की आशंका अधिक होती है.

फेफड़े का कैंसर

फेफड़े का कैंसर भारत में दूसरा सबसे आम कैंसर है. यह कैंसर मुख्य रूप से धूम्रपान और प्रदूषित धुएं के संपर्क में आने की वजह से होता है. कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि 40 फीसदी ऐसे मामले हैं जो टोबैको रिलेटेड कैंसर(टीआरसी) यानी तंबाकू के सेवन की वजह से होते हैं. इसके अलावा वायु प्रदूषण, रेडॉन गैस के संपर्क में आना और पारिवारिक इतिहास भी इसके कारणों में शामिल हैं.

सर्वाइकल कैंसर

सर्वाइकल कैंसर भारतीय महिलाओं में पाया जाने वाला कैंसर का तीसरा सबसे आम प्रकार है. कैंसर का यह प्रकार मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) वायरस की वजह से होता है. साथ ही असुरक्षित यौन संबंध, एक से ज्यादा लोगों से यौन संबंध, धूम्रपान, पोषण की कमी, कमजोर रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता आदि कारण भी इसके लिए जिम्मेवार हैं.

ओरल कैंसर

ओरल कैंसर पीड़ित के मुंह को प्रभावित करता है. इसके कारणों में मुख्य रूप से तंबाकू उत्पादों जैसे सिगरेट, बीड़ी और गुटका आदि को उपयोग को जिम्मेदार माना जाता है. साथ ही शराब का सेवन और कमजोर रोगप्रतिरोधात्मक क्षमता भी मुंह के कैंसर की वजह बन सकती है.

पेट का कैंसर

यह कैंसर पेट की परत को प्रभावित करता है. हेलिकोबैक्टर पाइलोरी का पुराना संक्रमण इसके लिए मुख्यतः जिम्मेदार है. इसके अलावा धूम्रपान, पारिवारिक इतिहास और गैस्ट्राइटिस और पेप्टिक अल्सर जैसी कुछ चिकित्सीय स्थितियां भी कारणों में शामिल हैं.

बचाव

बेशक कैंसर एक खतरनाक बीमारी है लेकिन जीवनशैली में बदलाव और कैंसर बढ़ाने वाले रिस्क फैक्टर को दूर कर इसके 30 से 50 प्रतिशत खतरे से बचा जा सकता है. जल्दी जांच, सही इलाज और देखभाल बचाव का रास्ता दिखाते हैं.

- स्मोकिंग व शराब से दूर रह कर एक बड़े कारक से बचते हैं.
- हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की रिसर्च के अनुसार, कैंसर बढ़ने का कारण मोटापा भी है. शरीर में फैट होने पर कैंसर कोशिकाएं तेजी से बढ़ती हैं. इसलिए ओवर वेट होने से बचें.
- शोधों से जाहिर हुआ है कि फल और सब्जियों में कैंसर का खतरा कम करने वाले तत्व पाए जाते हैं. इसलिए थाली में अधिक से अधिक रंग-बिरंगे फल-सब्जियों को शामिल करें.
- कई अध्ययनों में पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से व्यायाम करते हैं, उनमें कैंसर होने का खतरा फिजिकली एक्टिव ना रहने वाले लोगों की तुलना में कम होता है.
- कैंसर से बचने के लिए एचपीवी और हेपेटाइटिस बी का टीका जरूरी है.
- अल्ट्रावायलेट रेडिएशन जो मुख्य रूप से सूरज की रोशनी और कृत्रिम प्रकाश उपकरणों (आर्टिफिशियल लाइट्स डिवाइसेस) के संपर्क में आने के परिणामस्वरूप होता है) से बचाव जरूरी है. अधिकांश त्वचा कैंसर सूर्य के प्रकाश में यूवी किरणों के संपर्क में आने के कारण होते हैं.
- प्रदूषण से भी कैंसर होता है. वायु प्रदूषण में रेडॉन होता है. रेडॉन यूरेनियम से उत्पन्न होने वाली एक रेडियोएक्टिव गैस है जो धूल के साथ इमारतों, घरों, स्कूलों और कार्यस्थलों में जमा हो सकती है .जब सांस के जरिए यह आपके अंदर जाती है तो इसके रेडियोएक्टिव पार्टिकल (कण) आपके फेंफड़ों में फंस जाते हैं. समय के साथ ये रेडियोएक्टिव पार्टिकल फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ाते हैं.

इलाज इस तरह होता है

- कैंसर के इलाज में सर्जरी अहम है जिसके जरिए शरीर से ट्यूमर हटाया जाता है.
- कीमोथेरेपी मेडिसिन के जरिए शरीर से कैंसर कोशिकाओं को खत्म किया जाता है और उनके ग्रोथ से बचाव किया जाता है.
- इम्यूनोथेरेपी के जरिए पीड़ित की रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ाई जाती है जिससे वह मजबूती से कैंसर का मुकाबला कर सके.
- टार्गेट थेरेपी सीधे कैंसर सेल को टार्गेट करती हैं और उन्हें खत्म करती हैं.
- एक्सरे या गामा रेज का इस्तेमाल भी कैंसर को खत्म करने के लिए किया जाता है.

चौथे स्टेज में नो सर्जरी

सर्जरी का निर्णय चिकित्सक कैंसर के तीसरे स्टेज तक ही लेते हैं. स्टेज चार में कैंसर कीमो थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और टार्गेट थेरेपी के जरिए उपचार किया जाता है. अब तक सच्चाई यही है कि स्टेज चार में पहुंचने पर कैंसर से मुक्ति नहीं मिलती, पर फिर भी न्यूतम कष्ट और जिंदगी के अधिकतम पल के लिए इनका इलाज किया जाता है. उम्मीद करते हैं कि आगे के शोध इन्हें भी कैंसरमुक्त होने व लंबी आयु जीने में मददगार होंगे.

शुक्रिया कैंसर

यह साल 2023 का नवंबर महीना है. अगर मेरी सांसें ऐसे ही चलती रहीं, तो दो महीने बाद जनवरी-2024 में कैंसर के साथ रहते हुए तीन साल हो जाएंगे. एक जनवरी को मैं 48 साल का भी हो जाऊंगा. अब इस कैंसर के साथ रहते हुए कई दफा लगता है कि मेरी 48 साल की जिंदगी ने जो तजुर्बा दिया, कैंसर ने उसके समानांतर तजुर्बा इन्हीं तीन सालों में दे दिया है. लिहाजा, शुक्रिया कैंसर. बस इन दोनों तजुर्बे का एक ही फर्क है, वह है इसकी कीमत. 48 साल की जिंदगी ने ख़ुशियों और सफलताओं-असफलताओं की कीमत पर ये अनुभव दिए, तो कैंसर ने तजुर्बे की बड़ी कीमत तय कर रखी है. वह मौत की कीमत पर यह तजुर्बा दे रही है. फिर भी कैंसर का धन्यवाद, क्योंकि उसने अंतिम स्टेज में भी मुझे लिखने-पढ़ने-बोलने की ताकत दी, मौके दिए. दुनिया भर के लोग नवंबर को लंग कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाते हैं, भारत में भी यह लंग कैंसर के प्रति जागरूकता का महीना है. अपने देश में इसके साथ 7 नवंबर को नेशनल कैंसर अवेयरनेस डे भी मनाया जाता है. इसलिए नवंबर की तीसों तारीखें हमारे लिए खास हैं.

मैं जनवरी 2021 से लंग कैंसर के स्टेज 4 का मरीज हूं. अब तक 47 बार कीमोथेरेपी करायी है. टारगेटेड थेरेपी की 1000 से अधिक गोलियां खायी है. कमसे कम 12 बार सीटी स्कैन और 2-2 बार एमआरआई और पेट स्कैन की मशीनों से गुजरा हूं. हर तीन महीने पर मुंबई स्थित अपने अस्पताल टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में फॉलोअप के लिए गया, तो कमसे कम 4 बार इमरजेंसी की कठिन परिस्थितियों रांची में मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में एडमिट होना पड़ा. एक बार गोड्डा के लाइफ़लाइन हॉस्पिटल में भी एडमिट हुआ. कैंसर के बाद कोविड-19 का संक्रमण हुआ. खून की बोतलें चढ़वायीं. फिर क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस और डायबिटीज़ जैसी दूसरी बीमारियां भी आ गईं. अब इन सबके साथ रहता हूं.

यह कठिन है लेकिन मैंने इसी पथरीले रास्ते पर चलते हुए अपनी बाकी बची ज़िंदगी को भरपूर तरीक़े से जीने का विकल्प चुना है. यह जानते हुए भी कि इसकी मंज़िल मौत है, मैं रोना नहीं चाहता. मैंने अपनी पत्नी संगीता के साथ इसी दौरान गोवा, शिरडी, श्रीनगर, गुलमर्ग, सोनमर्ग, देवघर, दार्जिलिंग और गंगटोक जैसे शहरों की यात्राएं की हैं. हमारी कुछ यात्राओं में बेटा प्रतीक भी हमारे साथ रहा है. हमने

समंदर के किनारे वाले डिस्को में पैर थिरकाए हैं, समंदर के पानी में मस्ती की, पैरासेलिंग की, पहाड़ों पर जमी बर्फ़ पर विशेष प्रकार की गाड़ियों में तफ़रीह की है, तो मंदिरों, दरगाहों और चर्च में प्रार्थनाएं भी की है. आगे की भी कई यात्राएं तय हैं. मतलब, हम अपनी जिंदगी जी रहे हैं, इलाज कराते हुए.

जानते हैं ऐसा कैसे संभव हुआ? यह इसलिए संभव हो सका कि कैंसर की चिकित्सा में कई नए रिसर्च हुए हैं. ऐसे रिसर्च हम जैसे मरीज़ों को अंतिम स्टेज में भी ऐसा करने की ताकत और अवसर दे रहे हैं. मुंबई के मेरे डॉक्टर कुमार प्रभाष और उनकी टीम में रहे किन्तु अब रांची में प्रैक्टिस कर रहे डॉक्टर गुंजेश कुमार सिंह की देखरेख में ऐसा संभव हो पा रहा है. इनके अलावा मुंबई के डॉ सुनील चोपड़े, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ दर्शित, डॉ महक त्रिखा, डॉ देवयानी, डॉ सायक डे, डॉ कौर, डॉ लक्ष्मा, डॉ श्रीलक्ष्मी के साथ रांची के डॉ कुमार सौरव, डॉ अंतरिक्ष कुमार, डॉ ऋषिकांत कुमार, डॉ कुमार प्रतीक, डॉ अंकित श्रीवास्तव, डॉ निशिथ कुमार, डॉ भारती कश्यप और उनके बेटे डॉ विभूति जैसे लोग समय-समय पर मुझे देखते रहे हैं, ताकि मैं ठीक रह सकूं.

ये सारी कहानी लिखने का उद्देश्य यह कि कैंसर से घबराएं नहीं. शरीर में कोई भी एब्नार्मलिटी दिखे तो तत्काल डॉक्टर के पास जाएं, उसकी जांच कराएं. जांच कराते रहेंगे तो कैंसर से बचेंगे. अगर खुदा न खास्ते कैंसर हो भी गया तो पहले, दूसरे और तीसरे स्टेज में यह क्योरेबल है. इसका प्रॉपर इलाज कराएं. अगर देर से डायग्नोस हुआ और कैंसर चौथे स्टेज में पहुंच गया, तब भी निराश नहीं हों. इलाज कराएं और अपनी जिंदगी जीने की कोशिश करें. ध्यान रखें कि कैंसर सिर्फ़ एक बीमारी है.

अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण बात. अगर पर्याप्त पैसे नहीं हैं, तो भी कई रास्ते हैं. आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना और प्रधानमंत्री राहत कोष से कैंसर के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मिलती है. अगर आप इसकी अर्हता पूरी करते हैं, तो इन योजनाओं का लाभ लीजिए. ध्यान रहे कि एक बार में आप किसी एक ही योजना का लाभ ले सकते हैं. इसके लिए आपको संबंधित कार्यालयों में उचित दस्तावेज़ों के साथ आवेदन करना होगा. इसके साथ क्राउड फ़ंडिंग का सहारा भी ले सकते हैं. इसलिए बिल्कुल निराश नहीं हों. प्रतिकूल परिस्थितियों को भी अपने अनुकूल बनाने की कोशिश कीजिए. रास्ते निकल आएंगे.

युद्धरत हूं मैं, कैंसर के साथ... कैंसर के ख़िलाफ़

मौत का आभास होने के बाद ही जिंदगी की अहमियत समझ आती है. पहली बार कैंसर का पता जुलाई 2003 में चला था. कैंसर के बारे में सोचना और उसके दर्द को सहना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से तकलीफदेह था. छह महीने पूर्व जनवरी में ही स्पाइनल कॉड के ट्यूमर की जटिल सर्जरी हुई थी. ऐसी सर्जरी एम्स में संभवतः पहली बार हुई थी. 14 घंटे चले ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों की टीम ने ट्यूमर निकाला था और रीढ़ की क्षतिग्रस्त हड्डियों को हटा कर टाइटेनियम रॉड एवं केज लगाया था. सर्जरी के बाद की परेशानियों से अभी उबर भी नहीं पाया था कि असहनीय दर्द फिर उठा था. खून की उल्टियों से सशंकित था. फेफड़ों में पानी भर गया था. बॉयोप्सी समेत अन्य ज़रूरी जांच के बाद डॉक्टर ने बताया कि दुर्लभ किस्म का मेटास्टेटिस कैंसर है. यह सुनना मेरे लिए, मेरे माता-पिता और पूरे परिवार के लिए किसी बड़े आघात से कम नहीं था. ट्यूमर ने पुनः शरीर में जगह बना ली थी. फेफड़े भी चपेट में थे. ऑपरेशन सम्भव नहीं था. मुझे कीमोथेरेपी व रेडियोथेरेपी जैसी दर्दभरी प्रक्रिया से गुजरना था.

शुरुआती दौर बेहद तनाव भरा रहा. रांची, पटना और दिल्ली का अनथक चक्कर. रेडियेशन एम्स में, कीमोथेरेपी पटना के आईजीआईएमएस में. हर चुभती हुई सुई के साथ लगता था कि मौत करीब आ रही है. कुछ वर्षों तक पूरे समय बिस्तर में ही रहा. कमर के नीचे का हिस्सा पैरालाइज्ड था. खुद से करवट भी नहीं ले पाता था. कीमोथेरेपी से होने वाले दुष्प्रभाव की पीड़ा अलग. कभी खून की कमी, कभी जॉन्डिस. लगता था बाकी ज़िंदगी यूंही बितानी पड़ेगी. मेरे सामने दो ही विकल्प थे. या तो हालात का मुकाबला डट कर करूं या फिर इससे हार मान लूं. मैंने ख़ुद को संभाला. निराशा और नाउम्मीदी के बीच जीवन में आयी बाधा से हर हाल में लड़ने की ठान ली. संयुक्त परिवार है तो इस लड़ाई में पूरे परिवार का साथ मिला. मानसिक और आर्थिक दोनों रूपों में. मां-पिताजी की अंतहीन पीड़ा को मैं महसूस कर सकता था. अवसाद के कारण मां मूर्छित हो जाती थीं. मैंने अपने को इतना कठोर बनाया कि मां कभी टूटे नहीं. पिताजी ने दुनिया के सबसे अच्छे पिता के रूप में अपने को सिद्ध किया.

कैंसर ऐसा शत्रु है जो आपके भीतर छुप कर वार करता है, आपको कमजोर करता है. कैंसर के बाद जीवन बहुत प्रभावित हुआ. पत्रकारिता की नौकरी छूट गई. बहुत कुछ छूटा, टूटा. मृत्यु के भय से मुक्त होना आसान नहीं था. एक-एक दिन काटना कठिन था, पर हिम्मत भी रखनी थी. मेरे हिम्मत से ही परिवार की हिम्मत जुड़ी थी. अपने डर पर काबू पाने के लिए किताबें पढ़ने लगा. किताबों की दुनिया के नायकों ने संबल दिया. मैंने अपने को अपने ही कंधों पर ढोने लायक बना लिया.

जब आपको यकीन हो जाए कि आपके चारों ओर अंधेरे के सिवा कुछ नहीं है तब किताबों की दुनिया, अपनों का साथ एवं मदद को उठे हाथ आपको सहलाते हैं. कहते हैं कि लो यह है जीवन. इसे होठों से लगाओ और हलक में उतार लो. यही जीवन मेरे हलक में है. यही जीवन मुझमें है. लिखने-पढ़ने की आदत ने मुझे जीवन की संजीवनी शक्ति प्रदान की है. मेरी लड़ाई में हथियार भी यही है. आज भी अपनी बीमारी से जूझ रहा हूं. इलाज चल रहा है. युद्ध अब भी जारी है. "युद्धरत हूं मैं" कैंसर के साथ, कैंसर के ख़िलाफ़.

संयोजन : चैतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

महिला एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 : रांची में होगा प्रतियोगिता का आयोजन

अगले साल 13 से 19 जनवरी तक मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम में होंगे मैच

खेल संवाददाता । रांची

मेजबान भारत अगले साल 13 से 19 जनवरी तक रांची में पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए महिला एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर का आयोजन करेगा. जिसमें भारत सहित जर्मनी, न्यूजीलैंड, जापान, चिली, अमेरिका, इटली और चेक रिपब्लिक टीमें हिस्सा लेगी. रांची में पेरिस 2024 हॉकी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में आठ टीमें शामिल हैं जिसमें शीर्ष तीन टीमों को ओलंपिक के लिए पात्रता हासिल

होगी. प्रतियोगिता के मैच मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम में खेले जाएंगे.

स्पेन के वालेंसिया में महिला ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के दूसरे राउंड का आयोजन होगा. क्वालीफाइंग मानदंड और प्रारूप दोनों राउंड में समान ही होंगे. दो क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के माध्यम से कुल छह टीम पेरिस 2024 के लिए टिकट हासिल कर पाएगी. पेरिस 2024 हॉकी प्रतियोगिता 27 जुलाई से 9 अगस्त 2024 तक यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम में होगी.

रांची ने 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक वुमेंस एशियन चैंपियन ट्रॉफी की सफल मेजबानी की है. जिसमें फाइनल में जापान को हराकर भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है. फिलहाल भारत विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर कबिज है. वहीं ओलंपिक क्वालीफायर में जर्मनी (विश्व में 5वें) शीर्ष रैंकिंग वाली टीम होगी . न्यूजीलैंड (विश्व रैंकिंग में 9वें स्थान पर), जापान (विश्व में 11वें स्थान पर), चिली (विश्व में 14वें स्थान पर), संयुक्त राज्य अमेरिका (विश्व में 15वें स्थान पर), इटली (विश्व में 19वें स्थान पर) और चेक रिपब्लिक (विश्व नंबर 25वें स्थान पर) की टीमें भी इस प्रतियोगिता में भाग लेगी.

पांच महाद्वीपीय चैंपियनशिप में महिला हॉकी टूर्नामेंट के विजेता ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका समेत मेजबान फ्रांस सीधे पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई कर गए हैं. प्रति जेंडर कुल 12 टीमें अगले साल ओलंपिक में खेलेंगी. वालेंसिया दो पुरुषों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में से एक की मेजबानी भी करेगा .जबकि ओमान का मस्कट दूसरे क्वालीफाइंग टूर्नामेंट का आयोजन करेगा. पेरिस 2024 के लिए पुरुष हॉकी क्वालीफायर का प्रारूप महिलाओं की स्पर्धा के समान है. हांगझोऊ में एशियन गेम्स 2023 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सीधे पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया और क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग नहीं लेगी. मालूम हो कि हांगझोऊ में भारतीय महिला हॉकी टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा.

- मस्कट, ओमान में प्रतिस्पर्धा करने वाली 8 पुरुष टीमें हैं: ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, मलेशिया, पाकिस्तान, कनाडा, चिली और चीन.
- वालेंसिया, स्पेन में प्रतिस्पर्धा करने वाली 8 पुरुष टीमें हैं: बेल्जियम, स्पेन, कोरिया, आयरलैंड, जापान, ऑस्ट्रिया, मिस्र और यूक्रेन.
- भारत के रांची में प्रतिस्पर्धा करने वाली 8 महिला टीमें हैं: जर्मनी, भारत, न्यूजीलैंड, जापान, चिली, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली और चेक गणराज्य.
- वालेंसिया, स्पेन में प्रतिस्पर्धा करने वाली 8 महिला टीमें हैं: बेल्जियम, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, कोरिया, आयरलैंड, कनाडा, मलेशिया और यूक्रेन.

ब्रीफ खबरें

वॉल्टर ने कहा, पिच में कोई खराबी नहीं थी

कोलकाता। भारत के खिलाफ विश्व कप के लीग मैच में अपनी टीम के 83 रन पर सिमट जाने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के कोच रॉब वॉल्टर ने पिच पर ठीकरा फोड़ने की बजाय कहा कि यह 326 रन वाली पिच नहीं थी लेकिन उनके गेंदबाजों ने 70 . 80 रन अधिक दे दिये . भारत के पांच विकेट पर 326 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 83 रन पर आउट हो गई जिससे भारत ने 243 रन से जीत दर्ज की . वॉल्टर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पिच को दोष देना गलत होगा.

चयन प्रतियोगिता 26 और 27 नवंबर को

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम में पहली बार एक प्रतियोगिता के माध्यम से फुटबॉल खिलाड़ियों का क्लब के लिये चयन किया जा रहा है. आगामी 26 व 27 नवंबर को यह प्रतियोगिता चक्रधरपुर प्रखंड के रोलाडीह हाई स्कूल मैदान में आयोजित की जाएगी. इस प्रतियोगिता में कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी. लेकिन इसमें चक्रधरपुर जिला परिषद भाग 1 के पंचायत के गांव के खिलाड़ी ही शामिल होंगे. इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये खिलाड़ियों का आधार कार्ड व दो पासपोट साइज फोटो खेल से पहले जमा करना होगा.

विरोधी टीम के बारे में नहीं सोच रहे : राठौड़

कोलकाता। विश्व कप में अभी तक सभी आठ मैचों में एकतरफा जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि टीम सेमीफाइनल के प्रतिद्वंद्वी को लेकर चिंतित नहीं है और इस टूर्नामेंट में फोकस सिर्फ अपने प्रदर्शन पर रहा है जिसका फायदा मिला है . फाइनल की प्रबल दावेदार दक्षिण अफ्रीका को यहां ग्रुप मैच में 243 रन से हराने के बाद राठौड़ ने मिश्रित जोन में कहा कि हम अच्छा क्रिकेट खेलने पर फोकस कर रहे हैं . जब तक नतीजे मिल रहे हैं, हम इसी तरह खेलते रहेंगे .

स्वियातेक ने फाइनल में जगह बनाई

कैनकन। इगा स्वियातेक ने आर्यना सबालेंका की चुनौती से पार पाकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई, जिसे जीतने पर वह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बन जाएगी. बारिश के कारण सेमीफाइनल का यह मुकाबला शनिवार को पूरा नहीं हो पाया था और इसे रविवार को खेला गया. स्वियातेक ने सबालेंका को सीधे सेट में 6-3, 6-2 से हराया. पोलैंड की 22 वर्षीय खिलाड़ी और यहां दूसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक फाइनल में अमेरिका की पांचवी वरीय जेसिका पेगुला का सामना करेगी.

भावनाओं को काबू में रखना अहम हिस्सा: कोहली

नई दिल्ली। एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 49वां शतक लगाकर महान सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले विराट कोहली ने कहा कि अपनी भावनाओं को काबू में रखकर शांतचित बने रहना उनके खेल का अहम हिस्सा है. कोहली ने रविवार को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 101 रन बनाकर तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की थी. कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि मैं हमेशा अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को काबू में रखना चाहता हूं.

बांग्लादेश ने श्रीलंका को तीन विकेट से करारी शिकस्त दी

एजेंसी । नई दिल्ली

बांग्लादेश ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में सोमवार को यहां श्रीलंका को तीन विकेट से हरा दिया. इससे पूर्व चरिथ असलंका के जुझारू शतक के बावजूद श्रीलंका आईसीसी क्रिकेट विश्व कप मुकाबले में सोमवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ 279 रन पर सिमट गया. असलंका ने अपने दूसरे शतक के दौरान 105 गेंद में पांच छक्कों और छह चौकों से 108 रन की पारी खेली. उन्होंने धनंजय डिसिल्वा (34) के साथ छठे विकेट के लिए 78 और सदीरा समरविक्रम (41) के साथ चौथे विकेट के लिए 63 रन जोड़े लेकिन इसके बावजूद टीम 49.3 ओवर में आउट हो गई. बांग्लादेश की ओर से तेज गेंदबाज तंजीम हसन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 80 रन देकर तीन विकेट चटकाए. शरीफुल इस्लाम (52 रन पर दो विकेट) और कप्तान शाकिब अल हसन (57 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट हासिल किए.

धनंजय स्टंप हो गए : असलंका ने तंजीम पर चौके के साथ 56 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में दो चौके भी मारे. धनंजय असलंका का अच्छा साथ निभा रहे थे. उन्होंने शाकिब पर छक्का भी जड़ा लेकिन मेहदी हसन मिराज की गेंद को आगे बढ़कर खेलने की कोशिश में स्टंप हो गए. असलंका ने इसके बाद तीक्षणा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया. दोनों ने 45वें ओवर में टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाया.

श्रीलंका ने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए

सटीक सामने बांग्लादेश की गेंदबाजी के श्रीलंका ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए. असलंका के अलावा कोई भी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाया. पाकिस्तान में 2025 में होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी के लिहाज से यह मैच काफी महत्वपूर्ण है . मेजबान पाकिस्तान के अलावा टूर्नामेंट की शीर्ष सात टीम चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई करेंगी . श्रीलंका अभी चार अंक के साथ सातवें जबकि बांग्लादेश दो अंक के साथ नौवें स्थान पर चल रहा है . शाकिब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया . शरीफुल ने पहले ही ओवर में कुसाल परेरा (04) को पवेलियन भेज दिया जिनका विकेटकीपर मुश्फिकुर रहीम ने बाईं ओर गोता लगाते हुए शानदार कैच लपका . सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका (41) अच्छी लय में दिखे . उन्होंने शरीफुल के दो ओवर में चार चौके मारे जबकि तंजीम का स्वागत लगातार दो चौकों के साथ किया . कप्तान कुसाल मेंडिस ने धीमी शुरुआत की और 14वीं गेंद पर एक रन के साथ खाता खोला . मेंडिस ने तंजीम पर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन शाकिब के अगले ओवर में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर शरीफुल को कैच दे बैठे . उन्होंने 30 गेंद में 19 रन बनाए . निसांका भी तंजीम के अगले ओवर में गेंद को विकेटों पर खेल गए जिससे श्रीलंका का स्कोर 13वें ओवर में तीन विकेट पर 72 रन हो गया . उन्होंने 36 गेंद का सामना करते हुए आठ चौके मारे .

मैथ्यूज 'टाइम आउट' होने वाले पहले बल्लेबाज बने

, एंजेलो मैथ्यूज इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 'टाइम आउट' होने वाले पहले बल्लेबाज बने . मैथ्यूज जैसे ही क्रीज पहुंचे और हेलमेट लगाने लगे तो उसका स्ट्रैप टूट गया . उन्होंने ड्रेसिंग रूम से दूसरा हेलमेट लाने का इशारा किया लेकिन इसमें दो मिनट से अधिक का समय लग गया . इस बीच शाकिब ने मैथ्यूज के खिलाफ टाइम आउट की अपील की और अंपायर मराइस इरासमस ने उन्हें आउट करार दे दिया . अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह पहली बार हुआ जब अगली गेंद फेंके जाने से पहले ही दूसरा बल्लेबाज आउट हो गया . मैथ्यूज ने अंपायर और शाकिब से बात की और अपने हेलमेट का टूटा हुआ स्ट्रैप भी दिखाया, लेकिन बांग्लादेश के कप्तान ने अपील वापस लेने से इनकार कर दिया और श्रीलंका के बल्लेबाज को वापस लौटना पड़ा . इससे श्रीलंका का स्कोर पांच विकेट पर 135 रन हो गया .

समरविक्रम और असलंका ने इसके बाद पारी को संभाला . असलंका ने शाकिब और तंजीम पर छक्के मारे . समरविक्रम ने मेहदी हसन मिराज पर लगातार दो चौकों के साथ 18वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया . समरविक्रम हालांकि जब अच्छी लय में दिख रहे थे तब शाकिब की गेंद पर महमूदुल्लाह को कैच थमा बैठे . उन्होंने 42 गेंद का सामना करते हुए चार चौके मारे .

पोंटिंग ने कहा, विराट कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि विराट कोहली अपने संपूर्ण रिकॉर्ड के आधार पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और उन्हें यह तमगा हासिल करने के लिए महान सचिन तेंदुलकर के वनडे में शतकों के रिकॉर्ड को बराबर करने की जरूरत नहीं थी. कोहली ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप मैच में अपने 35वें जन्मदिन पर नाबाद 101 रन बनाकर तेंदुलकर के वनडे में 49 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी की.

इस शतक से उन्होंने फिर से साबित कर दिया कि वह वर्तमान समय में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं. पोंटिंग ने आईसीसी वेबसाइट से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि वह दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है और मैं लंबे समय से यह बात कह रहा हूं. उन्हें इसके लिए सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी करने की जरूरत नहीं थी. उन्हें इसके लिए रिकॉर्ड तोड़ने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि अगर आप उनके संपूर्ण रिकॉर्ड पर गौर करो तो वह अद्वितीय है. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक कोहली का वर्तमान टूर्नामेंट में दूसरा और वनडे विश्व कप में कुल मिलाकर चौथा सैकड़ा है. यह 35 वर्षीय खिलाड़ी मौजूदा विश्व कप में अभी तक 543 रन बना चुका है.

पूर्व क्रिकेटरों का मैत्री क्रिकेट टूर्नामेंट नवंबर के अंतिम सप्ताह में

संवाददाता। रांची

रक्तदान संगठन लहू बोलेगा व झारखंड स्पोर्ट्स वेलफेयर अकादमी की ओर से नवंबर के अंत में पूर्व क्रिकेटरों का मैत्री कैनवास बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट होगा. यह निर्णय सोमवार को अंजुमन मोसाफिरखाना में वरीय क्रिकेटर जावेद खान की अध्यक्षता में की गई बैठक में ली गई. इस टूर्नामेंट में झारखंड के पूर्व अनुभवी क्रिकेटर व उत्साही खिलाड़ी भाग लेंगे.

विषय प्रवेश लहू बोलेगा के नदीम खान और क्रिकेटर छोटा रुस्तम ने की. राजधानी रांची में खेल को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य को ठीक रखने व खेल को रोजगार से जोड़ने के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई. वक्ताओं ने कहा कि राजधानी में खेल के मैदान नदारत होते जा रहे हैं, जो खेल मैदान हैं उनपर अधिकारियों का ध्यान नहीं है, रांची में अधिकतर नागरिक इस कारण रोगग्रस्त हो रहें है. बैठक में तय हुआ कि मैत्री टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट डोरंडा स्थित दरगाह मैदान में आयोजित किया जाएगा. बैठक का संचालन औरंगजेब खान ने किया. मौके पर सेल के पूर्व क्रिकेट कप्तान जावेद खान, सीनियर क्रिकेटर छोटा रुस्तम, सीनियर क्रिकेटर मो बेलाल, सीनियर क्रिकेटर बैरिस्टर, पत्रकार सह सीनियर क्रिकेटर फिरोज जिलानी, क्रिकेटर औरंगजेब खान, नदीम खान, साजिद उमर, नेहाल अहमद, मो फहीम, इंजीनियर शाहनवाज अब्बास, अधिवक्ता एम अंसारी व असगर खान शामिल थे.

खो-खो में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता। रामगढ़

सौन्दा बस्ती पारटांड स्टेडियम में जिला स्तरीय तीन दिवसीय प्रथम सब जूनियर खो-खो चैंम्पियनशिप चल रही है. चैंपियनशिप के दूसरे दिन सोमवार को खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन किया. प्रतियोगिता के प्रथम राउंड में बालिका वर्ग में चितरपुर ने 8 अंक, गोला 4 अंक और मांडू शून्य अंक प्राप्त हुआ. वहीं बालक वर्ग में पतरातू 10 अंक, गोला 8 अंक, रामगढ 6 अंक, चितरपुर 3 अंक और मांडू ने 3 अंक हासिल किए. प्रतियोगिता में पतरातू, रामगढ, चितरपुर, गोला, मांडू और दुलमी के बालक-बालिका वर्ग की टीमों ने हिस्सा लिया.

मंगलवार को प्रतियोगिता का होगा समापन

तीन दिवसीय प्रतियोगता का मंगलवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन होगा . मौके पर प्रभात कुमार, अमित कुमार, दयानंद प्रसाद, उपेन्द्र शर्मा, निरंजन प्रसाद, शशिभूषण बाउरी, अंबर कुमार, महेन्द्र राणा, मानस मुंडा, सकल मुंडा, रामबिलास करमाली, बालेश्वर मुंडा, स्वामी सिद्धांत बाउरी, राजकुमार मुंडा, धर्मवीर, संतोश प्रसाद, महतो, रामचन्द्र महतो, प्रदीप बाउरी, राहुल कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे .

27 से मोहन लाल जी नोपानी मेमोरियल कप

रांची। मोहन लाल जी नोपानी मेमोरियल कप (इंटर-स्कूल U-17 क्रिकेट टूर्नामेंट) के पांचवें सत्र का आयोजन 27 नवंबर से विकास विद्यालय में आयोजित किया जाएगा. इसी कड़ी में विकास विद्यालय के प्राचार्य पीएस कालरा और आयोजन सचिव अनुप शर्मा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी रांची जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से 27 नवंबर से विकास विद्यालय में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें जिला के किसी भी बोर्ड की स्कूल टीमें भाग ले सकती है.

केलियासोल की टीम बनी चैंपियन

संवाददाता। निरसा

केलियासोल प्रखंड के आंखद्वारा पंचायत स्थित बरमुरी गांव में सोमवार को केलियासोल व जामताड़ा के बीच फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला गया. इस मुकाबले में जामताड़ा को हराकर केलियासोल टीम ने जीत हासिल की. बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया. उन्होंने दोनों टीम के खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जीत और हर जिंदगी की एक पहलू है. जिस तरह से दोनों टीम के खिलाड़ियों ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया. सभी बधाई के पात्र हैं.

उन्होंने दोनों टीम के खिलाड़ियों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आयोजक कमेटी को बधाई दी. मौके पर पथारकुआ पंचायत के मुखिया हीरामनी टुडू, लेदाहरिया पंचायत मुखिया अशोक महतो, पंचायत समिति सदस्य कार्तिक मंडल, ओलचिकी मास्टर जोधाधार हंसदा काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

हॉकी एशियाई खेलों में निराशाजनक अभियान के बाद चैंपियन बनने का गौरव

हम एसीटी में बदला चुकता करना चाहते थे: सविता पूनिया

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा कि एशियाई खेलों में निराशाजनक अभियान के बाद उनकी टीम रांची में हाल में समाप्त हुई एशियाई चैम्पियंस ट्राफी (एसीटी) में स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य बनाये हुए थी. प्रबल दावेदारों में शुमार होने के बावजूद भारतीय टीम अक्टूबर में हांगझोउ में एशियाड सेमीफाइनल में चीन से 0 - 4 से हार गयी थी, जो अंत में विजेता बनी थी. लेकिन भारतीय टीम ने फॉर्म में वापसी करते हुए चीन सहित अपने सभी एशियाई प्रतिद्वंद्वियों को पराजित कर रविवार को रांची में जापान को 4-0 से हराकर दूसरा एशियाई चैम्पियंस ट्राफी खिताब जीता.

लक्ष्य के साथ आये थे

सविता ने एसीटी खिताब जीतने के बाद कहा कि हम एक लक्ष्य के साथ आये थे . एशियाई खेलों में टीम स्वर्ण पदक से चूक गयी थी . जिससे हम यहां इसकी भरपाई करना चाहते थे . हम यहां स्वर्ण पदक जीतना चाहते थे और विशेषकर इसलिये भी क्योंकि यह पहली बार भारत में आयोजित किया जा रहा है . उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक टूर्नामेंट में एक बार में एक ही मैच पर ध्यान लगाते हैं . इस बार, पूरी टीम को यह साबित करना था और हमें खुशी है कि हम ऐसा करने में सफल रहे . भारत ने एशियाड में कांस्य पदक जीता था और अब टीम 13 से 19 जनवरी तक होने वाले महिला एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में भी रांची में ऐसा ही प्रदर्शन दोहराना चाहेगी . सविता ने कहा कि टीम ने काफी आक्रामक हॉकी खेली . टीम में प्रत्येक खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ किया ताकि सुनिश्चित हो सके कि हम पोडियम में शीर्ष पर रहे . उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ही अभ्यास का प्रदर्शन पिच पर दोहराने का होता है . अब महिला एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर भी है, हमारे पास तैयारी के लिए समय है और हम सुनिश्चित करेंगे कि हम फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहरायें .

भारत से करारी हार के बाद श्रीलंका क्रिकेट प्रबंधन बर्खास्त

भाषा। कोलंबो

मौजूदा विश्व कप में भारत से मिली करारी हार के बाद सोमवार को श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) प्रबंधन को बर्खास्त कर दिया गया. भारत ने दो नवंबर को मुंबई में खेले गए मैच में श्रीलंका को 302 रन से करारी शिकस्त दी थी. इसके बाद से ही लोगों में आक्रोश था तथा रणसिंघे शम्मी सिल्वा के नेतृत्व वाले एसएलसी प्रबंधन से त्यागपत्र देने की मांग की जा रही थी. इसके बाद ही यह कार्रवाई की गई.

इस हार के बाद से एसएलसी परिसर में कई बार प्रदर्शन किए गए और सिल्वा की अगुवाई वाले प्रबंधन से इस्तीफा देने की मांग की गई. इस कारण इमारत के बाहर पुलिस को भी तैनात किया गया. खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा की अध्यक्षता में एक अंतरिम सात सदस्यीय समिति नियुक्त की है. खेल मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि समिति की नियुक्ति 1973 के खेल कानून संख्या 25 के तहत की गई है. समिति में तीन सेवानिवृत्त न्यायाधीश और पूर्व एसएलसी अध्यक्ष उपाली धर्मदासा भी शामिल हैं.

आदि गुरु के सामने नतमस्तक राहुल

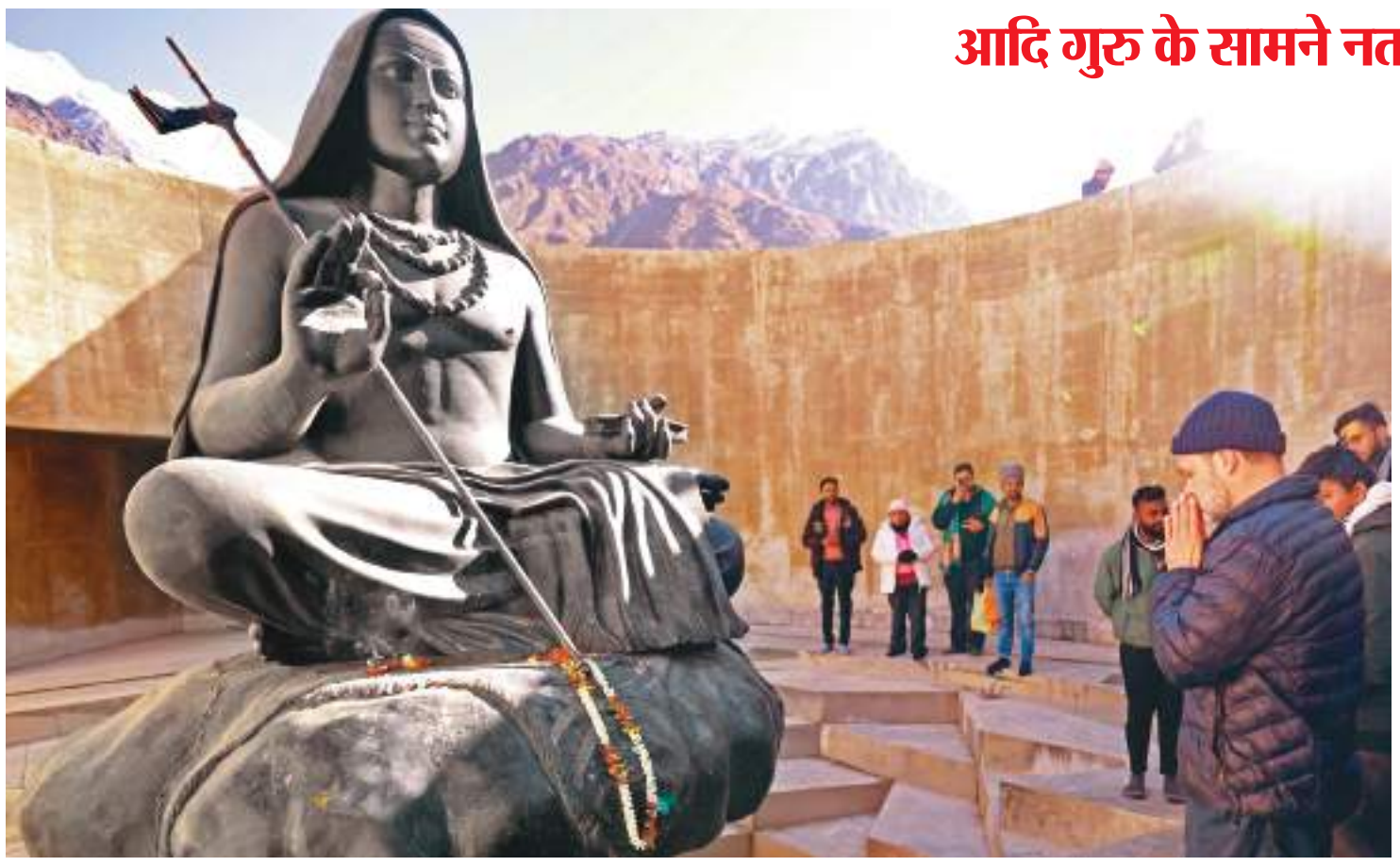

उत्तराखंड। पांच राज्यों में मतदान से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी उत्तराखंड दौरे पर हैं. केदारनाथ धाम में पूजा अर्चना करने के बाद उन्होंने लोगों के साथ वक्त बिताया और चाय का लुत्फ भी उठाया. इस दौरान वो लोगों को चाय भी बांटते नजर आए. कांग्रेस पार्टी ने इसे चाय सेवा का नाम दिया है. इससे पहले वो रविवार को केदारनाथ धाम पहुंचे थे. राहुल गांधी तीन दिनों के दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे हैं. वो दोपहर को हेलिकॉप्टर से केदारनाथ पहुंचे जहां कांग्रेस नेताओं के साथ ही केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने उनका स्वागत किया. इस दौरान गांधी ने केदारनाथ के दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं से भी गर्मजोशी से मुलाकात की. तिवारी ने बताया कि गांधी धार्मिक यात्रा पर केदारनाथ आए हैं. कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी का यह बिल्कुल निजी और आध्यात्मिक कार्यक्रम है. उनका केदारनाथ में तीन दिन का कार्यक्रम है.

आओ जानें

विश्व के धरोहर स्थल

इटली	58	यूएस	24	स्वीडन	15
चीन	56	ब्राज़ील	23	पेरू	13
जर्मनी	51	ऑस्ट्रेलिया	20	स्विट्ज़रलैंड	13
फ्रांस	49	कनाडा	20	ऑस्ट्रिया	12
स्पेन	49	तुर्की	19	नीदरलैंड	12
भारत	40	ग्रीस	18	अर्जेंटीना	11
मेक्सिको	35	पोलैंड	17	बुल्गारिया	10
यूके	33	पुर्तगाल	17	क्रोएशिया	10
रूस	30	चेकिया	16	डेनमार्क	10
ईरान	26	बेल्जियम	15	दक्षिण अफ्रीका	10
जापान	25	दक्षिण कोरिया	15		

पाकिस्तान से 6500 से अधिक अफगान नागरिक और निकले

- अफगान नागरिकों की कुल संख्या 1,70,000 से अधिक

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में अवैध रूप से रहे विदेशी नागरिकों को निकालने के अभियान के तहत रविवार को 6,500 से अधिक और अफगानिस्तानी नागरिकों ने तोरखम सीमा के रास्ते देश छोड़ दिया. इन्हें मिला कर पाकिस्तान छोड़ने वाले अफगान नागरिकों की कुल संख्या 1,70,000 से अधिक हो गई है. सीमा अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. सरकार ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को एक नवंबर तक पाकिस्तान छोड़ने का आदेश देते हुए कहा था कि ऐसा न करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. आदेश के बाद से ही इन नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी जारी है.

कुल 174358 अफगान नागरिक अपने देश रवाना

समाचार पत्र 'डॉन' ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि 17 सितंबर से कुल 1,74,358 अफगान नागरिक अपने देश रवाना हो चुके हैं. स्वैच्छिक वापसी जारी है और हर बीतते दिन के साथ वापस जाने वालों की संख्या घट रही है. पाकिस्तान से प्रवासियों को वापस भेजने के अभियान में शामिल एक अधिकारी ने कहा कि प्रवासियों को दी गई समय सीमा के खत्म होने तक देश की सीमा पर प्रवासियों की बड़ी संख्या थी लेकिन अब यह घट रही है. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं और बच्चों समेत 6,584 अफगान नागरिकों ने रविवार को पाकिस्तान छोड़ दिया.

ब्रीफ खबरें

भारतीय व्यक्ति को मिली उम्रकैद की सजा

ह्यूस्टन। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में एक भारतीय व्यक्ति को 2020 में अपनी पत्नी की बर्बर तरीके से हत्या करने के जुर्म में उम्रकैद की सजा सुनायी है. मीडिया में आयी एक खबर के अनुसार, दोषी ने एक अस्पताल के पार्किंग क्षेत्र में अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी जहां वह नर्स के रूप में काम करती थी. 'द सन सेंटिनल' अखबार ने बताया कि फिलिप मैथ्यू ने मेरिन जॉय की जघन्य हत्या के आरोप का कोई विरोध नहीं किया.

पूर्वोत्तर चीन में भारी बर्फबारी, यातायात बंद

बीजिंग। इस मौसम के पहले हिमपात के बीच चीन के पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी बर्फबारी हुई जिसके चलते स्कूल बंद करने पड़े हैं और परिवहन भी थम गया है. चीन के सीसीटीवी ने कहा कि हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी हार्बिन में प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए हैं और उड़ानें रद्द कर दी गई हैं. प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों की सोमवार को छुट्टी कर दी गई. देश के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने सोमवार को कहा कि इस अवधि में बर्फबारी के ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ने की संभावना है.

मनोज जरांगे करेंगे महाराष्ट्र का दौरा

महाराष्ट्र। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को कहा कि वह दिवाली के बाद मराठा लोगों से मिलने और उन्हें उनके समुदाय के लिए आरक्षण के मुद्दे के प्रति जागरूक करने के वास्ते महाराष्ट्र का दौरा करेंगे. जरांगे छत्रपति संभाजीनगर में एक निजी अस्पताल में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक रोहित पवार से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे. वह दो नवंबर को अनिश्चितकालीन अनशन खत्म करने के बाद से इस अस्पताल में भर्ती हैं.

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बेहद गंभीर

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सोमवार सुबह प्रदूषण का स्तर सरकार द्वारा तय सुरक्षित स्तर से सात से आठ गुना अधिक दर्ज किया गया और लगातार सातवें दिन क्षेत्र के ऊपर वातावरण में जहरीली धुंध छाई रही. दिल्ली में रविवार को प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध सहित सख्त प्रतिबंध लगाए गए और हवाओं की प्रतिकूल दशाओं तथा समूचे उत्तर भारत में पराली जलाने की घटनाओं में तेजी के कारण तीन दिनों में यहां की वायु गुणवत्ता दूसरी बार 'अत्यंत गंभीर' की श्रेणी में दर्ज की गई.

रेल लाइन की सुरंग में लगी आग

ऋषिकेश। निर्माणाधीन ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन की एक सुरंग में रखे रसायनिक पदार्थ में आग लग गयी. हालांकि, दुर्घटना में किसी तरह के जान-माल की कोई हानि नहीं हुई. यहां स्थित रेल विकास निगम लिमिटेड के परियोजना निदेशालय के मुख्य परियोजना प्रबंधक अजित सिंह यादव ने सोमवार को बताया कि रविवार की शाम को यह घटना परियोजना की सुरंग संख्या 15 में हुई जहां रखे रासायनिक पदार्थ में अचानक आग लग गयी. उन्होंने बताया कि आग पर आधा घंटे में काबू पा लिया गया.

इजराइली सेना ने गाजा सिटी को घेरकर दो भागों में बांटा, सड़कों पर लड़ने की संभावना

इजराइल ने गाजा सिटी को घेरा

भाषा। दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)

इजराइली सेना ने सोमवार तड़के गाजा सिटी की घेराबंदी कर दी और हमास शासित क्षेत्र के उत्तरी हिस्से को दक्षिणी हिस्से से अलग कर दिया. पूरे गाजा में रातभर कई घंटों तक ठप रही संचार सेवा बहाल हो गई है. इजराइली मीडिया ने बताया कि सैन्य बलों के शहर में सोमवार या मंगलवार को घुसने और वर्षों से तैयारी कर रहे आतंकवादियों के सुरंगों के बड़े नेटवर्क का इस्तेमाल कर सड़कों पर लड़ने की संभावना है. युद्ध में दोनों पक्षों की मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है. गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में फलस्तीन के 9,700 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है. इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्टूबर को हमास के शुरुआती हमले में हुई. इसी हमले के बाद से यह युद्ध शुरू हुआ है.

इन हमलों में गाजा में 15 लाख से अधिक फलस्तीनी विस्थापित हुए हैं. इसके अलावा गाजा में कम से कम 241 लोगों को बंधक बनाया गया है. गाजा में लोग भोजन, दवाइयों, ईंधन और पानी की कमी से जूझ रहे हैं और उन्हें पर्याप्त मानवीय मदद नहीं पहुंच पा रही. हमलों के खिलाफ प्रदर्शनों और इसे रोके जाने की अपीलों के बावजूद इजराइल ने हमास के लड़ाकों और उनकी संपत्तियों को नष्ट करने के लक्ष्य से पूरे गाजा में बमबारी जारी रखी है. इजराइल ने हमास पर आम नागरिकों का मानवीय ढाल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था.

गाजा में मघाजी शरणार्थी शिविर में इजरायली बमबारी में बचे लोगों की तलाश कर रहे फिलिस्तीनी.

मघाजी शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में 40 की मौत

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि रविवार तड़के मध्य गाजा के मघाजी शरणार्थी शिविर पर हुए हवाई हमले में कम से कम 40 लोग मारे गए और 34 लोग घायल हो गए. मध्य गाजा के ब्यूरिज शरणार्थी शिविर में एक स्कूल के पास एक मकान पर भी हवाई हमला किया गया. अल-अक्सा अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि इस हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई. इस शिविर पर गुरुवार को भी हमला हुआ था.

संघर्ष जारी

- इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है
- उत्तरी गाजा में रविवार रात जोरदार विस्फोट हुए थे

गाजा में रह रहे हर व्यक्ति को जान का खतरा

अमेरिका के विदेश मंत्री ब्लिंकन ने क्षेत्र की अपनी हालिया यात्रा के दौरान मानवीय मदद पहुंचाने के लिए कुछ देर हमले रोकने का प्रस्ताव रखा था, जिसे इजराइल ने अस्वीकार कर दिया है. इजराइल के रक्षा मंत्री याओव गैलेंट ने कहा कि गाजा पट्टी में रह रहा हर व्यक्ति अपनी जान को खतरे में डाल रहा है. गाजा में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल-हमास युद्ध में मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 9,700 हो गई है. इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है. इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्टूबर को हमास के शुरुआती हमलों में हुई. इन्हीं हमलों के बाद से यह युद्ध शुरू हुआ.

फिलिस्तीन समर्थक ने किया प्रदर्शन

अमेरिका ने आम नागरिकों को राहत देने के लिए इजराइल से कुछ वक्त के लिए हमले रोकने की अपील की थी, लेकिन इजराइल का कहना है कि वह गाजा में हमास शासकों को कुचलने के लिए अपने हमले जारी रखेगा. अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन, फ्रांस की राजधानी पेरिस, जर्मनी की राजधानी बर्लिन और अन्य यूरोपीय शहरों में फिलिस्तीन समर्थक हजारों लोगों ने गाजा में इजराइली बमबारी रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया.

अमेरिका के विदेश मंत्री का रामल्ला दौरा

इजराइल-हमास संघर्ष पर अपनी पश्चिम एशिया कूटनीति के तहत अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक के रामल्ला का दौरा किया और फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की. इजराइल में पीएम के साथ बातचीत करने के बाद, ब्लिंकन ने शनिवार को जॉर्डन में अरब देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की. नेतन्याहू ने कहा कि जब तक हमारे सभी बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक कोई अस्थायी संघर्ष-विराम नहीं हो सकता.

गाजा में बमबारी जारी : हमलों के खिलाफ प्रदर्शनों और इसे रोके जाने की अपीलों के बावजूद इजराइल ने हमास के लड़ाकों और उनकी संपत्तियों को नष्ट करने के लक्ष्य से पूरे गाजा में बमबारी जारी रखी है. इजराइल ने हमास पर आम नागरिकों का मानवीय ढाल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है. अमेरिका के विदेश मंत्री ने आगाह किया कि ऐसा कदम प्रतिकूल होगा तथा इससे आतंकवादी समूह को और हिंसा करने के लिए बढ़ावा मिलेगा.

तानाशाही शासन को खत्म करने के लिए बना इंडिया गठबंधन

- अहंकार को खत्म करने के लिए चुनाव जीतना जरूरी

भाषा। मुंबई

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में उठापटक के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सोमवार को कहा कि यह गठबंधन केंद्र में तानाशाही शासन को खत्म करने के लिए बनाया गया लेकिन राज्यों में राजनीति अलग होती है. शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में यह भी कहा गया है कि इस महीने पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव अगले साल के लोकसभा चुनावों के लिए 'ड्रेस रिहर्सल' हैं. इसमें कहा गया है कि जिन पांच राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं, वहां कांग्रेस एक प्रमुख दल है.

जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करेगा द. कोरिया

भाषा। सियोल

दक्षिण कोरिया अपने प्रतिद्वंद्वी उत्तर कोरिया पर बेहतर तरीके से नजर रखने के लिए इस महीने के अंत में घरेलू स्तर पर निर्मित अपना पहला जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है. दक्षिण कोरिया ने सोमवार को यह जानकारी दी. दक्षिण कोरिया ऐसे समय में उपग्रह प्रक्षेपित करेगा जब उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों के अपने शस्त्रागार का विस्तार करने पर जोर दे रहा है.

दक्षिण कोरिया की इस घटना से पहले उत्तर कोरिया अक्टूबर में अपना स्वयं का जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित का तीसरा प्रयास करने के अपने संकल्प को पूरा करने में संभवतः तकनीकी कारणों से विफल रहा था. दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जीन हा ग्यू ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि देश के पहले सैन्य उपग्रह का 30 नवंबर को कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग वायु सेना बेस से प्रक्षेपण किया जाएगा.

उपग्रह को फाल्कन 9 रॉकेट से किया जाएगा प्रक्षेपित

उपग्रह को स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया जाएगा. दक्षिण कोरिया के रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन के अनुसार, स्पेसएक्स के साथ एक अनुबंध के तहत दक्षिण कोरिया ने 2025 तक चार और जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है. दक्षिण कोरिया के पास फिलहाल अपना कोई सैन्य जासूसी उपग्रह नहीं है और वह उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अमेरिकी जासूसी उपग्रहों पर निर्भर है.

मिनी बस खाई में गिरी तीन की मौत,15 घायल

राजौरी/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सोमवार को एक मिनी बस के सड़क से फिसलकर 300 फुट गहरी खाई में गिर जाने से तीन यात्रियों की मौत हो गयी और 15 अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना कैंची मोड़ पर पूर्वाह्न करीब 11 बजे तब हुई, जब कोटरंका से राजौरी जा रही इस मिनी बस का चालक एक तीक्ष्ण मोड़ के पास वाहन पर से अपना नियंत्रण खो बैठा. उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना के तत्काल बाद बचाव अभियान शुरू किया गया और 18 लोगों को बाहर निकालकर सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) से संबद्ध राजौरी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया.

कोहरे में छुपा ताजमहल...

सोमवार को आगरा में छाया घना कोहरा. कोहरे के बीच ताजमहल का दीदार करते पर्यटक. **फोटोः पीटीआई**

उपलब्धि महज 18-19 महीनों में केएमपीओ से जुड़ी 2000 महिलाएं बन गयीं लखपति

सशक्तीकरण की अनूठी मिसाल पेश कर रहीं महिलाएं

भाषा। वाराणसी

काशी दुग्ध उत्पादक संगठन (केएमपीओ) से जुड़ी महिलाएं समृद्धि एवं सशक्तीकरण की अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं. परिचालन शुरू करने के महज 18-19 महीनों में केएमपीओ से जुड़ी 2,000 महिलाएं लखपति बन गई हैं. केएमपीओ के सीईओ डॉ. मनवीर सिंह ने बताया कि 20,000 से अधिक महिलाओं के स्वामित्व वाले केएमपीओ को 2023-24 में 200 करोड़ रुपये का कारोबार करने की उम्मीद है.

सिंह ने यहां बताया कि संगठन की आय में यह छह गुना वृद्धि होगी, क्योंकि नौ मार्च, 2022 को परिचालन शुरू करने के बाद पहले पूर्ण वित्त वर्ष (2022-23) में संगठन ने 37 करोड़ रुपये की आमदनी की थी. उन्होंने कहा कि ये महिलाएं डेयरी क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाने का संकेत दे रही हैं. इस प्रक्रिया में अब तक हमने 2,000 दीदी को लखपति बनते देखा है, और साल के अंत तक यह संख्या 3,000 को पार कर जायेगी.

300 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

सिंह ने ने बताया कि हमारे 18-19 महीने के परिचालन में एक सदस्य ने तो केएमपीओ को दूध बेचकर 30 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई की है. हमने अगले वित्त वर्ष के लिए 300 करोड़ रुपये कारोबार का लक्ष्य रखा है. दूध की थोक बिक्री के साथ हम काशी के अद्भुत स्वाद वाले पैक उत्पाद भी लेकर आएंगे.

जुड़ेंगे और 300 गांव : सिंह ने कहा कि आज संगठन का दुग्ध संग्रह 1.15 लाख लीटर प्रति दिन के सर्वोच्च आंकड़े तक जा चुका है. अगले साल दूध की खरीद के लिए वाराणसी और भदोही जिलों में भी विस्तार के साथ हम कम से कम 300 गांव और जोड़ेंगे.

खास बातें

- संगठन की आय में छह गुना वृद्धि होगी
- 200 करोड़ का कारोबार करने की उम्मीद

एनडीएस के सहयोग से केएमपीओ का हुआ गठन

डेयरी क्षेत्र के विकास में डाक्टर मीनेश शाह के नेतृत्व में एनडीडीबी की महती भूमिका का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वाधान में राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड की इकाई एनडीडीबी डेरी सर्विसेज के तकनीकी सहयोग से काशी दुग्ध उत्पादक संगठन का गठन हुआ. चंदौली जिले से आने वालीं केएमपीओ की चेयरपर्सन सरिता देवी ने कहा कि हमारे सभी सदस्य सहयोग के लिए एनआरएलएम, राज्य सरकार, एनडीएस और एनडीडीबी के आभारी हैं.

महादेव एप सहित 22 अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को किया ब्लॉक

भाषा। नई दिल्ली

महादेव सट्टेबाजी ऐप पर केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाये जाने की खबर है. जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सिफारिश पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने महादेव बुक और रेड्डी अन्नाप्रिस्टोप्रो सहित 22 अवैध सट्टेबाजी ऐप्स और वेबसाइटों को ब्लॉक करने का आदेश जारी किया है. सरकार की यह कार्रवाई ईडी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग केस के एक आरोपी के उन दावों के बाद की गयी है, जिसमें महादेव बुक के कथित मालिक ने छत्तीसगढ़ के

ऐप मामले में छत्तीसगढ़ में राजनीति गरम

बता दें कि इस मामले में छत्तीसगढ़ में राजनीति गरम है. बता दें कि सितंबर में ईडी ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़ी 417 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी. ईडी के अनुसार सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल की यह कंपनी दुबई से चलाई जा रही थी. हर माह ऑनलाइन जुए से 450 करोड़ रुपये की कमाई की जा रही थी.

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर गंभीर आरोप लगाया है. खबरों के अनुसार आरोपी शुभम सोनी ने दुबई से वीडियो मैसेज जारी कर दावा किया कि उसे सीएम भूपेश बघेल ने यूएई जाने को कहा था.

सत्ता का सेमीफाइनल

चुनाव से पहले आया ये नतीजा

कांग्रेस-भाजपा को पीछे छोड़ बसपा-आरएलपी रहे अव्वल

शुभम संदेश नेटवर्क

वैसे तो 25 नवंबर को होने वाले मतदान के बाद चुनाव नतीजे 3 दिसंबर को घोषित होंगे. लेकिन फिलहाल एक रोचक मुकाबले के नतीजे सामने आए हैं. इसमें बसपा और आरएलपी पार्टियों ने कांग्रेस और भाजपा जैसी प्रमुख पार्टियों को पीछे छोड़ दिया है. राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन से ऐन पहले तक राजनीतिक दलों की सूचियां जारी होती रहीं. कुछ दलों की तो देर रात तक तो कुछ की अगले सुबह तक सूचियां जारी होती रहीं. आखिरी समय तक सूचियां जारी होना इन दलों के बीच किसी मुकाबले की तरह दिख रहा था.

कांग्रेस-भाजपा बागियों का ठिकाना बनी आरएलपी: चुनाव से ऐन पहले आरएलपी ऐसे एक नहीं, बल्कि कांग्रेस-भाजपा के टिकट से वंचित रहे कई ''असफल'' दावेदारों को ना सिर्फ पार्टी में शामिल ही कर रही है, बल्कि उन्हें हाथों-हाथ टिकट भी थमा रही है. कांग्रेस-भाजपा के टिकट से वंचित रहे दावेदारों के लिए आरएलपी इन दिनों सबसे मुफीद ठिकाना बन गया है. दरअसल, चुनाव से ऐन पहले आरएलपी ऐसे एक नहीं, बल्कि कई असफल रहे टिकट दावेदारों को ना सिर्फ पार्टी में शामिल ही कर रही है, बल्कि उन्हें हाथों-हाथ टिकट भी थमा रही है. दूसरी पार्टियों से टूट कर पार्टी में शामिल करके उन्हें टिकट से नवाजने का काम आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल की देखरेख और मंजूरी के बाद ही हो रहा है.

किसके कितने उम्मीदवार

10 बसपा

बसपा-आरएलपी ने मारी बाजी

उम्मीदवारों की सूची जारी करने के मामले में बसपा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) अव्वल रहे. इन दोनों ही पार्टियों ने अब तक उम्मीदवारों की 10-10 सूचियां जारी की हैं. जबकि कांग्रेस और भाजपा इस दौड़ में पीछे रहीं.

10 आरएलपी

7 भाजपा

बराबरी पर रहे कांग्रेस-भाजपा

उम्मीदवारों की सूचियां जारी करने की दौड़ में कांग्रेस और भाजपा बराबरी पर रहे. मुकाबले की शुरुआत सबसे पहले भाजपा ने पहली सूची जारी करने की थी. इसके बाद सभी उम्मीदवार घोषित होते-होते कांग्रेस ने भी भाजपा की बराबरी हासिल कर ली. दोनों दलों ने उम्मीदवारों की 7-7 सूचियां जारी की हैं.

7 कांग्रेस

5 आप

5 सूची पर सिमटी 'आप'

सूचियां जारी करने की दौड़ में आम आदमी पार्टी सबसे पीछे रही. आप ने आखिरी समय तक कुल पांच सूचियां जारी की. आखिरी और पांचवीं सूची सिर्फ दो नामों की रही.

आरएलपी में आओ, टिकट पाओ!

आरएलपी का टिकट पाने में सफल रहे नेताओं में कई नाम वो हैं कुछ दिन पहले कांग्रेस या भाजपा से टिकट दावेदार थे मगर असफल रहे थे. ऐसे टिकट वंचित दावेदारों को आरएलपी में और आरएलपी को इन दावेदारों में ''मौका'' दिखा तो बात आगे बढ़ी. इन नेताओं को पार्टी में शामिल किया गया और लगे हाथों उनकी मनचाही विधानसभा सीट से टिकट भी थमा दिया गया.

कांग्रेस के कब्जे वाली सीट जीतने की चुनौती

जबलपुर पश्चिम

इस विधानसभा चुनाव में जबलपुर पश्चिम विधानसभा हॉट सीट बन गई है. कांग्रेस सरकार में वित्त मंत्री रहे तरुण भनोट का यहां 10 साल से कब्जा है. इस सीट को जीतने के लिए भाजपा ने सांसद राकेश सिंह पर दांव खेला है. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कभी-कभी विधानसभा चुनाव जीतना लोकसभा चुनाव से ज्यादा मुश्किल हो जाता है. ऐसे में राकेश सिंह, तरुण भनोट को कैसे चुनौती दे पाएंगे, ये देखना दिलचस्प होगा.

भाजपा ने पिछले कुछ सालों में मध्यप्रदेश की कई लोकसभा सीटों पर जीत का परचम लहराया है. इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और सतना लोकसभा सीट इसमें शामिल हैं. राजनीतिक पंडित मानते हैं कि सालों से लोकसभा सीटों पर काबिज सांसदों को जब विधानसभा चुनाव लड़ाया जाता है तो उन्हें कांटे की टक्कर का सामना करना पड़ता है. राकेश सिंह इसका अपवाद नहीं हैं. राकेश सिंह का यह पहला विधानसभा चुनाव है. भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि राकेश सिंह को नहीं पता कि विधायक या पार्षद को किस तरह का जनसंपर्क रखना होता है. जब हम उनके पास समस्याएं लेकर जाते थे तो वे कहते थे कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है. वे भाजपा के बड़े नेता हैं. घर-घर जाकर हाथ जोड़कर वोट मांगना उनके लिए आसान नहीं होगा.

पंकज मुकाती
वरिष्ठ पत्रकार, इंदौर

जबलपुर पश्चिम सीट पर भाजपा ने इस सीट पर 1998 से कब्जा कर रखा था. 2013 में तरुण भनोट ने भाजपा के हरेंद्र सिंह 'बब्बू' के खिलाफ 1 हजार से भी कम वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी. वहीं 2018 में भनोट ने अपनी जीत का अंतर 18 से ज्यादा वोटों तक बढ़ा लिया था. ऐसे में वे राकेश सिंह के लिए मजबूत चुनौती पेश कर सकते हैं.

तीसरा कोई नहीं: जबलपुर लोकसभा क्षेत्र में 8 विधानसभा सीटें हैं. 4 सीटों पर भाजपा और 4 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है. इसमें से 4 शहरी सीटों में से 3 पर कांग्रेस काबिज है. इसमें जबलपुर पूर्व, जबलपुर पश्चिम और जबलपुर (मध्य-उत्तर) शामिल हैं. सभी सीटों पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है. तीसरा मोर्चा कोई दिखाई नहीं देता.

जातिगत समीकरण: जबलपुर पश्चिम विधानसभा में 2 लाख 18 हजार 903 मतदाता हैं. इसमें से 1 लाख 11 हजार 672 पुरुष और 1 लाख 7 हजार 220 महिला वोटर्स हैं. यहां अनुसूचित जाति के 13 फीसदी वोटर्स हैं. अनुसूचित जनजाति वर्ग के सबसे कम 4 फीसदी और सबसे ज्यादा 45 फीसदी सामान्य वर्ग को वोटर्स हैं. 23 फीसदी ओबीसी मतदाता हैं. इसके अलावा 15 फीसदी वोटर्स अल्पसंख्यक वर्ग से आते हैं.

सांसद राकेश सिंह.

सिखों का विरोध

- जबलपुर पश्चिम में करीब 20 से 22 हजार सिख वोटर्स हैं. ये हरेंद्र सिंह ''बब्बू'' का समर्थन कर रहे हैं. उन्हें भाजपा ने टिकट नहीं दिया है. अब सिख वोटर्स राकेश सिंह के विरोध में खड़े हो सकते हैं. ये विरोध बड़ा अंतर पैदा कर सकता है.

साख का सवाल

- जबलपुर पश्चिम सीट पर 2 दिग्गजों की साख दांव पर लगी हुई है. राकेश सिंह भाजपा के और तरुण भनोट कांग्रेस के दिग्गज हैं. अब सवाल सिर्फ हार या जीत का नहीं है. ये विधानसभा चुनाव जीतना दोनों की साख का सवाल है. दोनों ये सीट जीतने के लिए सबकुछ लगा देंगे, लेकिन बाजी किसके हाथ लगेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार तो करना ही होगा.

अशोक गहलोत ने नामांकन दाखिल किया

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर में सरदारपुरा विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और विश्वास जताया कि जनता एक बार फिर राज्य में कांग्रेस की सरकार बनाएगी. इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि पांच साल के कार्यकाल के बाद भी उनकी सरकार के खिलाफ किसी तरह की 'सत्ता विरोधी लहर' नहीं है. जोधपुर में सरदारपुरा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'आज राजस्थान की खुशहाली और समृद्ध सरदारपुरा के संकल्प के साथ क्षेत्र के प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया.' नामांकन दाखिल करने के दौरान गहलोत की पत्नी सुनीता गहलोत और पुत्र वैभव गहलोत भी उनके साथ थे.

नामांकन दाखिल करने से पहले गहलोत ने अपनी बड़ी बहन विमला देवी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया. बाद में संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहा, 'इतिहास में पहली बार राज्य में ऐसी सरकार है जिसके खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी लहर' नहीं है. यह हमारे लिए, हमारी सरकार और कांग्रेस के लिए गर्व की बात है. पांच साल के कार्यकाल में किए गए फैसलों के कारण ऐसा माहौल बना है.

गहलोत ने कहा कि आज राजस्थान की चर्चा, हमारी योजनाओं की चर्चा देशभर में हो रही है. उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है, हमने हर क्षेत्र में नवाचार किया है और कामयाब हुए हैं. आगामी विधानसभा चुनाव के नतीजों के बारे में उन्होंने कहा, मैंने अपना धर्म निभाया है. प्रथम सेवक के रूप में मुझे अवसर मिला तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का. अब जनता पर है कि वह क्या फैसला देती है. माई-बाप तो जनता ही होती है. वैसे गांव से लेकर ढाणियों तक में यह माहौल है कि इस बार सरकार रिपीट हो सकती है. गहलोत ने कहा कि कोरोना काल में बेहतर प्रबंधन के कारण अगर केरल में 70 साल में पहली बार कोई सरकार रिपीट हो सकती है तो राजस्थान में क्यों नहीं ऐसा हो सकता?

उन्होंने कहा, केरल में एक के बाद एक सरकार बदलती थी. सिर्फ और सिर्फ कोरोना काल में बेहतर प्रबंधन के कारण वहां की जनता ने सरकार रिपीट कर दी.

मिजोरम: 8.52 लाख वोटर आज चुनेंगे अपनी सरकार

174 उम्मीदवारों के भाग्य का करेंगे फैसला

शुभम संदेश नेटवर्क

देश के सात पहाड़ी राज्यों में से एक मिजोरम में विधानसभा चुनाव प्रचार का शोर रविवार शाम थम गया. इस पहाड़ी राज्य में मंगलवार को नई सरकार को चुनने के लिए वोटिंग होगी. इसके लिए अधिकारियों ने सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली हैं. राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान कराने के लिए सोमवार को मतदान दलों को उनके संबंधित मतदान केंद्रों पर भेज दिया गया. अतिरिक्त उपायुक्त सैजिकपुई ने बताया कि मतदान दल अपनी ईवीएम और मतदान सामग्री के साथ बूथ पर पहुंच चुके हैं. चुनाव आयोग के आकड़ों के मुताबिक मिजोरम में 8.52 लाख से अधिक मतदाता है. इनमें से 50,611 मतदाता ऐसे भी हैं जो पहली बार वोट देंगे. बता दें इस चुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट जहां अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए चुनावी मैदान में है तो वहीं, जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम), भाजपा और कांग्रेस मौजूदा सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए चुनाव लड़ रही हैं.

मिजोरम में पुरुष मतदाता पर महिला भारी

बता दें कि मिजोरम इकलौता ऐसा राज्य है जहां महिला मतदाता पुरुष मतदाता पर भारी हैं. यहां 4,13,064 पुरुष और 4,39,028 महिला मतदाता हैं. वहीं, राज्य में 18-19 आयु वर्ग के 50,611 मतदाता भी हैं जो पहली बार मतदान करेंगे. प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के 8490 वरिष्ठ नागरिक भी अपने मत का प्रयोग करेंगे. राज्य की जनता 7 नवंबर को होने वाले मतदान 174 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेगी. वहीं राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की करीब 50 कंपनियों को तैनात किया गया है. चुनाव आयोग ने राज्य में 30 मतदान केंद्रों को संवेदनशील मतदान केंद्रों के रूप में चिन्हित किया है.

किसके पास कितने विधायक

- बता दें कि 2018 के विधानसभा चुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट ने 37.8 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 26 सीटें हासिल की थी. वहीं, कांग्रेस के खाते में पांच सीटें आई थी, जबकि भाजपा ने एक सीट पर विजय हासिल की थी. वहीं जेडपीएम को 8 सीटें मिली थी.

कॅरियर-काउंसिलिंग

इवेंट प्लानर या कोऑर्डिनेटर बनकर सफलता के नए आयाम गढ़ सकते हैं युवा

कोई कार्यक्रम उसके अरेंजमेंट के परफेक्ट होने से ही एक इवेंट सक्सेसफुल माना जाता है, ये तो हम सब जानते हैं. लेकिन इतनी सारी चीजों को मैनेज करना और उसका जीरो से लेकर एंड तक परफेक्ट होना, थोड़ा मुश्किल होता है, जिसे आसान करने का काम एक इवेंट प्लानर का होता है. डेकोरेशन के पैटर्न को सेलेक्ट करना, जगह निर्धारित करना, फूड मेन्यू का सिलेक्शन और बहुत सी चीजें जो एक इवेंट को एक सक्सेसफुल इवेंट बनाती है, एक इवेंट प्लानर के रोल्स का एक छोटा सा हिस्सा हैं...

इवेंट प्लानर क्या होता है

इवेंट प्लानर को इवेंट को-ऑर्डिनेटर भी कहा जाता है. इनके वर्क रोल्स के बारे में थोड़ा और विस्तार से बात की जाए तो इनका काम काफी इंटेंस और बारीकिओं को खास महत्व देने वाला होता है, लेकिन इम्प्लीमेंटेशन के बाद एक उपलब्धि का एहसास देता है. यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें कुछ स्पेसिफिक स्किल्स के साथ काफी एनर्जी और स्थिर दिमाग की आवश्यकता होती है. इसके साथ एक इवेंट प्लानर बनने के लिए आपको किन चीजों में माहिर होने की आवश्यकता है।

अपने कॉन्टैक्ट्स बनाएं

- बिजनेस प्रोपोजल्स बनाना और क्लाइंट्स से मिलना
- इवेंट का बजट बनाना
- सभी डिपार्टमेंट के लोगो से मेल जोल बनाना (जैसे एलेक्ट्रिशन्स, डीजे, केटरर्स आदि)
- अलग अलग टीमस को सुपरवाइज करना
- इवेंट के बाद की चीजों का भी ध्यान रखना, जिसमें सफाई आदि शामिल हैं

इवेंट प्लानर बनने के लिए कोर्सेज

- बीएससी पर्यटन और इवेंट मैनेजमेंट
- बीएससी इवेंट मैनेजमेंट
- इवेंट मैनेजमेंट में बैचलर ऑफ बिजनेस
- बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट
- इवेंट मैनेजमेंट में बी.एस
- बीए क्रिएटिव डिजाइन
- बीए इवेंट मार्केटिंग
- बीएससी इवेंट ऑपरेशंस और प्रोडक्शन मैनेजमेंट
- बीएससी स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजमेंट
- बीए बिजनेस और इवेंट मैनेजमेंट
- एमएससी इवेंट मैनेजमेंट
- इवेंट मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ बिजनेस
- खेल प्रबंधन में एमबीए
- एमएससी इवेंट मैनेजमेंट
- इवेंट मैनेजमेंट- पीजी सर्टिफिकेट
- एमएससी इंटरनेशनल इवेंट मैनेजमेंट
- एमएससी ग्लोबल मीटिंग्स और इवेंट मैनेजमेंट
- आयोजनों और पर्यटन के लिए विपणन प्रबंधन में एमए

इवेंट मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स

- इवेंट मैनेजमेंट में डिप्लोमा,
- मीडिया और इवेंट मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा,
- इवेंट मैनेजमेंट में स्नातक,
- इवेंट मैनेजमेंट में बीएससी,
- इवेंट मैनेजमेंट में बीबीए,
- इवेंट मैनेजमेंट में बीए,
- इवेंट मैनेजमेंट में मास्टर,
- इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए,

एक इवेंट मैनेजर क्या करता है?

इवेंट मैनेजरों को केवल योजना बनाने और आयोजन के अलावा भी कई कर्तव्य निभाने होते हैं. कुछ अन्य महत्वपूर्ण कर्तव्य जिन्हें इवेंट मैनेजरों को निभाने की आवश्यकता है, उनकी चर्चा नीचे की गई है.

- एक इवेंट मैनेजर घटनाओं और विषयों के लिए नवीन विचारों पर विचार-मंथन करने और उन्हें तैयार करने के लिए जिम्मेदार होता है
- वे बजट तय करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि उनकी योजनाएं निर्धारित राशि के भीतर रहें
- इवेंट मैनेजर खानपान और सजावट के लिए विक्रेताओं को पकड़ते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि वे मेहमानों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करें
- संगीत समारोहों और उद्घाटन जैसे व्यावसायिक कार्यक्रमों के लिए, इवेंट प्रबंधकों को विभिन्न भौतिक और डिजिटल माध्यमों के माध्यम से कार्यक्रम का उचित प्रचार सुनिश्चित करना होगा
- इवेंट मैनेजरों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्टाफ ठीक से समन्वयित है और इवेंट सुचारू रूप से चलता है
- उन्हें अपनी सफलता और विफलता का सही आकलन करने के लिए घटना के बाद के लॉजिस्टिक्स, संचार, रिपोर्टिंग और विश्लेषण को भी संभालना होगा

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)